रजिस्ट्री सं• डी-(डी) ... 73



भारत की राजपत्र Che Gazette of India

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं० 19]

नई विल्ली, शनिवार, मई 12, 1979 (वैशाख 22, 1901)

No. 19] NEW DELHI, SATURDAY, MAY 12, 1979 (VAISAKHA 22, 1901)

इस भाग में भिन्न पृष्ठ संख्या दी जाती है जिससे कि यह अलग संकलन के रूप में रखा जा सके (Separate paging is given to this Part in order that it may be filed as a separate compilation)

माग Ш—बम्ब 1

PART III-SECTION 1

उच्च न्यायालयों, नियंत्रक और महालेखापरीक्षक, संघ लोक सेवा आयोग, रेल विभाग और भारत सरकार के संलग्न और अधीन कार्यालयों द्वारा जारी की गई अधिसूचनाएं

[Notifications issued by the High Courts, the Comptroller and Auditor General, the Union Public Service Commission, the Indian Government Railways and by Attached and Subordinate Offices of the Government of India.]

गृह मंत्रालय

महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल नई विल्ली-110011, दिनांक 17 ग्रप्रैल 1979

सं० भ्रो० दो०-20/76 स्थापना स्थी डबल्यू० औ० जे० मुद्दालियार, भारतीय पुलिम सेवा श्रिधकारी, (राजस्थान 1955) उप महानिरीक्षक (छुटटी पर थे) की उप-महानिरीक्षक, सीमा सुरक्षा दल में नियुक्ति होने के फलस्वरूप वह दिनांक 15-3-79 (पूर्वा ह्य) से केन्द्रीय रिजर्व पुलिम बल से कार्य मुक्त समझा जाए।

दिनांक 21 भ्रप्रैल 1979

सं० श्रो० दो० 1100/78-स्थापना—महानिदेशालय केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल ने डाक्टर (श्रीमती) मंगला राजन को 5-2-79 के पूर्वाह्म मे केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमें जो भी पहले हो उस नारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा श्रीधकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

मं० ग्रो॰ दो॰-1435/79-स्थापना---राष्ट्रपति ले॰ कर्नल के॰ गोस्वामी (भ्रवकाश प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में 1--5601/79 कमाण्डेन्ट के पद पर श्रागामी श्रादेश जारी होने तक पुनर्नियुक्ति पर नियुक्त करने हैं।

2. ले० कर्नल के० गोस्वामी ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के महानिदेणालय, नई दिल्ली में दिनांक 3-4-79 के पूर्वाह्न से सहायक निदेशक (वर्क्स) के पद का कार्यभार संभाना।

सं० श्रो० दो-1045/75-स्थापना—महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्ष पुलिस बल ने डाक्टर बी० दलीप मूर्ति को 24-3-1979 के पूर्वा हा से केवल तीन माह के लिये ग्रथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने पर, इनमें जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ट चिकित्सा ग्रधिकारी के पद पर तद्दर्थ रूप में नियुक्त किया है।

दिनांक 23 अप्रैल 1979

सं० मो० दो-126/72-स्थापना--मेजर बी० के० सोवती का पुर्नित्यक्ति का समय समाप्त होने पर उन्होंने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेन्ट सिगनल ग्रुप मेन्टर नीमच के पद का कार्यभार दिनांक 1-4-1979 के ग्रपराह्म से त्याग दिया।

र्मं श्री० दो०-1032/75-स्थापना---महानिदेशक केन्द्रीय रिजर्वे पुलिस क्रल ने डाक्टर (श्रीमती) ज्योरसनाभाई नायक को

(3567)

28-2-1979 के पूर्वाह्म से केवल तीन माह के लिये अथवा उस पद पर नियमित नियुक्ति होने तक, इनमे जो भी पहले हो उस तारीख तक, केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कनिष्ठ चिकित्सा अधिकारी के पद पर तदर्थ रूप में नियुक्त किया है।

मं० औ० दो-1436/79-स्थापना—राष्ट्रपति वर्नल वाई० मी० चोपड़ा (ग्रवकाण प्राप्त) को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में कमाण्डेन्ट के पद पर ग्रागामी ग्रादेश जारी होने तक पुनर्नियुक्ति पर नियुक्त करते हैं।

2. कर्नेल वाई० सी० चोपड़ा ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के सी० टी० सी० नं० 1 नीमच में दिनांक 30-3-79 के श्रपराह्न से प्रिसीपल के पद का कार्यभार संभाला।

दिनांक 24 श्रप्रैल 1979

सं० ओ० दो०-1434/79-स्थापना—राष्ट्रपति, श्री बाई० एन० सक्सेना, उत्तर प्रदेश संवर्ग के भारतीय पुलिस श्रिधकारी को केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल में उनकी प्रतिनियुक्ति पर उप महानिरीक्षक के पद पर नियुक्त करते हैं।

2. श्री सक्सेना ने केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के उप महा-निरीक्षक हैदराबाद के पद का कार्यभार दिनांक 4 अप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से संभाला।

> ए० के० बन्द्योपाध्याय सहायक निदेशक (प्रशासक)

महानिरीक्षक का कार्यालय केन्द्रीय ग्रौद्योगिक मुरक्षा बल

नई दिल्ली-110019, दिनांक 17 ग्रप्रैल 1979

मं० ई०-32015(1)/5/78-कार्मिक--राष्ट्रपति. श्री श्रमलेन्द्र चट्टोपाध्याय, सहायक पायर श्राधकारी, गौहाटी हवाई श्रष्डा, गौहाटी को, 6 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्न से, श्रगले श्रादेशों तक. के० श्रौ० सु० ब० में श्रस्थाई तौर पर सहायक कमण्डेन्ट (फायर) नियुक्त करते हैं।

महानिरीक्षक/के० भ्रो० सु० ब०

श्रम मंत्रालय श्रम ब्यूरो

शिमला-171004, दिनांक मई 1979

सं० 23/3/79—मी० पी० श्राई० — मार्च, 1979 में श्रीद्योगिक श्रमिकों का अखिल भारतीय उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (आधार वर्ष 1960—100) फरवरी, 1979 के स्तर मे तीन श्रंक बढ़ कर 332 (तीन सौ बत्तीस) रहा है। मार्च, 1979 माह का सूचकांक श्राधार वर्ष 1949=100 पर परिवर्तित किये जाने पर 404 (चार सौ चार) श्राता है।

त्रिभ्वन सिंह उप निदेशक वित्त मंत्रालय

ग्राधिक कार्य विभाग बैक नोट मुद्रणालय

देवास, दिन'क 19 भ्रप्रैल 1979

सं० क० बी०ए०नी०पी०/सी०/5/79—इस कार्यालय की प्रिक्षसूचना क्रमांक बी०एन०पी०/सी०/5/78 दिनांक 19-12-78 के प्रमुक्तम में श्री गेन्दालाल डामोर की उप-नियन्त्वण प्रिष्ठकारी के पद तर तदर्थ प्राधार पर की गई निय्क्ति दिनांक 19-4-79 से प्राणामी वो माह तक के लिए बनाई जाती है।

दिनांक 20 ग्रप्रैंस 1979

नस्ती क्रमां ह बी ब्राग्न भी ब्रिश्न ही विश्व हिंदि है। त्र नियन्त्रण निरीक्षक को बैक नोट मुद्रणालय, देवास में श्रह्मकालिक श्रवकाश रिक्ति पर दिनाक 3-4-79 (पूर्वाह्न) से 10-6-79 (मध्याह्न) तक तदर्थ श्राधार पर, स्थानापन्न उपनियन्त्रण श्रधिकारी के हण में नियुक्त किया जाता है।

पी० एस० णिवराम महा प्रबंधक

पूर्वोत्तर सीमा रेलवे मुख्य लेखापरीक्षक का कार्यालय गौहाटी, दिनांक 2 मार्च 1979

सं० एस० ग्रो० ग्रो० सं० 316—श्री एम० एन० राय शैधरी, स्थानापन्न लेखा परीक्षा ग्रिधकारी वे० मा० 840-40-1000-द० रो०-1200 को, भारत के महा लेखा परीक्षक के पन्न सं० 3970-जी० ई०-ध/44-78 किनंक 30-12-78 के ग्रन्तर्गत लेखा परीक्षक ग्रिधकारी के एक पद के स्थायी किये जाने के ऋम में, दिनांक 1-4-78 में उसी पद ग्रीर वेतनमान में स्थायी कप से नियक्त किया जाता है।

ए० **कृ**ःणन, मुख्य लेखा परीक्षक

कार्यालय निदेणक लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं

नई दिल्ली, दिनांक 19 श्रप्रैल 1979

म० ए० प्रशासन/130/79—निदेशक लेखा परीक्षा सिवाएं प्रिधिनस्थ लेखा सेवा के स्थायी श्री ए० ग्राई० के० ग्रीवेराय को संयुक्त निदेशक, लेखा परीक्षा, रक्षा सेवाएं मध्य कमान भेरठ, में दिनांक 29-3-79 (पूर्वाह्न) से स्थानापक्ष लेखा परीक्षा ग्रीध-कारी के रूप में ग्रगले ग्रावेश पर्यंन्त सहर्ष नियुक्त करते हैं।

सं० ए० प्रशासन/ 130/79/266--श्री एस० एन० महरोत्रा श्रस्थायी लेखा परीक्षा श्रधिकारी, जो वरिष्ठ उप निदेशक, लेखा परीक्षा रक्षा सेवाएं मध्य कमान, मेरठ में नियुक्त थे, उनका दिनांक 23-2-79 को देहान्त हो गया।

> कें बी० दास भौमिक संयुक्त निदेशक

रक्षा मंत्रालय

भारतीय श्रार्डनेन्स एवं श्रार्डनेन्स उपस्कर फैक्टरियां

कलकत्ता, दिनांक 7 फरवरी 1979

मं० 1/79/ए०/एम०---राष्ट्रपति जी, निम्निणिखित स्थायी सहायक चिकित्सा अधिकारियों को धार्डनेन्स फैक्टरी स्वास्थ्य सेवा में स्थानापन्न वरिष्ठ चिकित्सा अधिकारीगण के पद पर, प्रत्येक के सामने दर्शायी गई तारीखों से, आगामी आदेश होने तक नियुक्त करते हैं:---

क्रन सं०	नाम	नियुक्ति स्थान	दिनांक
1	2	3	4
1.	डा० (श्रीमती) त्री० सरकार	ग्राडनेन्स फैक्टरी, कानपुर	29-6-78 (दिनांक 31-8-78 को मेया निष्ट्ता)
2.	डा० बी० एन० सेन	ब्रार्डनेन्स फैक्टरी, वरणगाव	29-6-78
3.	ड िडी० के० म₁स्याल	कार्डाइट फैक्टरी, श्रम्बास्काड	29-6-78
4.	डा० ए० म्रार० चटटो पाध्याय	क(डॉडट फैक्टरी, श्ररूवान्का ड्	29-6-78
5.	डा० एस० के० भरटा- चार्या	स्रार्डनेन्स फैक्टरी, भण्डारा	29-6-78
6.	डा० (कुमारी) जे० श्रार० बरूग्रा∤	म्रार्डनेन्स फैक्टरी, मुरादनगर	29-6-78
7.	डा० ग्रार० के० प⊦ल	श्रार्डनेन्स फैक्टरी, कटनी	29-6-78
8-	डा०पी० जी० सरहार	ग्राडनेत्स फैक्टरी, तिम्चिरापल्ली	29-6-78

1	2	3	4
9	डा० प्रियके श मृखर्जी	ध्रार्डनेन्स फैक्टरी, देहरादून ।	29-6-78
10.	डा० के० बी० दाम गुप्ता	म्रार्डनेन्स फैक्टरी, कानपुर ।	15-9-78
11.	डा० एस० के० मजुम- दार	तोप गाड़ी फैक्टरी जबलपुर	1-7-78
12	डा०एम० जी० चक्रवर्ती	ग्रार्डनेन्स फैक्टरी, ग्रम्बाझारी	24-7-78
13.	डा० (कुमारी) के० मुक्या	वाहन फैक्टरी, जबलपुर	15-10-78

ले० कर्नल के० भटटाचार्या उप निदेशक, स्वास्थ्य सेवाएं कृते महानिदेशक

वाणिज्य, नागरिक ग्रापूर्ति एवं महकारिता मंत्राक्षय मुख्य नियंत्रक, ग्रायात-निर्यात का कार्याक्षय नई दिल्ली, दिनांक 20 ग्रप्रैल 1979 आयात-निर्यात व्यापार नियंत्रण

गत-।नयात व्याप⊺र ानयस्रण (स्थापना)

स० 6/1204/77-प्रणासन (राज०)/2962—सेवा निवृति की ग्रायु होने पर, केन्द्रीय सचिवालय सेवा के ग्रनुभाग ग्रधिकारी वर्ग के स्थानापन्न ग्रधिकारी श्री ग्रजवानी दूला ने 31 मार्च, 1979 के दोगहर बाद से इस कार्यालय में नियंत्रक, श्रायात निर्यात के पद का कार्यभार छोड़ दिया।

दिनाक 21 भ्रप्रैल 1979

मं० 6/632/61-प्रशासन (राज०)/3002---राष्ट्रपति, केन्द्रीय मचिवालय सेवा के श्रनुभाग श्रधिकारी वर्ग के स्थायी श्रधिकारी, श्री मी० एम० श्रार्य को 1 फरवरी, 1979 से 3 माम की श्रवधि के लिए श्रयवा जब तक नियमित श्रधिकारी कार्य-भार ग्रहण नहीं कर लेता इनमें जो भी पहले हो उस तक उक्त सेवा के वर्ग- में नियुक्त करते हैं।

2 राष्ट्रपति, श्री मी० एम० श्रार्थ को उपर्युक्त श्रवधि के लिए इस कार्याचय में उप मुख्य नियंत्रक, श्रायात नियति के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

म० 6/611/60-प्रणा० (राज०)/3012—राष्ट्रपति, केन्द्रीय मिनवालय सेवा के प्रतुभाग ग्रधिकारी वर्ग के स्थायी ग्रधिकारी, श्रीटी० जे० स्टीफन को 18 दिसम्बर, 1978 के पूर्वाह्न से श्रगता ग्रादेण होने तक उक्त सेवा के वर्ग-I में स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिए नियुक्त करते हैं। 2. राष्ट्रपति, श्री टी० जे० स्टीफन को इस कार्यालय में उसी दिन से उप मुख्य नियंत्रक, आधात निर्यात के रूप में भी नियुक्त करते हैं।

> राजिन्दर सिह उप मुख्य नियंत्रक, आयात-निर्यात कृते मुख्य नियंत्रक, भ्रायात-निर्यात

उद्योग मंत्रालय भौद्योगिक विकास विभाग विकास भ्रायुक्त (लघु उद्योग) का कार्यालय नई दिल्ली-110011, दिनांक 3/18 भ्रप्रैल 1979

सं० ए०-19018 (386) / 79-प्रशासन (राजपित्रत) — विकास ग्रायुक्त (लघु उद्योग), श्री टी० श्रार० मूर्ति, ग्राधीक्षक को दिनांक 16 मार्च, 1979 (पूर्वाह्न) से ग्राग्ले श्रादेश तक, लघु उद्योग सेवा संस्थान, जयपुर में सहायक निवेशक, ग्रेड-II (सामान्य प्रशासन प्रभाग) के पद पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त करते हैं।

सं० ए०-19018(146)/74-प्रणासन (राजपितत) — तिलहन विकास निदेशालय, हैदराबाद में उप निदेशक (योजना एवं विकास) के पद पर नियुक्ति होने पर भारतीय प्रर्थ सेवा की ग्रेड-III प्रधिकारी श्रीमती माधुरी सरीन ने दिनांक 22 जनवरी, 1979 (प्रपराह्म) से लघु उद्योग सेवा संस्थान, हैदराबाद के सहायक निदेशक ग्रेड-I (ग्राधिक ग्रन्वेषक) पद का कार्यभार छोड़ दिया।

महेन्द्र गुप्त उप निदेशक (प्रशासन)

वस्त्र श्रायुक्त का कार्यालय बम्बई-400020, दिनांक 21 श्रप्रैंल 1979

सं० 18(1)/77-सी० एल० बी० — बस्त्र (शिक्त-चालित करघों द्वारा उत्पादन) नियंत्रण श्रादेश, 1968 के खंड-H में प्रदस्त शिक्तयों को प्रयोग करते हुए में एतदद्वारा वस्त्र श्रायुक्त की श्रिधसूचना सं० 15(2)67-सी० एल० बी० H/बी० दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित श्रतिरिक्त संशोधन करता हूं, श्रर्थात :—

उन्नत श्रिधसूचना से संलग्न मारणी में कम संख्या 2 के सामने स्तंभ 2 में विद्यमान प्रविष्टी के स्थान पर निम्नलिखित प्रति-स्थापित की जाएगी, श्रर्थात :---

- (1) "उद्योग निदेशक पटना
- (2) निदेशक (हाथकरघा और रेशम उत्पादन)

दिनांक 23 भ्रप्रैल 1979

सं० सी० एल० बी०/1/6-जी०/79—सूती वस्त्र (नियंत्रण) भादेण, 1948 के खंड 34 में प्रदत्त णिक्तयों का प्रयोग करते हुए, श्रीर केन्द्रीय सरकार की पूर्व स्वीकृति से में एतद द्वारा वस्त्र आयुक्त की श्रिधसूचना सं० सी० एल० बी०/1/1/6-जी०/71 दिनांक 13 जनवरी, 1972 में निम्नलिखित संणोधन करत। हूं, अर्थात:—

जक्त श्रधिसूचना से संलग्न सारणी में क्रम संख्या 2 के सामने स्तंभ 2, 3 और 4 में विद्यमान प्रविष्टियों के स्थान पर निम्नलिखित प्रति स्थापित की जाएंगी, श्रर्थात :---

2	3	4
(1) वस्त्र नियंत्रक, बिहार (2) उद्योग निदेशक, पटना (3) निदेशक (हाथ करघा श्रौर रेशम उत्पादन) बिहार, पटना	बिहार	12(6), 12(6ए) 12(7ए) 12(7एए) 12सी भ्रोर
	गौरी संयुक्त	 मंकर भार्गव, वस्त्र ग्रायुक्त

पूर्ति तथा निपटान महानिदेशाक्षय

(प्रशासन ग्रनुभाग-6)

नई दिल्ली, दिनांक 12 भ्रप्रैल 1979

सं० ए०-17011/149/79-प्र०-6---महानिदेशक, पूर्ति तथा निपटान उरतरी निरीक्षण मण्डल में भण्डार परीक्षक (वस्त्र) श्री एस० सी० कोहली को दिनाक 23 मार्च, 1979 से पूर्ति तथा निपटान महानिदेणालय, नई दिल्ली के मुख्यालय में अगामी प्रादेशों तक पूर्णतः तदर्थ आधार पर स्थानापन्न महायक, निरीक्षण प्रधि-कारी (वस्त्र) के रूप में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 17 अप्रैल 1979

सं० प्र० 6/247/(479)64-3—राष्ट्रपति ने इस महा-निदेशालय के प्रधीन निरीक्षण निदेशक (धातु) जमणेदपुर के कार्यालय में सहायक निदेशक निरीक्षण (धातु) भारतीय निरीक्षण सेवा धातु कम शाखा के ग्रेड 3 के ग्रुप ए) श्री ग्रार० एम० दूबे का त्यागपत्र दिनांक 1 सितम्बर, 1978 के श्रपराह्म से स्वीकार कर लिया है।

> पी० डी० सेठ उप निदेशक प्रशासन **कृते** महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

(प्रशासन अनुभाग-1)

नई दिल्ली, दिनाक 19 अप्रैल 1979

सं० प्र० 1/1(224)—राष्ट्रपति, स्थायी निदेशक (भारतीय पूर्ति सेवा के ग्रेड-1) श्री जे० सी० भंडारी को विनांक 4 श्रप्रैल, 1979 के पूर्वाह्म से तथा श्रागामी ब्रादेशों के जारी होने तक पूर्ति तथा निपटान महानिदेशालय, नई दिल्ली में श्रपर महानिदेशाक के पद पर स्थानापन्न रूप से नियुक्त करते हैं।

कें० किशोर उप निदेशक प्रशासन कृते महानिदेशक पूर्ति तथा निपटान

इस्पात ग्रौर खान मंत्रासय (खान विभाग) भारतीय भूवैज्ञानिक सर्वेक्षण

कलकत्ता-700016, दिनांक 19 श्रप्रैल, 1979

मं० 2028 बी/ए०-19012 (1-सी०एल०वी०श्रार०ए०)/19 बी०--श्री सी० एल० बी० ग्रार० ग्रंजेनेयुलु को भारतीय भूवैज्ञा-निक सर्वेक्षण में शिष्ट में बास के पद से त्याग पत्र देने पर 31 जुलाई, 1976 के ग्रपराह्म से मुक्त किया गया है ताकि वे भारतीय खान ब्यूरो में सहायक खान नियंत्रक के पद का कार्यभार ग्रहण कर सकें।

> वी० एस० क्रुष्णस्वामी, महा निदेशक

भारतीय खान ब्यूरो नागपुर, दिनांक 17 म्राप्रैल 1979

सं० ए.०-19011(122)/75-स्था० ए०---राष्ट्रपति, विभागीय पदोन्नति समिति की मिफारिश पर भारतीय खान ब्यूरों के डा० के० के० चटर्जी, सहायक खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) को दिनांक 15-3-1979 के अपराह्म से भारतीय खान ब्यूरों में स्थानापत्त उप खनिज अर्थशास्त्री (आसूचना) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

सं० ए०-1901 1/6 1/73-स्था० ए०—विभागीय पदोभ्रति सिमिति की सिफारिण पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो डा० एस० पी० देणपाण्डे, उप अयस्क प्रसाधन अधिकारी को दिनांक 15-3-1979 के अपराह्म से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में अधीनस्थ अधिकारी (अयस्क प्रसाधन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

दिनांक 21 ध्रप्रैल 1979

सं० ए०-19011/73/79-स्था० ए०---विभागीय पदोन्नति समिति की सिफारिण पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के श्री एन० म्नार० गुप्ता उप-खनिज मर्थ णास्त्री (म्नासूचना) को दिनांक 12-3-1979 के अपराह्म से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में खिनिज अधिकारी (भ्रासूचना) के पद पर सहर्ष नियुक्ति अधान करते हैं।

सं० ए०-19012/36/75-स्था० ए०---विभागीय पदोन्नति समिति की निकारिण पर राष्ट्रपति भारतीय खान ब्यूरो के श्री ग्रार० नमाशीवायम प्रकाशन ग्रिधकारी को दिनांक 12-3-1979 के पूर्वीह्न से उसी विभाग में स्थानापन्न रूप में सहायक निदेशक (प्रकाशन) के पद पर सहर्ष नियुक्ति प्रदान करते हैं।

एस० बालागोपाल कार्यालय श्रध्यक्ष

भारतीय मर्वेक्षण विभाग महा सर्वेक्षक का कार्यालय

देहरादून, दिनांक 19 श्रप्रैल 1979

सं० ई०-1 5479/913-हिन्दी:—-श्री ग्रार० के० चमोली, जो इस कार्यालय की संख्या स्था-1-10061/913-एच०-दिनांक 23-3-1973 के ग्रधीन जारी की गई ग्रधिसूचना संख्या स्था-1-4599/913-एच०-दिनांक 23-3-1973 के ग्रनुसार भारतीय सर्वेक्षण विभाग में दिनांक 17 मार्च, 1973 पूर्वाह्म में हिन्दी ग्रधिकारी (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर तदर्थ ग्राधार पर स्थानापन्न रूप में नियुक्त किये गये थे, को दिनांक 2 फरवरी, 1979 पूर्वाह्म से उपयुक्त पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेननमान में नियमित ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० मी०-5840/पी० एफ० (के० ग्रार०) --- के० मि० सेवा (मी० सी० एवं ए०) नियमावली 1965 के प्रधीन ग्रनुशासनिक कार्रवाई के परिणाम स्वरूप श्री किशन राम, ग्रधिकारी मर्वेक्षक भारतीय मर्वेक्षण विभाग को 12 जनवरी, 1979 में दो साल के लिये मर्वेक्षक (सिले ग्रेड) ग्रुप सी०, भारतीय मर्वेक्षण विभाग के पद पर पदावनन किया जाता है तथा उनका वेतन 550-25-750 द० रो०-30-900 ह० के टाइम स्केल वेतनमान के न्यूनतम दर पर प्रारम्भिक रूप से निर्धारित किया जाता है। माथ ही यह भी निर्देश दिये जाते हैं कि उपर्युक्त दो माल की प्रवधि समाप्त होने के पश्चान् वह स्वतः ही ग्रधिकारी सबक्षण श्रेणी-ाL प्रुप बी) भारतीय सबक्षण विभाग के पद पर पुनः बहाल हो जायेंगे। उन्हे वही वरिष्टता दी जायेगी जिस पर वह श्रव है तथा उनका वेतन इन दो साल की श्रवधि में होने वाली मभी वार्षिक वेतन वृद्धियों को जोड़ कर निर्धारित किया जायेगा।

सं० सी० 5481/707:--निम्नलिखित श्रिधकारियो को उनके नाम के सामने दी गई तारीख से भारतीय सर्वेक्षण विभाग में स्रिधिकारी सर्वेक्षक (ग्रुप 'बी') के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000-द० रो०-40-1200 क० के वेतनमान में पूर्णतः तदर्थ भ्राधार पर भ्रनन्तिम रूप में नियुक्त किया जाता है।

ऋमांक	नाम तथा पद	यूनिट/कार्यालय	तारीख
	नमैन डि॰ 1, सिले	सं० 1 म्रारेखण कार्या- लय (मा० प्र० निदेशालय) बेहरादून	9-3-1979 (पूर्वाह्म)
ड्रा	प्रेम नाथ	, , ,	9-3-1979 (पूर्वाह्न)
	डी० पी० बड़ोनी तण सिस्ने ग्रेड	दक्षिण पूर्वी सकिल कार्यालय भुवनेश्वर	12-3-1979 (पूर्वाह्न)

दिनांक 23 श्रप्रैल 1979

सं० सी०-5482/594:-श्रश्नी रामा नन्द, तकनीकी सहायक, सिले ग्रेड को, 2 मार्च, 1979 (पूर्वाह्म) से भारतीय गर्वेक्षण विभाग में सहायक प्रबन्धक, मानिचल पुनस्त्मादन (ग्रुप 'बी' पद) के पद पर 650-30-740-35-810-द० रो०-35-880-40-1000 द० रो०-40-1200 ६० के वेतन मान में स्थानापन्न रूप से नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5483/718-ए०:—श्री जे० के० धर्मा, स्थानापन्न श्रधीक्षक, महासर्वेक्षक का कार्यालय को, श्री स्वस्प मिंह, स्थापना एव लेखा श्रधिकारी, जो 31-1-79 (श्रपराह्न) से सेवा से निवृत्त हो गये हैं, के स्थान पर 12 मार्च 1979 (पूर्वाह्न) से पश्चिमोत्तर सर्विल कार्यालय, भारतीय सर्वेक्षण विभाग, चण्डीगढ़ में, स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी (सा० मि० सेवा ग्रुप 'वी' पद) के पद पर 840/—— रु० प्रतिमाह वेतन पर 840-40-1000-द० रो०-40-1200 रु० के वेतन मान में स्थानापन्न रूप से सदर्थ ग्राधार पर नियुक्त किया जाता है।

सं० सी०-5484/718-ए:—श्री लक्ष्मी चन्द्रा, जिन्हें इस कार्यालय की श्रिधसूचना सं. सी०-5450/718-ए० दिनांक 21 दिसम्बर, 1978 के श्रधीन मानचित्र प्रकाणन निदेशालय में 27 नवम्बर, 1978 (पूर्वाह्म) से मर्वश्री सी एम० सक्सेना सथा एस० डी० करारिया के स्थान पर स्थापना एवं लेखा श्रधिकारी के पद पर 45 दिन के लिये तदर्थ श्राधार पर नियुक्त किया गया था, उनकी तदर्थ नियुक्ति की श्रविध 13-1-79 से 31-1-79 तक 19 दिन के लिये श्रीर बढ़ाई जाती है, क्योंकि श्री एस० डी० करारिया, स्थापना एवं लेखा श्रिधकारी ने श्रस्वस्थता के कारण श्रपनी छुट्टी श्रीर बढ़ा ली है।

के० एल० खोसला, मेजर जनरल

श्राकाशवाणी महानिदेशालय

नई दिल्ली, दिनांक प्रप्रेल 1979

सं० 31/3/78एम०II:—महानिदेशक आकाशवाणी, श्री पी० एन० मिश्र, फील्ड रिपोर्टर, श्राकाशवाणी दिल्ली को आकाशवाणी दिल्ली पर विस्तार प्रधिकारी के पद पर तदर्थ आधार पर 20 मार्च, 1979 से श्रगले श्रादेश तक नियुक्त करते हैं।

एस० वी० सेषाद्री, उप प्रशासन निदेशक कृते सहानिदेशक,

नई दिल्ली, दिनांक 20 श्रप्रैल, 1979

सं० 10/12/69-एस० तीन:—--महानिदेशक, श्राकाण-वाणी, श्राकाणवाणी के वरिष्ठ इंजीनियरी सहायक संवर्ग के श्री वी० जी० के० मूर्ति को, श्राकाणवाणी के सहायक इंजी-नियर के संवर्ग यें, स्थानापन्न रूप मे, दिनांक 27-2-79 (पूर्वाह्म) से पदोन्नत करते हैं, श्रौर श्रगले श्रादेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में तैनात करते हैं।

सं० 10/16/79-एम तीन:—महानिदेशक, श्राकाशवाणी, आकाशवाणी के वरिष्टं इंजीनियरी सहायक संवर्ग के श्री वेद वर्त शर्मा को श्राकाशवाणी के महायक इंजीनियर के संवर्ग में, स्थानापन्न रूप से, दिनांक 28-2-79 (पूर्वाह्न) में पदोन्नति करते हैं श्रीर श्रगले श्रादेशों तक, दूरदर्शन केन्द्र, दिल्ली में तैनात करते हैं।

जनक राज लिखी, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

नई दिल्ली, दिनांक 18 भ्रप्रैल 1979

सं० 6(129)/63-एस-1:——महानिदेशक, आकाशवाणी, एतद्धार श्री एम० के० सोम, प्रसारण निष्पादक, आकाशवाणी गोहाटी को आकाशवाणी लिसलचर में 28 फरवरी, 1979 से अगले आदेशों तक कार्य- कम निष्पादक के पद पर अस्थाई हम में नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 अप्रैल 1979

सं० 6(3)/63स्टाफ-I:——वार्धक्य श्रायु के प्राप्त हो जाने पर श्री ए० पी० भौमिक, कार्यक्रम निष्पादक, ग्राकाशवाणी गौहाटी को दिनांक 31 मार्च, 1979 श्रपराह्न मे सेवा निवृत्त किया गया है।

> श्रोम वहादुर शर्मा, प्रशासन उपनिदेशक कृते महानिदेशक

स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय

नई दिल्ली, दिनांक 16 भ्रप्रैल 1979

मं० ए० 31014/6/77-ए० घ्राई० ग्राई० पी० एम० आर०/प्रणामन-I—स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने श्री एम० एन० चैनानी को 10 ग्रगस्त, 1976 के पूर्वाह्न से अखिल भारतीय भौतिक चिकित्सा विज्ञान एवं पुनर्वाम मंस्थान बम्बई में फिजिग्नोथैरापी विभाग के चीफ के पद पर स्थाई हप से नियुक्त किया है।

सं० ए० 35014/3/77-एन० टी० म्राई० (प्रशासन I)— स्वास्थ्य सेवा महानिदेशक ने सूचना एवं प्रमारण मंत्रालय के मंबर्ग में केन्द्रीय सचिवालय सेवा के म्रनुभाग भ्रधिकारी श्री बाई० विजय मिन्हा को 15 मार्च, 1979 पूर्वाह्न से म्रागामी भ्रादेशों तक राष्ट्रीय क्षयरोग संस्थान, बंगलौर में प्रशासनिक म्रधिकारी के पद पर प्रतिनियुक्ति आधार पर नियुक्त किया है।

दिनांक 21 श्रप्रैल 1979

मं० ए० 19019/34/76-एफ० श्रार० एम० एल०/ प्र०-1--श्रपना इस्तीफा मंजूर हो जाने पर डा० पी० के० जायसवाल ने 27 फरवरी, 1979 के श्रपराह्न को खाद्य ग्रनुसंधान तथा मानकीकरण प्रयोगशाला, गाजियाबाद से वरिष्ठ विश्लेषक के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनोक 23 श्रप्रैल 1979

मं० ए०-12-22/75-प्रशासन-1—डा० एस० एस० गोठोस्कर ने असाधारण अवकाण लेकर संयुक्त राष्ट्र ब्यापार तथा विकाम सम्मेलन मिववालय में नियुक्ति पर जाते हुए 30 दिसम्बर, 1978 की पूर्वात्र में स्वास्थ्य सेवा महानिदेशालय में श्रीषधि नियंत्रक (भारत) के पद का कार्य भार छोड़ दिया।

2. डा० एस० एस० गोठोस्कर ने संयुक्त राष्ट्र ब्यापार तथा विकास सम्मेलन में धपनी नियुक्ति तथा ध्रमाधारण ध्रवकाण से लौटने पर 2 ध्रप्रैल, 1979 की पूर्वाह्न से स्वास्थ्य सेवा महानिदेणालय में ध्रौषधि नियंत्रक (भारत) के पद का कार्यभार पुनः संभाल लिया है।

शाम लाल कुठियाला, उप निदेशक प्रशासन

कृषि भ्रौर सिंचाई मंत्रालय (ग्राम विकास विभाग) विषणन एवं निरीक्षण निदेशालय फरीदाबाद, दिनांक 20 श्रप्रैल 1979

सं० ए० 19023 4/79-प्र०-III : श्री एम० रडेया, सहायक विपणन ग्रिधकारी को तारीख 29-3-79 (पूर्वाह्न) से ग्रह्मकालीन आधार पर तीन महीने के लिये या जब तक

कोई नियमित प्रबन्ध किये जाते है, दोनों में से जो भी पहले घटित हो, स्थानापन्न रूप में विपणन ग्रिधकारी (वर्ग-I) नियुक्त किया जाता है।

2. विपणन श्रधिकारी के रूप में पदोन्नति होने पर श्री रहैया ने तारीख 26-3-79 के पूर्वाह्म में श्रनापार्ति में सहायक विपणन श्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 21 श्रप्रैल 1979

सं० ए० 39013/1/79-प्र० III--श्री ग्म० एल० माह द्वारा दिये गये त्यागपत्र की स्वीकृति के बाद इस निदेशालय में मद्रास में तारीख 31-3-79 (ग्रपराह्न) में उन्हींने सहायक विषणन ग्रधिकारी के पद का कार्यभार छोड़ दिया है।

दिनांक 23 भ्रप्रैल 1979

मं० 19024/8/78-प्र० III—सेवा निवर्तन की प्रायु पूर्ण करने पर श्री सी० एम० गर्मा, मुख्य रसायनज्ञ, क्षेत्रीय एगमार्क प्रयोगणाला, गुन्ट्र, तारीख 31-3-79 (श्रपराह्म) में मरकारी सेवा से निवृत्त हो गये हैं।

> बी० एल० मनिहार, निदेशक प्रशासन, कृते कृषि विषणन सलाहकार

वन साधनों का निवेण पूर्व सर्वेक्षण देहरादून-248001, दिनांक 21 भ्रप्रैल 19

मं० 4-3/79-प्रगासन—श्वी एस० डी० जोगी जो कि पूर्वी चान्द्रा खण्ड, चन्द्रपुर, महाराष्ट्र के महायक वन संरक्षक हैं, को वन साधनों का निवेश पूर्व सर्वेक्षण, केन्द्रीय ग्रंचल, नागपुर में प्रतिनियुक्ति की शतों के ग्राधार पर दिनांक 26 मार्च, 1979 (पूर्वाह्र) से महायक वन संरक्षक के पद पर ग्रागामी ग्रादेशों तक नियुक्त किया जाता है।

सी० एल० भाटिया, मुख्य समन्वयक

भाभा परमाणु अनुसंधान केन्द्र कार्मिक प्रभाग

बम्बई-400185, दिनांक 17 ग्रप्रैल 1979

सं० भ्रार०/1797/भ्रार० एम० डी०/स्थापना/1675— निदेशक, भाभा परमाणु भ्रनसंधान केन्द्र ने, इसी केन्द्र के श्री मगंनी वेंकट कृष्ण राव, एक श्रस्थाई वैज्ञानिक श्रिधकारी एस० बी० का सेवा में त्यागपन्न 28 सितम्बर, 1978 के अपरान्न से स्वीकार कर लिया है।

> वी० एम० खातु, उप स्थापना श्रधिकारी

परमाणु ऊर्जा विभाग

नरोरा परमाणु विद्युत परियो**ज**ना नरोरा, दिनांक 16 फरवरी 1979

सं० एन० ए० पी० पी० प्रणा | 1 (110) | 79 | एम | 1901:—
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना के मुख्य परियोजना ध्रिभियन्ता विद्युत परियोजना इंजीनियरी प्रभाग पूल के स्थाई
उच्च श्रेणी लिपिक एवं राजस्थान परमाणु विद्युत परियोजना
के स्थानापन्न सहायक लेखापाल श्री एस० सी० जैन, को,
31 जनवरी, 1979 के पूर्वाह्म से ध्रगले श्रादेश तक के लिये,
नरोरा परमाणु विद्युत परियोजना में 650-30-740-35880-द० रो०-40-960 रु० के वेतनमान में सहायक कार्मिक
श्रिधकारी के पद पर स्थानापन्न स्प से नियुक्त करते हैं।

एस० कृष्णन प्रशासनिक अधिकारी

ऋय एवं भंडार निदेशालय

मं० डी० पी० एम०/2/1(19)/77-प्रणासन/11383:— इस निदेणालय की समसंख्यक प्रधिसूचना दिनांक 26 मितम्बर, 1978 के तारतम्य में, निदेणक, ऋष एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री बी० एम० णर्मा, श्रस्थाई भंडारी को स्थानापन्न सहायक भंडार श्रिधकारी पद पर, रुपये 650-30-740-35-810 द० रो० 35-880-40-1000 द० रो० 1200 के वेतन ऋम में, श्रिप्रम समय 22-2-79 श्रपराह्म तक नियुक्त करते हैं।

दिनांक 18 भ्रप्नेल 1979

सं० डी० पी० एम०/2/1(16)/77-प्रशासन/11989:— इस निदेशालय की समसंख्यक ग्रिधिसूचना दिनांक 1 मई, 1978 के तारतस्य में निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री परारी किजाकोहन राधाकृष्णन ग्रस्थाई भंडारी/बी० ई० सी० स्टोसं यूनिट को स्थानापन्न सहायक भंडार ग्रिधिकारी के पद पर, इसी निदेशालय में ग्रिग्रिम समय 13-2-1979 तक तद्ध क्ष से नियुक्त करते हैं।

दिनांक 19 ग्रप्रैंस 1979

सं० डी० पी० एम०/2/1(1)/77/11553—इस निदेशालय की समसंख्यक अधिसूचना दिनांक 10 जुलाई, 1978 के तारतम्य में निदेशक, ऋय एवं भंडार, परमाणु ऊर्जा विभाग, श्री श्रार० सी० नैय्यर, श्रस्थाई भंडारी को स्थानापन्न सहायक भंडार ग्रधिकारी के ग्रधिकारी पद पर, इसी निदेशालय में ग्रग्रिम समय 26 फरवरी, 1979 ग्रपराह्म तक तदर्थ रूप से नियुक्त करते हैं।

भा० ग० कुलकर्णी, सहायक कार्मिक मधिकारी ग्रन्तरिक्ष विभाग

मिविल इंजीनियरी प्रभाग

बंगलौर-560025, दिनांक 22 मार्च 1979

सं० 1/7(192) 73-सि० इं० प्र० (एच०) — यतः श्री के० त्यागराजन जो कि ग्रन्तरिक्ष विभाग के सिबिल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एम० बी० के पद पर नियुक्त है, दिनांक 27 जनवरी, 1978 से अपनी इ्यूटी से अनुपस्थित रहे हैं।

श्रौर यतः उपर्युक्त व्यक्ति का वर्तमान पना-ठिकाना ज्ञान नहीं है।

श्रौर यतः निम्नहस्ताक्षर कर्त्ता, श्रनुशासनिक प्राधिकारी के रूप में इस बात से सन्तुष्ट है कि ग्रन्तरिक्ष विभाग कर्मचारी (वर्गीकरण, नियंत्रक ग्रीर ग्रपील) नियम, 1976 के निर्देशान्सार जांच करना व्यावहारिक रूप में उचित नहीं है श्रीर निस्नहस्ताक्षरकर्ता धनन्तिम रूप में इस निश्कर्ष पर पहुंचा है कि उसकी सेवा समाप्त कर दी जानी चाहिये तथा तदनुसार 11 सितम्बर, 1978 को "दी हिन्दू" मद्रास में, प्रकाशित ग्रधिसूचना सं० 10/7(192)/73-सी० ई० डी० (एच०) दिनांक 23-8-78 के द्वारा प्रधिसूचित किया गया श्रीर उपरोक्त श्रधिसूचना उक्त श्री त्यागराजन के श्रन्तिम ज्ञात पते पर पंजीकृत रसीवी डाक द्वारा उपर्युक्त व्यक्ति को भी भेजी गई थी घौर 30 घगस्त, 1978 को उक्त घछ-स्चना श्री के० त्यागराजन के लिए और की ओर से श्रीमती एस० सरोजा ने प्राप्त की थी तथा उक्त अधि-सुचना श्री के० त्यागराजन को निर्देश दिया गया था कि यह प्रधिसूचना के प्रकाशित होने की तारीख से चौदह दिनों के भ्रन्दर निम्नहस्ताक्षर कर्ता के पास रिपोर्ट करें ग्रीर यह बताये कि सेवा से पदच्यति की शास्ति क्यों न ग्रधिरोपित की जाय।

श्रीर श्रव श्री त्यागराजन प्रस्तावित श्रीर उसे संसूचित कार्यवाही के विक्छ श्रभ्यावेदन करने श्रीर रिपोर्ट करने के लिये दिये गर्य श्रवसर का उपयोग करने में श्रसमर्थ रहा है।

न्नतः श्रव निम्न हस्ताक्षरकर्ता श्रनुशासनिक प्राधिकारी श्रीर नियुक्ति प्राधिकारी के रूप में ब्रन्तरिक्ष विभाग के सिविल इंजीनियरी प्रभाग में इंजीनियर एम० बी० के पद से उक्त श्री के० स्यागराजन को दिनांक 27 फरवरी, 1978 के पूर्वाह्म से पदच्युत करने का श्रादेश देता है।

धार० डी० जॉन, मुख्य ग्रभियन्ता

बंगलौर-560025, दिनांक 7 फरवरी 1979

 ग्रधिकारियों की उनके नामों के सामने दिये गर्वे पदों पर स्थानापन्न रूप में दिनांक 30 सितम्बर, 1978 के श्रपराह्न से ग्रागामी ग्रादेश तक पदोन्नति करते हैं —

कम संख	., -	पद भ्रौर ग्रेड, से पदोन्नति की की गई है	पद ग्रौर ग्रेड, जिस पर पदोन्नति की गई है।
1.	श्री वाई० के० विष्या- नाथन	तकनीकी सहायक 'सी'	इंजीनियर 'एस० बी०'
2.	श्री बी० जी० गौरी शंकर	फोरमन (विद्युत)	इंजीनियर 'एस० बी०'

पी० श्राई० यू० निम्बयार प्रशासन श्रीधकारी-II

इसरो उपग्रह केन्द्र

बंगलौर, दिनांक 21 फरवरी 1979

सं० 020/3(061)/ए/79—इसरो उपग्रह केन्द्र के निदेशक निम्निलिखित श्रधिकारियों को श्रन्तरिक्ष विभाग के इसरो उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में उनके नामों के सामने दिये गये पदों पर और प्रत्येक के सामने दी गई तारीखों के पूर्वाह्म से श्रागामी श्रादेण तक पूर्णतया श्रस्थाई और श्रनन्तिम रूप में नियुक्त करते हैं

कम संख्या नाम	पदनाम	तारीख
 श्री ग्रार० ग्रन्थूमणि श्री यतीन्द्र मेहता श्री ग्रश्वनी कुमार रम 	हंजीतियर एस० बी० इंजीतियर एस० की ाणी हंजीतियर एस० की०	10-1-1979 15-1-1979 16-1-1979

दिनांक 23 फरवरी, 1979

मं० 020/3(061)/79'—इसरी उपग्रह केन्द्र के निर्देशक, ग्रन्तिरिक्ष विभाग के इसरी उपग्रह केन्द्र, बंगलौर में इंजीनियर, 'एस० बी०' श्री दिनेश कुमार गृप्ता का सेवा से त्यागपन्न दिनांक 16 जनवरी, 1979 (ध्यपराष्ट्र) से स्थीकार करते हैं!

के० एस० कुष्णन, प्रशासन प्रधिकारी

महानिदेशक नागर विमानन का कार्याक्षय

नई दिल्ली, दिनांक 12 मार्च, 1979

सं० ए० 32014/2/79-ई० सी० — महानिदेशक नागर विमानन ने श्री वी ग्रार० छाबड़ा, संचार सहायक, वैमानिक संचार स्टेशन पालम को दिनांक 19-2-79 (पूर्वाह्म) से 2—56GI/79 15-3-79 तक, श्री जी० एस० वेदी, सहायक सचार प्रधिकारी, जिन्हें हिन्दी प्रशिक्षण के लिये भेजा गया था, के स्थान पर तदर्थ श्राधार पर महायक सचार ग्रिधकारी के ग्रेड में नियुक्त किया है तथा उन्हें उसी स्टेशन पर तैनात किया है

सं० ए० 38012/1/79-ई० सी० — निवर्तन आयु प्राप्त कर लेने पर मरकारी सेवा से निवृत्त होने पर निम्न- लिखित तीन सहायक संचार ग्रिधिकारियों ने उनके नाम के सामने दी गई तारीख को श्रीर स्टेशन पर ग्रापने पद का कार्यभार स्थान दिया था —

ऋम सं० नाम	तनाती स्नेणन	सेवा निवृत्ति की तारीख
		अपराह्य
ा श्री ए० के० हस्दर	वैमानिक संचार स्टेशन कलकत्ता	31-12-78
2. श्री भ्रार० के० सिह	वैमानिक संचार स्टेशन, कक्सा	31-12-78 अपरा ह्य
3. श्री जे० के० रौठ	वैमानिक संघार स्टेशन, कलकत्ता	31-1-79 अररान्ह

दिनांक 15 अप्रैल, 1979

सं० ए० 32013/4/77-ई० सी० — इस विभाग की दिनांक 16-11-78 की अधिसूचना सं० ए० 32013/4/77-ई० सी० के ऋम में राष्ट्रपति ने श्री एन० मृण्डये, सहायक संवार अधिकारी, क्षेत्रीय निदेशक महास का कार्यालय, को 26-3-79 के बाद 26-9-79 तक या गेड में नियमित नियुक्ति होने तक, जो भी पहने हो संवार अधिकारी के। यह में तदर्थ नियुक्ति को जारी रखने की मंजूरी दे दी है,

एस० डी० शर्मा उप निवेशक प्रशासन

नई दिल्ली, विनांक 19 ग्रंपेल 1979

सं० ए० 38013/1/79 ई० ए० — निर्देतन आयु प्राप्त कर लेने पर श्री एस० एस० पिल्ने, विमानक्षेत्र अधिकारी, सिविल विमानक्षेत्र तिवेन्-म, दिनाक 31 मार्च 1979 को सरकारी सेवा से निष्त हो गये हैं।

> सुरजीत लाल खण्डपुर महायक निदेणक प्रशासन

विदेश संचार सेवा बस्बई, दिनांक 16 श्रप्रैल, 1979

सं० 12/1/79-स्था'—-निम्नलिखित स्थानापन्न प्रशासन ग्रधिकारियों को प्रत्येक के नाम के मामने विये गये पद पर ग्रीर तारीख से स्थाई रूप से सहायक प्रणासन ग्रिधिकारी नियुक्त किया जाता है।

क्रमॉक नाम			त्याई नियुक्ति की तारीख
1. श्री टि० बी० एम० वेलू			1-7-76
2. श्री एस० दास गुप्ता .	•	•	1-9-78
3. श्रीएम०एस०मति .		•	1-2-79
ر سے ہیں گا سے منہا ہمد سے مس سے گار اس سے میں بھی سے			

एस० श्रीनिवासाचार महानिदेशक

रेल मंत्रालय

(रेलवे बोर्ड)

नई दिल्ली, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1979

सं० 78/डब्ल्यू० 6 टी० के/2—मभी सम्बद्ध परिसम्पित्यों सिंहत रेल पथ के निम्नलिखित भाग के अनुरक्षण कार्य को मध्य रेलवे से उत्तर रेलवे में स्थानान्तरित करने के कार्योत्तर अनुमोदन की एतद्द्वारा रेल मंत्रालय (रेलवे बोर्ड) की स्थीकृति प्रदान की जाती है:——

दिल्ली मथुरा खण्ड पर नुगनकाबाद और दिल्ली के बीच किलोनीटर 1515.00 से 1518.61 तक का रेल पथ प्रब प्रन्तर्रेलवे किलोमीटर 1515.00 पर होगी।

> पी० एन० मोहिले, सचित्र रेलवे बोर्ड एड पदेन संयुक्त सचित्र

विधि, न्याय एवं कम्पनी कार्यं मंत्रालय

(कम्पनी कार्य विभाग) कम्पनी विधि बोर्ड कम्पनियों के रजिस्टार का कार्यालय

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं मैनर्स गुलाम हूसेन प्रली भोई एण्ड मन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 4 अप्रैल 1979

सं० 1857/560(3)——कम्पनी स्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के स्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख में तीन मास के अवसान पर मैसर्स गुलाम हसैन श्रली भोई एण्ड सन्म प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायगी।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 एवं मैससे देवीदास प्राइवेट लिमिटेड के विषय में।

बम्बई, दिनांक 4 श्रप्रैल 1979

सं० 3700/560(3)—कम्पनी श्रिधिनियम 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के अवसान पर मैसर्स देवीदाम प्राइवेट लिमिटेड का नाम इसके प्रितिकूल कारण दिंगत न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

एल० एम० गुप्ता, कम्पनियों का ग्रतिरिक्त रिजस्ट्रार महाराष्ट्र

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रौर सत्कार फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, विनांक 20 म्रप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/2673/528—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर सरकार फाइनेन्स प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रिजस्टर से काट विया जायेगा और उक्त कम्पनी विघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रौर बी० एल० फाइमेन्सीयर्णे एण्ड चिट फन्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 19 म्रप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3092/516:—कम्पनी स्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवमान पर बी० एल० फाइनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड कम्पनी प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकूल कारण दिशत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा और उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर गुलनार फाईनेन्सियर्श एण्ड चिट फण्ड प्राप्त्रवेट लिमिटेड के विगय में

जालन्धर, विनाक 19 ग्रप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3347/518:——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के अनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती कि इस तारीख से तीन मास से अयसान पर गुलनार फाईनेन्सियर्स एण्ड चिट फण्ड प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृत कारण दिणत न किया गया तो रजिस्टर से काट दिया जायेगा भ्रोर उक्त कम्पनी विषटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रधिनियम 1956 श्रीर हरजस ट्रेडर्स एण्ड चिट फण्ड फाईनेन्सियर्स प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 24 म्रप्रैल 1979

सं० जी/स्टेट/560/3122/723—कम्पनी ग्रिधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (3) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा यह सूचना दी जाती है कि इस तारीख से तीन मास के श्रवसान पर हरजस ट्रेडर्स एण्ड चिट फण्ड फाइनेस्सियर्श प्राइवेट लिमिटेड का नाम, इसके प्रतिकृल कारण दिश्तित न किया गया तो रिजस्टर से काट दिया जायेगा श्रीर उक्त कम्पनी बिघटित कर दी जायेगी।

कम्पनी श्रिधिनियम 1956 श्रीर हिमाचल फिल्मस लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 24 श्रप्रैल 1979

मं० जी/स्टेट/560/3014/725——कम्पनी अधिनियम, 1956 की धारा 560 की अपधारा (5) के ग्रनुसरण में एतद्दारा सूचना दी जाती है कि हिमाचल फिल्मस लिमिटेड का नाम ग्राज रजिस्टर से काट दिया गया है ग्रीर उक्त कम्पनी विषटित हो गई है।

कम्पनी ग्रिधिनियम 1956 ग्रीर कोरोनेशन वूलन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड के विषय में

जालन्धर, दिनांक 24 ग्रप्रैल 1979

सं० जी०/स्टेट/560/3212/727—कम्पनी प्रधिनियम, 1956 की धारा 560 की उपधारा (5) के श्रनुसरण में एतद्द्वारा सूचना दी जाती हैं कि कोरोनेशन बूलन एण्ड स्टील इण्डस्ट्रीज प्राइवेट लिमिटेड का नाम श्रव रजिस्टर से काट दिया गया है श्रीर उक्त कम्पनी विघटित हो गई है।

> श्चो० पी० जैन, कम्पनी रजिस्ट्रार, पंजाब, हिमाचल प्रदेश एवं चण्डीगढ

कम्पनी अधिनियम 1956 एवं इन्दौर श्राक्षोक फायनेन्स प्राइवेट लिमिटेडके विषय में

ग्वालियर, दिनांक 23 श्रप्रैल 1979

सं॰ 1097/लिक्सिन/सी॰ पी॰/3414--कम्पनी ग्रिधि-नियम, 1956 की धारा 445 उप-धारा (2) के धन्तर्गत सूचित किया जाता है कि श्रालोक फायनेन्स प्राईवेट लिमिटेड इन्दौर को मध्य प्रदेश, उच्च न्यायालय, खण्ड पीठ इन्दौर के श्रादेश दिनांक 16-2-79 के द्वारा परिसमापन करने का श्रादेश दिया गया है तथा मरकारी समापक इन्दौर को उक्त कम्पनी का समापक नियुक्त किया गया है।

सुरेन्द्र कुमार सक्सेना, कम्पनी रजिस्ट्रार, मध्य प्रदेश ग्वालियर,

कार्यालय ग्रायकर ग्रायुक्त बम्बई नगर-2, बम्बई, दिनांक 30 मार्च 1979

सं० 928— ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43 वां ग्रधिनियम) की धारा 117 की उपधारा (2) में प्रवत्त की गई शिक्तयों का प्रयोग करते दुए मैं श्री वी० डी० सोन्दे, ग्रायकर श्रायुक्त, बम्बई नगर-1, बम्बई ने निम्नलिखिस ग्रायकर निरीक्षकों को श्रायकर श्रधिकारी श्रेणी-2 के रूप म स्थानापन्न रूप से कार्य करने के लिये उनके नामों सामने दी गई तारीखों के ग्रगले ग्रादेशों तक के लिये नियुक्त किया है।

सर्वेश्री	पद	तारीख
1. ए० भ्रार० जाधव	निरीक्षक	16-2-79 (एफ०एन०)
2. वी॰ जैंड राऊत	"	15-2-79 (ए० एन०)
3. एम० जे० बोर्डे	,,	15-2-79 (एफ ० एन०)
4. वाय ए० सोनावणे	"	16-2-79 (")
5. सी० एम० जाम्बोरे		16-2-79 (,;)
6. एस ः ग्रार तांम्बे	17	16-2-79 (ए० एन ०)

2. भारत सरकार वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग)
नई दिल्ली के पन्न एफ० नं० 22/3/64-प्रणा-5 दिनांक
25-4-75 के अनुमार वे दो वर्षों की अवधि के लिये परिवीक्षा के अधीन रहेगे। यदि जरूरी हुआ तो यह परिवीक्षा
की अवधि ऊपर लिखी अवधि से आगे भी बढ़ाई जा सकती
है। इस पद पर उनकी पुष्टी और या उन्हें रखा गयापरिवीक्षा
की अविधि के सफल समापन पर निर्भर करेगा।

3. उनकी नियुक्तियां बिल्कुल श्रस्थाई भ्रौर मन्तिम है भ्रौर बिना सुचना किसी भी समय समाप्त करनी पड़ सकती है।

> बी० डी० सोन्दे, श्रायकर श्रायुक्त, बम्बई-1

कार्यालय आयव श्रायक पुणें, दिनांक	र विभाग	•	6. एन ः डी ० फडनीस 1-4-1977
सं० 1निम्नलिखित श्रिधिकारियों को एतद्द्वारा श्रायकर श्रिधिकारी वर्ग 'ख' (श्रेणी II) के रूप्में उनके नाम के सामने दी गई तारीखें से स्थाई किया जाता है।			7. एन० जी० थिटे 22-7-1977 8. बी० एस० चिरमाडे 1-9-1978
			9. पी० एन० केदार 1-10-1978
कम सं० ग्रधिकारी का ना	 T	स्थाई किये जाने की तारीख	2. स्थाई किये जाने की तारीखें, यदि भ्रावश्यक पान गया, तो बदली जा सकती हैं।
1 2		3	भ्रायकर स्थापना
1		, 	सं० 2—श्री हंसराज म्रार्य को एतद्द्वारा दिनांक
सर्व श्री			17-3-1979 से श्रायकर प्रधिकारी वर्ग 'ख' (श्रेणी II)
1. ग्रार डी० जाबीर		6-10-1975	के रूप में स्थाई किया जाता है।
2. वी॰ म्रार० लोकुर		6-10-1975	2. स्थाई किये जाने की तारीख यदि श्रावश्यक पाया
3. एस० वाई० पाटिल		6-10-1975	गया सो बाद में बदली जा सकती है।
4. वी० एस० शिकारपुर		6-10-1975	पी० एस० <i>भास्करन</i> ,
5. एन० एस० महाजन		6-10-1975	भायकर भ्रायुक्स, पुणें-1, पुणें

प्ररूप आई० टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर भ्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व (1) के भ्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 12 ग्रप्रैल 1979

निर्वेश मं० श्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० श्रार०-3/ श्रगस्त-81/78-79—यतः मुझे, ग्रंजनी श्रोजा, श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारो को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मन्ति. जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपए से श्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 5 है, तथा जो फरेन्डम कालोनी (वैस्ट), मथुरा रोड, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विज्ञत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारों के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरणम ग्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख, 28-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृज्य उमके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से ग्रीवक है भीर भन्तरक (प्रन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देग्य से उक्त गन्तरण

शिवित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण में हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधितयम के भ्रोत कर देने के भ्रन्तरक के दाथित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया थाया किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

यतः भव, उक्त भिनियम की धारा 269-म के भनुसरण में, मैं, उक्त भिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्मसिक्टिक व्यक्तियों, धर्मासुः-- नाथुराम फरेन्डम कालौनी को-मापरेटिव हाउस बिल्डिंग सोमाइटी, श्री ए० पी० जैन, सरकारी लीक्यूडेटर के द्वारा, रिजस्ट्रार श्राफ को-भापरेटिव सोसाईटी, नई दिल्ली-1

(भ्रन्तरक)

2 एम० एल० नायर तथा श्रीमती विद्यावती नायर, निवासी 174, मेक्टर-11-ए० चन्डीगढ़। (श्रन्तिरती) को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूँ।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्द्र में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की अविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इप मूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रवोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रूपव्योक्तरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का जो उक्त ग्राधितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति जिसका न० 5 है ग्रीर क्षेत्रफल 3865.6 वर्ग फुट है, नाथुराम फरेन्डम कालौनी को-ग्रापरेटिय हाउस बिल्डिंग सोसाइटी, मथुरा रोड, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है:--

पूर्व : मैंन रोड पश्चिम : रेलवे लाईन उत्तर : ण्लाट नं० 6 दक्षिण : प्लाट नं० 4

श्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त निरीक्षण,, श्रर्जन रेंज-1, नई दिस्ली-1

तारीख : 12-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०-

मायलर ग्रिधिनियम, 1981 (1961 का 43) की घारा 269-त्र (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्याक्य, सहायक धायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-1, दिल्ली-1

नई दिल्ली-1, दिनांक 9 म्रप्रैल 1979

निर्देण सं० श्राई० ए० सी० एक्यु०/1/एस० ग्रार०-3/ ग्रगस्त-22/78-79---यतः मुझे, श्रंजनी श्रोजा,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

ग्रोर जिसकी सं० डी-6/14 है तथा जो बसन्त विद्यार, नई विस्ली में स्थित है (ग्रोर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रोर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 24-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाक्त उक्त आधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या ग्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य ग्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः भव, उक्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों शर्मात्:--- श्रीमली वेद प्रभा वध्या, विधवा पत्नी श्री जी ० एल० वस्त्रा, निवासी मकान नं० 156/14, जाकुमपुरा, गुड़गोत (हरियाणा)

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रम्वनी कुमार बुधीराजा, सुपुत्र श्री सीता राम बुधीराजा, निवासी डी- $\theta/14$, वसन्त विहार, नई दिल्ली (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेपः---

- (क) इस सूचना में राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (आ) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी आप से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हित-बद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ता क्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण: — इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिशाधित हैं, वही अर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

जायवाद जिसका नं० डीं-6/14 है श्रीर क्षेत्रफल 400 वर्ग गज है, इसके साथ में एक मंजिला ढांचा श्रीर पहली मंजिल पर मम्टी बनी हुई है, वसन्त विहार, नई दिल्ली में निम्न प्रकार से स्थित है :--

पूर्व : स्ट्रीट नं० सी-6

पश्चिम : 15¹ भौड़ी सर्विस रोड उत्तर : 15¹ मौड़ी सर्विस रोड

∕ दक्षिण : प्लाट नं० 15

ग्रंजनी भ्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक मायकर भायुक्त (निरीक्षण), ग्रजैन रेंज-1, नई दिल्ली-1

तारीख: 9-4-1979

मोहर ः

प्रारूप भाई० टी० एन० एस०--

भ्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज-1, दिल्ली-1 नई दिल्ली-1, दिनांक 12 मर्पेल 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एस० प्रार०-3/प्रगस्त-II (61)/78-79—यतः मुझे, प्रजनी ग्रोजा, ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से ग्रीक्ष है

ग्रीर जिसकी सं० 204 है, तथा जो साविन्नी मिनेमा कम्पलेक्स, ग्रेटर कैलाश-11, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिअस्ट्रीकर्सा ग्रधिकारी नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 19-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उ जत बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रन्तरिक (प्रग्तरिकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रग्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्श्य से उक्त प्रग्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी झाय या किसी धन या अन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय झायकर श्रिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठिनियम, या धन-कर श्रिष्ठि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए, था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः, श्रवं, उक्तं प्रधिनियमं की धारा 269-गं के श्रमुसरणं में, में, उक्तं प्रधिनियमं की घारा 269-थं की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रचीत्:— 1. मैं० डी० एल० एफ० युनाईटिड लि०, 21-22, न(रीन्द्रा पलेम, नई दिल्ली-1

(ग्रन्तरक)

 श्री माहेश गृ'ता सुपुत्र लाला माट राम, निवासी ई-108, ग्रेटर कैलाश-11, नई विल्ली-1

(अन्त(रती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के झर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस भूचना के राजपन्न म प्रकाशन की से 45 दिन की ग्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य वाकिन द्वारा, श्रत्रोहस्नाक्षरी के पास लिखिन में किए जा सकेंग।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20 क में परिभाषित है, वही अयं होगा जो उम अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मावित्री सिनेमा कम्पलक्स की दूसरी मंजिल फ्लैट जिसका न० 204 है श्रीर क्षेत्रफल 488.6 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाण-11, नई दिल्ली में है।

> ग्रंजनी श्रोजा, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जैन रेंज-1, दिल्ली-1

तारीख : 12-4-1979

प्रस्प घाई॰ टी॰ एन॰ एस॰ धायकर श्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 2698 (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज-1, दिल्ली-1, नई दिल्ली नई दिल्ली-1, दिनांक 12 भ्रप्रैल 1979

निर्देश सं० प्राई० ए० सी०/एक्यु०/1/एम० थ्रार०-III/ ग्रगस्त-88/617/78-79—यतः मुझे, ग्रंजनी ग्रोजा, प्रायकर ग्रीविनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें सके पक्चात् 'उक्त ग्रीविनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का फारण है कि स्थाबर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- रुपए से ग्रीक है

ग्रीर जिसकी स० 301 है तथा जो सावित्री सिनेमा कम्पलैक्स, ग्रेटर कैलाश-II, नई दिल्ली में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रानुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, नई दिल्ली में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख 28-8-1978

(1908 का 16) के अधीन, तारिख 28-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के पृथ्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मृत्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है घोर धन्तरक (प्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से कियत महीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत, उक्त धर्धि-नियम, के अधीन कर देने के घन्तरक के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (■) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रष्ठितियम, या घन-कर श्रष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रम्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रव: ग्रव, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्निजिबित न्यक्तियों, ग्रथीत्:— 1. मैं० डी० एल० एफ० यूनाईटिंड लि०, 21-22, नारीन्द्र प्लेस, नई दिल्ली।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती बसन्ती, पश्नी मेजर जनरल दरमाध्रो सिंह, तथा श्री राजीन्द्र देमवाल, सुपुल मेजर जनरल दरयाध्रो सिंह, निवासी मकान न० 118, सेक्टर-8, चण्डीगढ-1

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के <mark>मर्जन के लिए</mark> कार्यवाही करता हूं।

उन्त सम्पति के प्रार्वन के मन्द्रन्य में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामी में से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाध में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्ट व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (च) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीक्षर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा नकोंगे।

स्पत्धीकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिनियम के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं भर्य होगा, जो उस भड़पाय में दिया गया है।

अनुसूची

साबिब्री सिनेमा कम्पलैक्स की तीमरी मैजिल जिसका ग्राफिस फ्लेट सं० 301 है ग्रीर क्षेत्रफल 549.1 वर्ग फुट है, ग्रेटर कैलाण-II, नई दिल्ली में है ।

> श्रंजनी श्रोजा सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रायुक्त , (निरीक्षण) श्रजन रोंज-1, दिल्ली, नई दिल्ली-1

तारीख : 12-4-1979

प्रारूप माई • टी • एन • एस •---

आ।यकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कायलिय, सहायक भ्रायकर भायकत (निरीक्षण)

ब्रजन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 प्रप्रैल 1979

निर्देश सं० 674 ए०/मे^{न्}ठ/78-79—यतः मुझे, **भ०**च० भतर्वेदी,

श्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम श्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- र॰ से अधिक है

मीर जिसकी स० — — है तथा जो → — में स्थित है (भ्रीर इससे उपाबस अनुसूची में भ्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, मेरठ में रजिस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख 8-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्तह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल,निस्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में बास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाग की नागत, उक्त भिष्ठ-नियम, के भ्रष्टीन कर बेने के भ्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; और/ण
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी मन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिष्टित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्टित्यम, या घन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं अस्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया था था किया जाना चाहिए खा, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की घारा 69-व की उपधारा (1) के मधीन निक्नसिक्ति व्यक्तियों, म 3—56GI/79 श्रीमती लक्ष्मी देवी बेवा ध्याम किणोर मकान न० 1030 ब्रह्मपुरी णहर मेरठ

(श्रन्तरक)

2. श्री राम बढ़म पिसर फेरूमल व रामेश कुमार पिसर रामबढ़श, निवासी सराय लालदास शहर मेरठ (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हां।

उक्त संपत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की अविध मा तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध
 बाद में समाप्त हीती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों
 में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

श्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिक्षितयम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा, जो उस शब्दाय में दिया . गया है।

प्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति मकान नं० 1030 ब्रह्मपुरी शहर मेरठ 40000 रु० में बेची गई जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मृलर 78,500 श्रोका गया है ।

> भ० घ० घतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्नायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-4-1979

प्ररूप माई० टी० एन० एस० →

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ध्रायकर घायुक्त (निरीक्षण) प्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 11 श्रप्रैल 1979

निर्देश स० 739-ए/गाजियाबाद/78-79---यतः मुझे, **भ० ७**० चतुर्वेदी,

बायकर बाबिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसकें इसकें पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-छ के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- उपद से श्रधिक है

प्रोर जिमकी म० में स्थित है (प्रोर उसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रोर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, हापुड़ में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन, तारीख़ 1-8-78 को पूर्वीक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है घीर पन्तरक (अन्तरको) भीर धन्तरिती (धन्तरितयो) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्निश्चित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वाश्नविक कप से स्थित नहीं किया गया है:---

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त मधिनियम के अधीन कर देने के मन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; मौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या प्रन्य आस्तियो की जिन्हें भारतीय भ्राय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, या भ्रन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिमानें में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त भिवित्यम की घारा 269-ग के भनुसरक कों, को, उक्त भिवित्यम की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :-- गवर्नर उ० प्र० सरकार द्वारा ज्वाइन्ट सेक्रेटरी गवर्नमेट इन्डस्ट्रीज डिपार्टमेन्ट उत्तर प्रदेश लखनक

(भ्रन्तरक)

2 यू० पी० हैण्डलूम कारपो० रिज० भ्राफिस बी० 25 मर्वोदय नगर कानतुर द्वारा एम० एस० श्रीवास्तव ज्वाइन्ट सेक्रेटरी एव ए० पी० सिह मैनेजिंग डाहरेक्टर (भ्रन्तरिती)

को यह सूत्रना जारी करके पूर्वोक्न सम्पत्ति के धर्जन के सिए कार्यवाहिया करता हू।

जनत सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामील मे 30 दिन की भविधि, जो भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितयद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त अधि-नियम, के ग्राच्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ग्राच्याय में दिया गया है।

श्रमुसुची

भूमि 1589.30 वर्ग मीटर अर्थात 1900 वर्ग गज स्थित कस्बा पिलखुवा जिला गाजियाबाद मारफ पिलखुवा डाई हाउन बमए जुमला मक्तीनरी एव प्लाट 84201 86 दै० में बेची गई जिसका कि श्रनुमानित उचित बाजारी मल्य 218300 हु॰ स्राका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, कानपुर

तारीख : 11-4-1979

प्रकप गाई० टी० एन० एस०--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेक, कानपुर

कानपुरदिनांक 11 श्रप्रल, 1979

निर्देश नं 748-ए:---यतः मझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- इ० से अधिक है भ्रौर जिसकी सं० : : : : है तथा जो : : : में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसुची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय श्रनूपशहर बुलन्दशहर में, रजिस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के भ्रधीन भ्रगस्त, 1978 की पूर्वोव । संपत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मून्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकन का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) खीर मन्तरिती (मन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए क्षय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त धन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त अधि-नियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (च) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या अन्य आस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या किया जाना चाहिए था, खिपाने में मुविधा के लिए;

अतः भग, उनत मिधिनियम की धारा 269-ग के मनु-सरण में, मैं, जनत अधिनियम की धारा 269-ध की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिखिन व्यक्तियों, अर्थात्:—— श्री मोहिन्द सिंह नुपुत्र श्री अमीन सिंह नि० अहमदनगर तौली बुलन्दणहर

(भ्रन्तरक)

2. श्री नानक जन्द मुपुत श्री उमराव सिंह श्रोम प्रकाण रमेश सुपुत श्री कहेरा व प्यादु पुत्र पूसाराम व श्रन्य नि. श्रहमदनगर तौली बुलन्दशहर

(ग्रन्तिरती)

को यह सूचनावारीकरके पूर्वो≉न संपक्ति के **प्रजं**न के लिएकार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जन के संबंध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त अपितयों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी खसे 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर संपत्ति में हिसबढ़ किसी भन्य व्यक्ति हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुका शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधि-नियम के घट्याय 20-क में परिचाणित है वही अर्य होगा, जो उस घट्याय में विमा गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि 9 बीघा 5 बिस्वा स्थित देवकरनपुर में 74,000/- में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 90,000/- रुपये ग्राका गया है।

भरत चन्द्र चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 11-4-79 मोहर: प्रकृप आई• टी• एन० एस०---

भायकर श्रीधनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनांक 11 श्रप्रैल, 1979

निर्देश नं० 651/ए/महारनपुर/78-79—यतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पक्षात् 'ढक्द अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ. से अधिक है

ग्नौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्नौर इससे उपावत अनुसूची में ग्नौर पूर्ण रूप से विजित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय मुजफर नगर में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीख 11-8-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का 15 प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरग निखिन में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है!---

- (क) ग्रस्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, उक्त ध्रिष्ठित्यम के अधीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में कमी करने बा वससे बचने में सुविधा के लिए; ध्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी घन या भन्य भ्रास्तियों को जिन्हें भारतीय भाग-कर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उच्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गथा था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः अस, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के ध्रमुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269च की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :—

- श्रीमती रामकली विश्ववा धर्म सिंह निवासी नूरनगर तहसील व जिला मुः नगर व श्रीमती रिसाली स्त्री दलमीर व श्रीमती सुल्तानी स्त्री लाला निवासी टिमोला परगना मार्केट तह० रुड़की जिला सहारनपुर (श्रन्तरक)
- 2. श्री बहल गिरवर, जगत सिंह, दलम सिंह जिला पुत्रगण बलवन्त सिंह निवासी निव नूरनगर परगना पुरथदार जिला मुजफरनगर (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के सर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप, यदि कोई हो, तो:--

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी स्थिक्तयों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घवधि, जो भी घवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी स्थित द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी धम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पक्षीकरण:—-इसमें प्रयुक्त शब्दों धौर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के भव्याय 20क में तथा परिभा-षित है, वहीं भर्ष होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूषी

कृषि भूमि स्थित नूर नगर में 36,000/- रुपये को बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 70,600/- रुपया भ्रांका गया है।

> भरत चन्द चर्तुं वेदी सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 11-4-79

मोहर

प्ररूप धाई • टी • एन • एस • ----

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

भ्रर्जन रोंज, कानपुर कानपुर, दिनांक 12 श्रप्नैल, 1979

निर्देश न० 151-ए० -- यतः मुझे भरत चन्द्र चर्नु वेदी, भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाबार मूल्य 25000/- इपए से प्रधिक है

श्रीर जिमकी सं० ... है तथा जो ... में में स्थित है (ग्रीर इमसे उपाबद्ध श्रनुमूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता ग्रधिकारी के कार्यालय मेरठ में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 23-8-78

में पूर्वोक्त सम्मिल के उचित बाजार मूक्य से कम के पृथ्यमान प्रतिकल के लिये अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का
कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मिल का उचित बाजार मूक्य, उसके
बृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे पृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत
से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती
(अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया
प्रविक्रल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त अन्तरग लिखित में
बास्तविक कम से कविन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण में हुई किनी भाग की बन्धन, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे अचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) एसी किसी पाय या किसी धन या मन्य घासिनयों को, जिन्हें भारतीय घायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिधनियम, या धन-कर घिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाचें घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा या किया जाना चाहिये का, छिपाने में मुविधा के लिए;

स्रतः स्रव उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के सनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) से अधीर निम्निजियत व्यक्तियों, सर्वात् :--- श्री मडयएत त्यानी पुत श्री ज्योति प्रसाद त्यागी निवामी मकान नं० 384 उत्तम वाटिका पिक्चम कचह्री मार्ग मेरठ शहर मुख्तयार श्राम भ्रोर से श्रीमती राजेण त्यागी

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती सुदेण त्यागी पत्नी श्री मत्येन्द्र त्यागी निवासी ग्राम फलौदा जिला मृजफरनगर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उमत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धनिश्च या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की घनिश्च, जो भी घनिश्च बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस मूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रष्टोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जा उचत ग्राधिक नियम के श्रध्याय 20-क में यथा परिभाषित है, वहीं ग्रमें होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

ग्रनसूची

एक मकान नम्बर 363/3 कचहरी मार्ग मेरठ णहर में 40,000/- रुपये में बेचा गया जिसका उचित बाजारी मूल्य 66,800 रुपये स्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चर्तुं वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-4-79

मोहरः

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

आयकर ग्रिघिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269ष(1) के श्रघीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीन रेंज, कानपुर, एक दिलांक 12 मधील 10

निदेश सं० 655-ए०:—यतः मुझे भरत चन्द्र चर्नुवेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में

कानपुर, दिनांक 12 म्रप्रैल 1979

इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनयम' कहा गया है), की धारा 269—ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 ध्पए से अधिक है श्रीर जिसकी सं० '' ०'' है तथा जो ''''' में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुस्ची मे श्रीर पूर्ण रूप सं विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय खुर्जा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के अधीन पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधिक है भीर यह कि श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रन्तरिती (श्रन्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण

लिखित में वास्तविक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रधिनियम या धन-कर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

प्रत: अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण
 में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-घ की उपन्नारा (1)
 अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयति:---

 श्री खिच्चू मिह सुपुत श्री श्री काले नि० पंजानियान खुर्जा

(ग्रन्तरक)

2. श्री खान चन्द्र पुत्र छजुम्रा नि॰ पंजानियान खुर्जा (म्रन्तिरती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के खर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की ग्रविध या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी
 ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याम में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित खुर्जा में 7250/--- रूपये की बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,11,000:-- रूपये भ्रांका गया है।

भरत चन्द्र चर्तुवेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख 12-4-79 मोहर: प्रकप भाई० टी० एन० एस०-----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के भर्धीन सूचना

भारत सरकार

भार्यानय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 श्रप्रैल 1979

निदेश नं० 740-ए० — ग्रतः मुझे भरत जन्द्र जनुर्वेदी भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद श्रमुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय हापुड़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 1-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से धिषक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत उक्त घिनियम के घिन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए श्रीर/या
 - (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब उक्त, प्रिविनीयम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त ग्रिधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात

- 1 श्री मरदार मिह पुत्र फूल मिह निवासी रघुनाथ
 पुर पर: तह् हापुड़ डा०भटियाना जिला गाजियाबाद
 (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती धन्नो देवी पुत्नी बुल्लू निवामी मोहल्ला जन्दी कस्वा ह।पुड़ व भागे राम पुत्र बुद्धन निवासी रघुनाथपुर डा० भित्याना परः तहः हापुड़ जिला गाजियाबाद

(भ्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वो≉न सम्पत्ति के क्रर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रार्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी
 भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उगत श्रधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अयं होगा जो उस श्रध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम रघुनानापुर पर व तह: हापुड़ गाजियाबाद में 57,000/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 79,267/- रुपये श्रांकी गई है।

> भरत चन्द्र चनुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानफुर

तारीख 12-4-79 मोहर: प्ररूप भाई • टी • एन • एस •---

आयकर अधिनियम; 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, कानपुर

कानपुर, तारीख 12 ग्राप्रैल 1979

निदेश नं० 750-ए—-ग्रतः मुझे, भरत चन्द्र चतुर्वेदी धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ध्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- ६० से ग्रधिक है

स्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में प्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय कैराना में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन तारीख 1-8-78

अधान ताराख 1-8-78
को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कन के दृश्यमान
प्रतिफल के लिए भन्तरिस की नई है और मुझे यह विश्वास करने
का कारण है कि यनापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य
उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह
प्रतिग्रत अधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित(अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया
प्रतिकल, निम्नसिधित उद्देश्य से वक्त धन्तरण निश्चित में
वाक्तयिक इप से कवित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रक्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य धास्तियों को चिन्हों भारतीय धायकर धिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिधनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था; या निया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

मतः भव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के बनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-व की उपवारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रविद्--- श्री क्ष्मामुल्या खां पुत्र कशमत ध्रली खां निवासी गढीहसनपुर परगना झिझाना तह० कैराना जिला मुजफरनगर

(ग्रन्तरक)

 श्री रामचन्द्र व नेकीराम पुत्रगण दादूराम निवासी गढ़ीहसनपुर डा० खास पर: झिझाना तह० कैराना जिला: मुजफरनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्मवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाक्षेप .--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन की शवधि या तत्संबंधी क्यक्तियों पर सूचना की तामी जा से 30 दिन की शवधि, जो भी शवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राज्यपन्न में प्रकाशन की तारी जा से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगें।

स्वब्दी करण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधिनियम के अभ्याय 20-क में विरिधाणित हैं, वही धर्ष होगा, जो उस प्रव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

कृषि भूमि स्थित ग्राम गढ़ीहसनपुर में 59,232/- रुपये में बेची गई। जिसका उचित बाजारी मूल्य 93,500/- रुपये ग्राका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भायक भायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 12-4-79

कार्यालय, सहायक मायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 श्रप्रैल 199

ग्रीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबढ़ अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में बिणत है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय कराना में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन 8-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के जिस्त बाजार मृत्य से कम के वृत्यमान प्रतिकृत के लिये अन्तरित की गई है भीर मृत्र बड़ विद्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उक्ति बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिकृत से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकृत के पन्तह प्रतिशत से अधिक है भीर मन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकृत, निम्नतिश्वित उद्देश्य से अन्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं कया गया है:—

- (क) सन्तरण से हुई किसी यात्र की बाबत उक्त सिक-नियम, के प्रसीन कर देने के सन्तरक के दायित्व से कभी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; और/या
- (च) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर भिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रक्षितियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाणं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहियेथा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अनः प्रव. उक्त पिधतिग्न को भारा 269-ग के बनुसरण में में, उक्त प्रवितिगन की धारा 269-भ को उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षात् :--4—56GI/79 श्री प्रदीप कुमार पुत्र स्व० श्री महेन्द्र प्रकाण व श्रीमती गारटा कुमारी विधवा श्री महेन्द्र प्रकाण निवासी रईम मुजफरनगर

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती जिनिति देवी पत्नी श्री भगवान सहाय व श्रीमती टिकम देवी पत्नी राजपाल सिंह निवासी हरड़ फतहपुर डा० खाम परगना थाना भवन तहसील कराना जिला: मुजफरनगर

(श्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पुर्वोक्त सम्पत्ति के सर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उन्त सम्पत्ति के धर्मेन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी कंसे 45 दिन की भवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में है किसी व्यक्ति द्वारा।
- (व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे!

स्वच्छीकरण :--- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में यथा परिभाषित हैं, वहीं धर्ष होगा, जो उस धड़पाय में दिवा गया है।

प्रमुस्ची

किप सूमि ग्राम हिन्ड परगना थाना भवन में 1,00,000/-रुपये में बेची गई जिसहा उचित वाजारी मूल्य 1,96,000/-रुपये ग्रांका गया है।

> भरत चन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) (ग्रर्जन रेंज), कानपूर

तारीखाः 12-4-79

प्ररूप माई० टी • एन • एस • ----

भायकर घिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के भिधीत सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 12 ध्रप्रैल 1979

निदेश नं० 754-ए--- अतः मुझे भरत चन्द्र चतुर्वेदी आयमर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के प्रधीन सलम प्राधिकारी को यह विक्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से अधिक है

धौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (भीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में भीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ती श्रधिकारी के कार्यालय जानसथ में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 29-8-78 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मूक्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूक्त, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का बन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक कप से कचित नहीं किया गया है:---

- (क) धन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा क सिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी पाय या किसी धन या प्रन्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिन्नतियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिन्नतियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुनिधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की ारा 269ग के प्रनुसरण में, में उक्त प्रधिनियम की धारा 269व की उपधारा (1) के प्रधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:--- श्री पूरत प्रताप सिंह पृत्त पीताम्बर सिंह निवासी निकट बङ्ग डा० बिकानेर (राज०) व श्रीमती उमिला देवी स्त्री प्रेम स्वरूप निवासी मन्दावर जिला बिजनीर

(भ्रन्तरह)

2. श्रीमती विमला देवी स्त्री सूबे सिंह निवासी ग्जरहाउस पक्का बाग खतीली पर: खतौली तह०: जानसथ जिला: मुजफरनगर

(भ्रन्तरिती)

को यह मुनना नारी कर ह । वॉक्न सम्पत्ति के भनेन के लिए कार्यवाहिया करता ह ।

उनत सम्पति के अर्बन क संबंध में कोई भी प्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की लारोख से 45 दिन की भविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर मूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर प्वोंक्त व्यक्तियों ने से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीय से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर संपत्ति में हितबड़ किसो भन्य व्यक्ति द्वारा भाषोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सक्षेते।

स्पब्बीकरण: --- इसमें प्रमुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त धिवित्यम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्य होगा, जो उत्त सन्याय में दिया गया है।

अनुसुधी

कृषिभूमि ग्राम तालडा में 1,29,900/- रुपये में बेची गई जिसका उचित बाजारी मूल्य 1,75,440/- रुपये ग्राका गया है।

> भरत वन्द्र चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजेन रेज, कानपुर

तारीख: 12-4-1979

प्रस्प बाई टी • एत • एस • - ----

भायकर भवितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ष (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

व ।यांत्रय, महायक पायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेज, कानपुर कानपुर, दिनांक 16 श्रप्रैल 1979

निर्देश नं० 527/एल/ग्रर्ज०/78-79—म्प्रतः मुझे : भ० च० चतुर्वेदी

षायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/-र॰ से अधिक है

ग्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (भ्रौर इससे उपाबद्ध म्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय एटा में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख 11-9-78

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार पूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐस दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह् प्रतिशत शिक्षक है और अन्तर्क (अन्तरकों) भीर अन्तरिती अन्तरिति में विश्व ऐसे अन्तर्ण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखिन उद्देश्य में उन्त अन्तर्ण लिखित में बाहत- विक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी धाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भन्तरक के दायिस्थ में कमी क्ष्यने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (च) ऐमी किसी भाय या किसी धन या भन्य बास्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर मिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धनकर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रत: ग्रम, उक्त मिंघनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रविनियम की धारा 269-घ की उप-धारा (1) ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थातु !-- श्री वीरेन्द्र कुमार पुत्र केशव देव व श्रशोक कुमार पुत्र कन्हैया लाल निवासी पक्की गली मुहल्ला नाथूराम परगना, तह० एटा

(भ्रन्तरक)

2. श्री हरीगंकर महेश्वरी पुत्र कन्हेयालाल, राजेन्द्र प्रसाद गुप्ता पुत्र लिखम प्रसाद, श्रीमती ओमलता स्त्री चन्द्र प्रकाग निवासी कस्बा सिकन्द-राऊ व सत्य प्रकाग पुत्र बाबू लाल निवासी ग्राम ऊंचागांव तह० जलेसर जिला एटा

(ग्रन्तरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वीक्त संपत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की भविध या धत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वध्यीकरण :--इमर्मे प्रवृक्त शब्दों भीर पदों का, बो उक्त धिधिनयम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भर्य होगा, बो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसची

श्रचन सम्पत्ति कृषि भूमि 8 बीघा 17 विस्वा 15 बिस्वासी स्थित मौजा मिकन्दराऊ जिला ग्रलीगढ़ 22500/- में बेची गई जिसका कि ग्रनुमानित उचित बाजारी मूल्य 80,000/- है

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-4-79

प्रकप भाई•टी•एन•एस०---

मात्रकर मितियम, 1961 (1961 को 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, कानपुर

कानपूर, दिनाक 16 श्रप्रैल, 1979

निदेश नं० 535/म्बर्जन/एटा/78-79——म्रतः मुझे : भ० च० चतुर्येदी

आयकर श्राधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से श्रधिक है,

स्रौर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (स्रौर टमसे उप। बद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता स्रधिकारी के कार्यालय, एटा में रिजस्ट्रीकरण स्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के स्रधीन नारीख 6-9-78 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से क्षम के दृश्यमान प्रतिफल के लिये अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से ध्रधिक है और अन्तरित (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण विखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया यथा है। —

- (क) बन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किस्री ध्राय या किसी घन या घन्य ग्रास्तियों को, जिन्हे भारतीय भायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या जक्त ग्रिधिनियम, या घन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विवा जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के अभुसरण में, मै, उक्त अधिनियम की घारा 269-थ की उपवारा (1) के अधीन निक्निवित व्यक्तियों, जवति !-- शीमती विमलेश कुमारी स्त्री रामश्वर सहाय रायजादा निवासी फतेहगढ़ जि० फर्फखाबाद हाल बदायू मु० शेखपट्टी जि० बदायू

(भ्रन्तरक)

2 श्री रंजीतिमह रामणंकर सिंह पुत्र मिलखान सिंह मु० थान वले मा० गढ़िया शीलम परगना मोंहारक महेन्द्र सिंह, राजेन्द्र सिंह, हेमिसह पुत्रगण मिलखान सिंह मु० होली वाले गढिया शीलम परगना सोंहार जिला एटा (अन्तरिती)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाह्नियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के भर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाय में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थाधर सम्पत्ति में हिसबद किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रश्चोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकोंगे।

स्पक्कीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदी का, जो उक्त श्रधिनियम, के श्रध्याय 20-त में परिभाषित हैं, वही सर्थ होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया नया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति कृषि भ्मि 6.48 एकड् स्थित नगला पंचप गरगना सोहार जिला एटा 41,900/- में बेची गयी जिसमें कि स्रनमानित उचित बाजारी मुल्य 60,000/- स्रांका गया है।

> भ० च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी स**हा**यक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 16-4-79

प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 16 भ्रप्रेंल 1979

निदेश नं० 586/भ्रर्जन/जलेसर/78-79—श्रतः मुझे भ०च० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ध्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द० से प्रधिक है

भीर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबड़ ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय जलेसर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख 14-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है धौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे अभ्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक क्य से किवत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रश्तरण से हुई किया प्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के प्रश्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; प्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को जिन्हे भारतीय भायकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या श्रन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के भ्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए चा, छिपानें में सुविधा के लिए।

बतः अब, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269का के प्रनु-सरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269का की उपचारा (1) के बधीन निकरिवासित व्यक्तियों, अर्थात् :--- श्री महेन्द्र पाल पुत्र सूरजपाल निवासी जिनावली पो० प्रवागढ़ परगना जलेसर जिला एटा

(भ्रन्तरक)

2. श्री गजरार्जासह पुत्र सुजान सिह, बहादुर सिंह पुत्र नवाब गिह, कमलसिंह, बृजेन्द्र मिंह, नेपाल सिंह, पुत्राण लालाराम व श्रन्य निवासी कलियारपुर मजरा जिनावमी परगना अलेगर, जिला एटा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के निए कार्यवाहियां करता हुँ।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध जो भी भ्रविध बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (खा) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरों के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उनत अधि-नियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

अनुसूची

ग्रचल सम्पत्ति कृषि भूमि 6.07 एकड़ स्थित मौजा जिनावली परगना जलेमर, जिला एटा 56,500/- में बेची गयी जिनका कि ग्रनुमानित उचित वाजारी मूल्य 94,000/- है।

भ०च० चतुर्वेदी सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रंज, कानपुर

तारीख: 16-4-79

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर पायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेज, कानपुर

कानपुर, दिनाक 18 स्रप्रैल 1979

निदेश न० 139/ग्रर्जन/हाथरम/78-79--ग्रनः मुझे, भ०च० चतुर्वेदी

श्रायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के राधीन सक्षम श्रिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार गृह्य 25,000/- कर अधिय है

ग्रीर जिसकी स० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबढ़ ग्रनुमूची में ग्रीर पूर्ण म्प से बॉणत ह), र्राजस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी के नार्याचय हाथरम में, रिजस्ट्रीकरण ग्राधिनियम 1908 (1908 का 16) के ग्राधीन नारीख़ 6-9-78

को पूर्वोक्त सम्पाल के उजित बाजार मन्य से कमा दृश्यमान जीतकल के जिए अन्तरित भी गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण हाक यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह पतिशत से प्रधिक है और भन्तरक (भन्तरकों) भौर अगरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया पदा जिकत, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक का में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण सं हुई किसी भाग का बाबत, उबत प्रधिनियम क अधीन कर दन के अन्तरक के अधित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या किसी धन या घरण धास्तियों । अन्हें भारतीय धाय-कर धिवनियम, 1922 (1922का 11) या उनन श्रीह्मनियम, या धन-कर र्शाप्रतियम, 1957 (1957 जो 27) के प्रयोजनार्थ प्रनारिती द्वारा पकट नहीं किया गया या शिता जाना बाहिए था, खिपाने में सुथिधा के लिए;

अतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उक्त धिधनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) अधीन विम्त्रलिखित व्यक्तिमों, अर्थात:-- श्रीमती झरबेटी विधवा कैलाशचन्द्र अग्रवाल चम्मी बाजार हाथरम जिला श्रलीगढ़ व श्रीमती ऊषा श्रग्रवाल स्त्री जमनाप्रसाद निवासी सेढवाडा तित्यम द्वार मथुरा

(अन्तरक)

 श्री नानक चन्द पुत्र चिरंजी लाल यादव निवासी लोहामण्डी, खाती पाड़ा शहर ग्रागरा (ग्रन्तरिती)

को यह नूबना जारी करक पूर्वाक्त सम्यन्ति के भजन के जिए कार्यवाहिया करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षंप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्न मंत्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी घर्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधि-तियम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं. बही प्रयं होगा जो उप भव्याय में दिया पदा है।

प्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति दुकान तीन खती व श्राग सायवान स्थित चम्मी बाजार हाथरस जिला अलीगढ़ 40000/- में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मुल्य 60000/- है।

> भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), अर्जन रेज, कानपुर।

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप धाई। टी। एन। एम।---

अध्यक्तर प्रश्चितियम, 1981 (1961 का 43) की वारा

269 प (1) के मधीन सूचना

भ रत संग्कार

हार्यातव, सहायक प्रायहर पायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, कानपुर

कानपुर दिनाक 18 अप्रीत 1979

प्राय तर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के गधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर साति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० ने अधिक है

भ्रौर जिसकी म० है तथा जो में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीवर्ता अधिकारी के वार्यालय एटा में रजिस्ट्रीकरण अधिनियम 1908 (1908 रा 16) के अधीन तारीख मितम्बर 78

को एवोंक्न महित के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल ह लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मूल्य, उसा दृश्यमान प्रतिकल सं, एस दृश्यमान प्रतिकल के क्विह प्रतिशा से अधि है आर अन्तरक (प्रनारको) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच एने अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नितिखित हर्ष्य सं बक्त ग्रहारण लिखित में बास्तविक क्या से कथित नहीं किया गया है—

- (क) प्रग्तरण से हुई किसी भाय को बाबन उक्स भिक्षितियम, के भिक्षीन कर देने के भन्तरक के दायिश्व प कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए भौर/या
- (ख) ऐसी किसी धाय या कियी धा या श्रन्त श्रास्तियों की किसी धार या श्रन्त श्रास्तियों की किसी का अन्ति का अन्

धत । धन, उक्त मिधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में में, उक्त मिधिनयम की घारा 269 म की उपधारा (1) के मधीन, निम्मालिखित व्यक्तियों, सर्वात 1--- श्रो सूरण्यात पुत्र त्यागामा (निवासी
 सौत्रभा परगना एटा सकीत नहसीन न जिला
 एटा

(भ्रन्तरक)

2 शी शास्त्रबरग पुत्र मह्यूबखा नणीर सा पत बणीर खा णेर खा एक्बर सा पुत्र वाजिद अली निवासी सांस्कृता प्रगाना एटा प्रशिद तहसीत प्रतिता एटा। (अन्तरिती)

को यह स्वार कास करक पूर्वाश्य पम्पति दे प्रजेन के लिए कार्यनाहिया करता ३ ।

उक्त सपत्ति के प्रजैन क सब्ध सं कोई भी याक्षेप .--

- (क) इस प्रवास के राजपद्ध में प्रकाशन की नारी खासे 15 हिन को सर्वाध प्रान्त्तवर्ध। किया पर चना मा तामील में 30 दिन का सर्वाध, जो भी प्रश्रध बाद में समाप्त होती हो, के सीवर प्रवॉकर वाकि या में स किसा याका द्वारा
- (क) इस सूचना के राजपत म प्रशाशन की तारीख से 45 दिन के नीतर जिन स्थावर सपत्ति में 15 प्रवे रिसी प्रत्य व्यक्ति ज्ञारा प्रधोहस्ताक्षरी न जिक्ति में निर्णा कर के न

स्यक्तीकरण — इसमें प्रयुक्त शक्ता श्रीर पश का, जा उक्त 'धिनियम के शक्याय 20-क ने ारिनाचा है, वना असंत्या, स्म स्रकास संवित्त भया र

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति कथि शसि 6 2 एक्ट जिन सौनक्ता परगता एक स्तीर तिकाएटा 1 000/- स्वाती गई जिसका कि सनमानिक उत्तिन बाजारी म्≈ 10700/- ते।

> ग० च० चतुबदी सक्षम पागिकारी महायक स्रायकर स्रायक्त (निरीक्षण) (प्रजन रेका) व ।नपुर

तारीख 18-4-1979 मोहर प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस०-----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यातव, महावक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1979

निदेश नं० 891/म्रर्जन/म्रागरा/78-79—भ्रतः मुझे भ० च० चतुर्वेदी

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृ्ल्य 25,000/- स्पष्ट से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० है तथा जो में स्थित है (श्रौर उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय श्रागरा में, रिजस्ट्रीकरण श्रधितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 27-9-78

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दूश्यमान प्रतिकन के लिए प्रन्तरित की गई है ग्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत मधिक है भीर मन्तरक (मन्तरकों) और प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकन निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण लिखित में बास्तविक रुप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भ्रिष्ठितियम के भ्रिष्ठीन कर देने के भ्रष्टारक के बाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्रिवाश के लिए;

धतः भ्रम, उन्त भ्रिमियम की धारा 269-- ग के धनुसरण में; मैं, उन्त भ्रिमियम की धारा 269-- घ की उपधारा (1) अभीन निम्निवित व्यक्तियों, प्रयोत्:-- श्रीमती डा० गशी प्रभा जैन पुत्री लाला गोपीनाथ जैन स्त्री रतनकुमार गुप्ता निवासी 38 लाजपतनगर शहर ग्रालवर

(भ्रन्तरक)

2. श्री ग्रशरफी लाल जैन पुत्र पाती राय जैन, ग्रम्ण कुमार जैन पुत्र ग्रगरफी लाल जैन निवासी 10/47 कटरा मदारी खा ग्रागरा।

(ग्रन्सरिती)

को यह मूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाद्वियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप--

- (क) इस मूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के के 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख सै
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्राधोइस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

क्पव्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त धिविषम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस भ्रद्ध्याय में दिशा गया है।

अनुसूची

श्रवल सम्पत्ति मकान नं ० 13/208, नगला बुढ़ान सैयद नरबासा शहर श्रागरा 40000/- में बेची गयी जिसका कि र्उचित बाजारी मूल्य 70000/- है ।

भ० च० चतुर्वेदी
सक्षम ग्रधिकारी
सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त, (निरीक्षण),
श्रर्जन रेंज, कानपुर

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०----

भायकर ग्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-व(1) के ग्रवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रजैन रेंज, कानपुर

कानपुर, दिनांक 18 ग्रप्नैल 1979

निदेश नं० 889/म्रर्जन/म्रागरा/78-79—म्रतः मुझे, भ०च०चतुर्वेदी

पायकर धिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रिवित्यम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्यावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- वपए से प्रधिक है

भौर जिसकी सं० है तथा में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रजिस्ट्रीकर्सा श्रधिकारी के कार्यालय आगरा में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 25-9-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से श्रीधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर भन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाग की बाबत उक्त भिक्षित्यम के भ्रमीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए : भीर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य प्रास्तियों, को, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

धत: भव, उक्त भिवित्यम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयात्:--9—56GI/79 श्री गौरीशंकर पुत्र लाला शम्भू नाथ, घनश्याम हरीशंकर, शरदकुमार पुत्रगण ला० गौरी शंकर श्रन्य निवासी 44 ए० माल रोड, श्रागरा

(ग्रन्तरक)

2. श्री ग्रमर नाथ जी पुत्र विमेश्वर नाथ निवासी रोश मोहल्ला, श्रागरा

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्मति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत मैं प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास सिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिवित्यम के भध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा जो उस भध्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

श्रचल सम्पत्ति दुकान नं० 29/199 राजामण्डी आगरा $50000/\sim$ में बेची गयी जिसका कि उचित बाजारी मूल्य $75000/\sim$ है।

भ० च० चतुर्वेदी, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, कानपुर।

तारीख: 18-4-79

प्ररूप धाई० टी० एन० एस०-

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ष(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, एरणाकुलम

कोचिन-16, दिनांक 23 श्रक्तूबर 1978

निदेश सं० एल० सी० 255/78-79—-यतः मुझे, त्री० मोहनलाल

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- २० से श्रधिक है

भौर जिसकी सं० भ्रनुसूची के श्रनुमार है जो को छून्गल्लूर में स्थित है (भौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता भ्रधिकारी के कार्यालय को डून्गल्लूर में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 15) के श्रधीन 17-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रश्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है भीर यह कि प्रन्तरक (प्रन्तरकों) भीर प्रन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बाबत उक्त मधिनियम के भधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के चनसरण में, उक्त पश्चिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:-- (1) श्री वामदेवन ग्रौर ग्रन्य

(ग्रन्तरक)

(2) श्रीमती कोच्चूमरियम

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी इरके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की मबधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम', के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

65 cents of land with buildings vide document No. 2048/78 of SRO Kodngallur.

वी० मोहनलाल, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रावुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, एरणाकुलम ।

तारीख 23-10-1978

प्रकृष काई• टी• एन•एस•---

मायकर अभिनियम 1961 (1961 का 43) की खारा 209व (1) के सभीत सूचता भारत स्थारकार

कार्यालय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, एरणाकुलम कोचिन-16 कोचिन-16, दिनांक 28 फरवरी 1979

निदेश सं॰ एल॰ सी॰ 290/78-79--यतः मुझे के॰ नारायण मेनोन

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- क्पये से प्रधिक है

श्रौर जिसकी मं० श्रनुसूची के श्रनुसार है जो मतलमड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय कोलनकोड में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 28-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिपत्त के लिए धन्तरित की गई है धीर मुद्दे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत धिक है धीर धन्तरक (धन्तरकों) धीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कबित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी साथ की बाबत, उक्त अक्षिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (स) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उन्त भिष्ठित्यम, या धन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्य भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

ग्रत: ग्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-न के प्रनुसरक में, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-म की उपबास (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयीत् :---

- (1) श्री मात्यू टी० माराटूक लम
- (2) भ्रन्तकुटी मात्यू
- (3) फिलोमिना तोमस

(ग्रन्तरक)

(2) मैसर्ज के० जे० प्लान्टेफणस

(अन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजेंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (बा) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य स्थित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया नया है।

अनुसूची

914 acres of Coffee, Cardamom and Cinnamon estate as per Schedule attached to document No. 953/78 of SRO, Kollengode.

के० नारायणा मेनोन सक्षम प्राधिकारी,

सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण),

तारीख : 28-2-1979

श्चर्जन रेंज, एरणाकुलम

मोहरः'

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपूर, दिनांक 24 फरवरी 1979

निदेश संख्या राज०/सहा० भ्रा० भ्रर्जन/510—यतः मुझे हरी शंकर

सायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उनत मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूह्य 25,000/- ६० से भविक है

श्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो भरतपुर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय भरतपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 30-8-1978 पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित भी गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और शक्तरक (शन्तरकों) धौर अम्तरिती (धम्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण लिखित में बास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:--

- (क) भन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधि-नियम के ध्रधीन कर देने के भ्रम्यरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/बा
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिर्भानियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिर्मियम, या धनकर मिंध-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया दा वा किया जाना चाहिए था; छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः ग्रद, उक्त मधिनियम की धारा 269ण के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269ण की उपधारा (1) के सधीन, विस्मलिखित व्यक्तियों ग्रवित् !-- (1) श्री रतन लाल वैषय पुत्र श्री वैदरी राम वैषय भ्रटल बन्ध मन्डी भरतपुर वर्तमान में कोसी कला जिला मथुरा (उ० प्र०)

(भ्रन्तरक)

(2) श्रीमती शांति देवी पत्नी श्री रधुनाथ प्रसाद वैश्य मोरीचार बाग भरतपुर (राज०)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी प्रम्य क्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सर्कोंगे।

स्पद्धीकरणः—-इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त मित्र-नियम के प्रष्ठपाय 20क में परिभाषित हैं, वही प्रार्थ होगा, को उस घट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

एक दुकान जो नई मंडी भरतपुर में स्थित है श्रौर उप पंजियक भरतपुर द्वारा क्रमांक 1338 [दिनांक 30-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्न में श्रौर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर, सक्षम ग्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

> > म्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीव : 27-2-1979

प्रकप श्राई० टी० एन० एस० ---

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 भ (1) के भिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ध्रर्जन रेंज, जयपुर

जयपुर, तारीख 24 फरवरी 1979

निवेश संख्या राज०/सहा० ग्रा० ग्रर्जन---यतः मुझे हरी शंकर

भायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के मधीन सकम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- द० से मिधक है

ग्रीर जिसकी सं० दुकान है तथा जो भरतपुर में स्थित है (शीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है) रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय भरतपुर में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 30-8-1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पत्त्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरिक (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरिक के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्निखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी शाय की बाबत, उक्त श्रधिनिवम के श्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के निए; श्रीर/या
- (का) ऐसी किसी घाय या किसी घन या घर्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर घिषित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषित्यम, या धन-कर घिषित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उन्त ग्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रथींत् :--- (1) श्री रतन लाल वैश्य पुत्र श्री बदरी राम वैश्य, ग्राटल बन्ध मंडी भरतपुर वर्तमान में कोसी कलां जिला मथुरा (उत्तर प्रदेश)

(श्रन्तरक)

(2) श्रीमती रामेश्वरी देवी पत्नी श्री राम स्वरूप वैश्व. श्रटल बन्ध मंद्री, भरतपुर (राज०)

(श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए एतद्वारा कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारी खा से 45 दिन के भीतर उन्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति, द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही ग्रमें होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

एक दुकान जो नई मंडी, भरतपुर में स्थित है श्रीर उप पंजियक, भरतपुर द्वारा क्रमांक 1337 दिनांक 30-8-79 पर पंजिबद्ध विकय पत्र में श्रीर विस्तृत रूप से विवरणित है।

> हरी शंकर सक्षम ग्रधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, जयपुर

तारीख: 24-2-1979

प्ररूप माई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त निरीक्षण ग्रर्जन क्षेत्र, सखनऊ

लखनऊ, दिनांक 28 मार्च 1979

निदेण नं० एल-28/एसीजी— प्रत: मुझे श्रमर सिंह बिसेन भायकर ग्रिवितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रीधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रीधन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मृस्य 25,000/-इ० से अधिक है

ग्रौर सिकी संख्या जे०-12/15 है तथा जो बी-1-हिमकार बाग स्थिति है तथा जो धूपचन्डी पेलिसावाग शहर वाराणसी में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय वाराणसी में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 21-8-78 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धम्सरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मचापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से मधिक है और धन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तम पामा गया प्रतिफल, निम्निशिवित उद्देश्य से उच्त धन्तरण शिक्तत में बास्तविक कप से इचित नहीं किया गया है।—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त अधिक नियम के मधीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करणे या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसा किसी माय या किसी धन या अन्य आस्तिओं को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिनियम, या अन कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रमोजनार्थे अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए!

भतः भव उक्त समिनियम की धारा 269-ग के सनुसरण में में उक्त समिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रथात्ः— 1. श्रीमती रामम प्रयारी देवी

(प्रन्तरक)

2. श्री ललित मोहन

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियों करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप --

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की शवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य स्थित द्वारा, मधोहस्ताकारी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

ह्पव्यक्तिकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पक्षों का, जो उन्त प्रधिनियम के घष्ट्याय 20-क में परिभावित हैं, वहीं घर्ष होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जुज हिस्सा मकान नं० जे० 12/15-बी-1 सी स्थित मोहल्ला धूम चन्डी वेलियाबाग णहर वाराणसी क्षेत्रफल 214-60 वर्गमीटर दो मंजिला है जिसमें 7 कमरे हैं। असेस्मेन्ट सालाना 700/5 पूर्ण स्वामित्व है। तथा सम्पत्ति का वह सब विवरण जो फार्म 37-जी संख्या 6331 तथा सेलडीड में विणित है जो दोनों सब रजिस्टरार वाराणसी के कार्यालय में 12-8-78 को दर्ज है।

श्रमर सिंह बिसेन सक्षम श्रधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुकंन रेंज, लखनऊ

तारीख: 28-3-79

प्रकप भाई∙ टी॰ एन० एस०-----

भायकर समितियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 2698 (1) के ससीत सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश नं० जे-50/ग्रर्जन रेंज—श्रतः मुझे श्रमर सिंह बिसेन प्राथकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की चारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्वास करने का कारज है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य, 25,000/- द० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या है तथा जो वो मंजिला मकान में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रानुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रिजस्ट्रीकरण अधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 5-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृत्यमान प्रतिकस के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे वृत्यमान प्रतिकस का पन्छह प्रतिश्वत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के विथे तब पाया गया प्रतिकल, निम्निलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निक्वित में बास्तविश्व रूप से कवित नहीं किया गया है:—~

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाव की बाबत उन्त बासि-नियम के भाषीन कर देने के सन्तरक के दारित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के सिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या धन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिष्टिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर घिष्टिनयम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्व अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था, या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के खिब;

मतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मधिनियम, की धारा 269-घ की उपबारा (1) के मबीन निम्नलिक्ति व्यक्तियों मर्थात्ः → 1. श्रीमती शान्ती देवी अग्रवाल

(श्रन्तरक)

2. श्री जगत नारायन तिवारी

(भ्रन्तरिती)

3 स्वयं

(वह व्यक्ति जिसके ग्रिधभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के मर्जन के सम्बन्ध में कोई भी माझेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की ग्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में दिखा के किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास जिबात में किये जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण:—इसमें प्रयुक्त कन्यों भीर पदों को, आयकर भिक्षितियम रे1961 (1961 का 43) के भध्याय 20-क में परिभाषित है, वही भर्ष होगा, जो उस भव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक किता दो मंजिला मकान जिसका रक्खा 6300 वर्गफुट मोहल्ला न्यू हैदराबाद, लखनऊ में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण जो कि फार्म 37-जी संख्या 3057 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार लखनऊ के कार्यालय में दिनांक 3-8-78 को पंजीकृत है।

> श्रमर सिंह बिसेन सक्षम प्रधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लखनऊ

तारीख: 31-3-79

प्ररूप माई० टी० एन० एस०---

आयकर भविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-म (1) के भवीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लखनऊ

लखनऊ, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश नं० श्रार-130/श्रर्जन—श्रतः मुझे, श्रमर सिंह बिसेन श्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसर्में इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा पया है), की श्रारा 269-ख के श्रश्नीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उखित बाजार मूख्य 25,000/-रुपए से श्रधिक है

श्रौर जिसकी संख्या 29-ए है तथा जो कुष्णनगर लखनऊ में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है) रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय लखनऊ में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख 5-11-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से मधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरक लिखित में बास्तविक कप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी घाय की बाबत, धक्त प्रधिनियम के प्रधीन कर देने के घन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; पौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी घन या प्रन्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय प्राय-कर प्रधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए वा, छिपाने में सुविधा के सिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त ग्रविनियम की घारा 269-ग के प्रमुसर्थ में, में उन्त ग्रविनियम की घारा 269-थ की उपघारा (1) अधीन निम्मिश्रिकत व्यक्तियों ग्रवीत्:--- 1. श्री जैतिन्दर कुमार तेरहन

(ग्रन्तर)

2. श्री रमेश कुमार भ्रम्मल

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उनत सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी भारतेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की सारीख से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबक्ष किसी अन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पव्यक्तिरण :--इसमें प्रयुक्त सक्यों भीर पदों का, जो उक्त मिल-नियम, के मध्याय 20का में परिमाणित है, वही अर्थ होगा, जो उस भ्रष्याय में दिया गया है।

अनुसची

श्रवल सम्पत्ति नं० 29-ए जिसका रकवा 14550 वर्गेफुट है जोकि कृष्णनगर लखनऊ में स्थित है व सम्पत्ति का वह सब विवरण विवरण जो कि फार्म 37-जी व 5237 व सेलडीड में वर्णित है जो कि सब रजिस्ट्रार कार्यालय लखनऊ में दिनांक 8-11-78 को दर्ज है।

> ग्रमर सिंह बिसेन, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज; लखनऊ।

तारीख : 31-3-1979 मोहर:

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 289-व (1) के घंधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बेंगलूर

बेंगलर, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० मी० म्रार० 62/21157/78-79/एकुम्रायर—यतः मुझे पी० रंगनाथन,

मायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-खं के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उच्चित बाजार मूल्य 25,000/~ रु॰ से प्रधिक है

श्रीर जिनकी सं० 8/3, स्ट्रीट नं० 27, है, तथा जो एच० मिह्दक रोड, डिविजन नं० 38 बेंगलूर में स्थित है (श्रीर इससे उपावक अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से अणित है), रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के हार्यालय बसवनमृष्डि, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिकारी के हार्यालय बसवनमृष्डि, बेंगलूर में रजिस्ट्रीकरण प्रधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन ता० 16-8-78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रविक्तन के लिए अन्तरित की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसक दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह श्रतिगत से प्रधिक है धौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्श्य से उक्त अन्तरण लिखित में बास्तविक एप से किया नहीं किया गया है:---

- (क) अन्तरण से हुई किया प्राय की वासर उक्त अधिनियम के प्रधीन कर देने के अस्तरक के दायिस्य मक्तमी करने या उससे बबने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किमी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं कियागया था या किया बाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः अब, उनत अधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनत अधिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) अधीन, निस्तिचित्र व्यक्तियों, सर्वात् :--

श्री पेद्या नायडुपुत्र पुनिस्त्रामी नायडु
 204, पावल्लि टंपाक बड रोड,
 जर्नलिम्ट कालोनी, बेंगलूर-2

(भ्रन्तरक)

- 2 (1) श्री एल० एम० ग्रहमद पुत्र सफदर हुसैन
- (2) लए० एम० सरदार श्रह्रमद 6—56GI/79

(3) एल ० एस० अस्तिम अहमद पुत्र एल एस अहमद नं० 21, नया --पटलून पेट, बेंगलूर-2

(श्रन्तरिनी)

- 3. (1) श्री एम० नागराज वेस्ट पेपरमर्चेंट
 - (2) के० हमना, जनरल मर्चेंट
 - (3) एम० यूसफ, बिसमिल्ला टी स्टाल
 - (4) हर्षवर्धन सिंह केग्रर म्राफ साबना इंडस्ट्रीज नं० 8/3, ग्राऊंड फलोर, एच० सिद्धदरा रोड, बेंगलूर-27
- (5) मसर्म निटको रोड वेज नं० 813, एच० सिद्धणा रोड, बेंगलूर-27

नं ० 41, मावल्यि टयाम बंड रोड फलामिपाल्द, बेंगलुर-2

(6) जी० विह णामराव, कर्नाटक मारी प्रिटिग मं० 8/3 एवं। सिद्धणा रोड, बेंगलूर-27

को यह सूतना बारो कर हे पूर्वोता नमानि के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त मधाति के प्रार्वन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) ६ न नूचना क राज्यक्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घविष्ठ मा तत्सम्बन्धी स्थक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष्ठ, खो भी अविष्ठ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में मे किसी व्यक्ति द्वारा;
- (स्व) इस मूचना के राजपश्च में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उसत स्थाधर सम्पत्ति में हितबद किसी श्रम्य स्थित द्वारा, श्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण --इसम प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उकत प्रधितियम के ग्रध्याय 20ज में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा, जो उस भन्याय में दिया गया है।

श्रनुसूची

(दस्तावेज 1556/78-79 ता० 16-8-78)

मारा मम्बत्ति का नं० 8/3, स्ट्रीटनं० 27, एव० सिद्धपा रोड, डिविजननं० 38, बेंगन्र

चनकाची:

पु०: कार्पोरेशन रोड प०: प्राईवेट प्रापर्टी,

उ○: वही श्रीर

द०: एस० सिद्धप्पा रोड

पी० रंगनाथन, सक्षम प्राधिकारी, ग्रायक्ष (निरीक्षण)

कार्यालय महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जनरेंज, बेंगलर

तारीख: 15-3-79

प्रारूप धाई० टी० एन० एस०~~--

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-घ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक शायकर आयुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, बंगल्र

बंगलूर, दिनांक 15 मार्च 1979

निर्देण मं० मी० प्रार०-63/2113/78-79/एक्यू०/13----यतः मुझे, पि० रंगानाथन

धायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रधिक है

श्रीर जिसकी गं० 11 है तथा जो किललारी रोड 8 काम बेंगलूर सिटी में स्थित हैं (श्रीर इसने उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है) रिजम्ट्रीकर्ना ग्रिधिकारी के कार्यालय गांधीनगर बंगलूर दस्तावेज गं० 1692/78-79 में रिजम्ट्री-करण श्रिधिनियम 1908 (1908 वा 16) के श्रधीन ता० 24-8-1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रतिफल से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरक के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ब्राय या किसी धन या ग्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रिष्ठनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठनियम, या धन-कर श्रिष्ठनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

म्रत: मय, उन्त श्रधिनियम की घारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उन्त श्रधिनियम की धारा 269-थ की उपधारा (1) प्रश्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रयीत:—- (1) श्रीमती लक्ष्मणा स० 27 2 कास स्ट्रीट मेजर ट्रस्ट पुरम मद्रास-24।

(ग्रन्तरक)

(2) 1. मास्टर डीबापुट्टीस्वामी 2. कुमारी एम० लक्ष्मी 3. मास्टर यम राधाकेटरा 4. कुमारी यम पूरिनमा 5. मास्टर यम लोहिया सब नाबालिंग हैं तथा उनकी मां कर्णन कर रहें है श्रीमती यस० पी० एम० पाक्तममा सं०-27 2 कास स्ट्रीट मेम्बर ट्रस्ट पूरम मद्रास-24।

(म्रन्तरिनी)

को यह सूवना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भ्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तारीख से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रमुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उबत श्रिषित्यम, के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज सं० 1692/78-92 ता० 24-8-78) खाली घर की जमीन सं० 11 जो किल्लारी रोड, 8 काम बंगलूर मिटी में है श्रीर जिसका नाप है 38.64 स्क्यर मीटर।

पूरव	बि० बि० के ग्रडनगार रोड
प्र	किल्लारी रोड 8 क्रास
उ॰	निजी सम्पत्ति
दॅ०	निजी सम्पत्ति

पी० रंगानाथन सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, बंगलूर

नारीख: 15-3-1979.

मोहरः

प्ररूप माई० टी० एत० एस०---

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, महायक भायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, बंगलूर

बगलूर दिनाक 15 मार्च 1979

निर्देश सं० मी० ग्रार० 62/20374/78-79/एक्यू०/ बी०—यतः मुझे पी० रगानाथन भ्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संक्षित जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० न अधिक है

स्रोर जिसकी स० 2012 है तथा जो राजाजीनगर 2 स्टोन बंगलूर 10 में स्थित है (श्रोर इसम उगाबड़ अनुसूची में झौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजिस्ट्री कर्ना ग्रिधिवारी के कार्यालय राजाजी नगर बंगलूर दस्तावेज स० 2002/78-79 में रिजस्ट्रीकरण प्रिधिनियम 1908 (1908 का 16 के अधीन ता० 7-8-1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिगत से प्रधिक है भीर प्रन्तरक (प्रन्तरको) भीर प्रन्तरिती (प्रकारितयो) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उहेश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रनारण म हुई किनो आप की बाबत उका आधि-नियम क ग्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिस्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किमी धन या अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्नरिता द्वारा प्रकट नहीं किया गयाथा या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा क लिए।

अतः प्रव, उक्त श्रिधितियम की धारा 269-ग के अनु-सरण में मैं, उन्त ग्रिधितियम की घारा 269-च की उपचारा (1) के प्रधीन निम्निसिखित व्यक्तियों, ग्रेपीत्:— (1) श्री एन० एम० ब्राइकोली पुत्र श्री एम० एन० ब्राइकोली मयानेजिंग डाईरेक्टर करनाटका स्टेट फारेस्ट इडस्ट्रीज कारपारणान लिमिटेड मलपवरम वंगलूर-3।

(अन्तरकः)

(2) श्रीमती एम० ललीतममा पत्नी श्री एल० एच० एन० महादवन स० 1 पी० एम० के० लेन श्रक्कीपेट बगलूर-53।

(भ्रन्तरिती)

को यह मूत्रता बारी करके पूर्वीश सम्मति के धर्मन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनत सम्पति के अर्गत के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूबना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त शती हा, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से कियी व्यक्ति द्वारा;
- (श्व) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख़ में 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी ग्रन्थ क्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वब्हीकरण:---इसमें प्रयुक्त भन्दों और पदों का, जो उक्त मधि-नियम के अध्याय 20क में परिभाषित हैं, बही धर्ष होगा जो उस प्रध्याय में विदा गया है।

अनुसूची

(दस्तावेज स० 2002 ता० 7-8-78) घर मम्पत्ति सं० 2012 राजाजी नगर 2 स्टेज बंगलूर-10।

कोंडरीज (चककन्दी) —

ਰ੦

राड

पूरव

रोड

त ∵ दo

माइट सं० 2012

पा०

साइट सं० 2011

पी० रंगानाथन मक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, बंगलूर

तारीख: 15-3-1979.

मोहरः

प्रारूप भाई॰ टी॰ एन॰ एस॰-

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रार्गन रेंज, बंगलूर बंगलुर दिनार 19 मार्च 1979

निर्देश सं० मी० म्रार०-62/2065 9/78-79/एक्यू०/ बी०—-यतः मझे पी० रंगानाथन,

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ॰ से भ्रधिक है

भौर जिसकी सं० ए० एस० तं० 285/ए० जेड० ए०-टी० एस० एन०-170/ए० जेड० ए० है तथा जो बन्टम हासटल रोड, कोडियाल में स्थित है (ग्रीर इसमे उपाबद प्रतुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, मंगलूर, दस्तावेज सं० 474/78-79 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिकारी ति।० 28-2-1978 को

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रत्तिरित की गई है घौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिधक है घौर अन्तरक (अन्तरकों) घौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त पन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रन्तरण सं हुई कियो प्राय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रप्रीन कर देने के भन्तरक के बायित्व में कमी करने या उससे बचने म सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या अन्य ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धनकर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के ध्रनुसरण में मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1) प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात :---

(1) श्री मिसज गंगममा, पत्नी श्री लेट प्रमेववराया 8/114-सी, उलड टानक रोड, पालावरन, मद्रास-

(ग्रन्तरक)

(2) मसर्म महाबालेषवरण सर्विसेज स्रौर एजेन्सीज (प्राइवेट) लिमिटेड, महाबालेश्वर, कदरी रोड, मंगलूर-575003। रेप्रेजन्ट कर रहे हैं उनके डायरेक्टर, श्री के० सी० नायक।

(ग्रन्तरिती)

को यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त समालि के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेत :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किमी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

र १८डोकरग: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रीवितियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, नहीं प्रयंहीता जो उन अध्याय में दिया गया है।

प्रनुमूची

(दस्तवित्र मं० 474/78-79, ता० 28-8-78) 29 सन्टम जमीन धर के साथ तथा जी बन्टम हासटल रोड काडीयालबेल मंगलूर-575002 में हैं। उसका सं० है नं० श्रार० एस०-285/ए०-जेड० ए०-टी० एस० नं०-170, ए०-जेड० ए०)।

पी० रंगानाथन, सक्षम प्राधिकारी (सहायकर ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, बंगलूर.

तारीख: 9-3-1979

प्ररूप भाई० टी• एन० एस•-

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेज, बंगलूर

बगलूर दिनाक 19 मार्च 1979

निर्देण म० मी० ग्राप्०-62/20789/78-79/एक्यू०/ बी०--पतः मुझे पी० रंगानाथन,

भायकर भिर्मितयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिर्मितयम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिर्मात सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-क्पए से भिन्न है

ग्रीर जिसकी सं० रेलवे डिपो सं० 2546 है, तथा जो टुमकूर टोन रेलवे स्टेशन के सामने में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रमुची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिअस्ट्रीकर्ता ग्रिधि-कारी के कार्यालय टुमकूर दस्तावेज सं० 2003/78-79 में रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनिंगम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन ता० 2-8-1979 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यदापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत में भिष्ठ है भीर यह कि भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:——

- (क) प्रस्तरण य हुई किसी धाय की बाबत उक्त प्रधिनियम के भ्रष्टीन कर देने के भ्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: मन, उनत मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में मैं, उन्त प्रिविनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, मर्थात्:--- (1) श्री एस० भावरलाल, पुत्र श्री एस० सोहत लाल, 2. श्रीमती एस० तारा० बाय, पत्नी श्री एस० भावरलाल, केग्रर ग्राफ कान्ती स्लिक्ष होज एस० जी० रोड, दुमकूर।

(भ्रन्तरक)

(2) श्री श्री०श्री० प्रणावा स्वरूपी, डाक्टर पीवाकुभारा-स्वामी, पिधातीपनी गालो, सिश्चगगा मटटा, टुमकूर

(भ्रन्तरिती)

का यह पूजा तारो करके पूर्वीशा सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के श्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप--

- (क) इस सूचना के राघपत में प्रकातन की शारीख है 45 विन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी क्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्नोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो सक्त भिक्षितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही भयं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

(टस्तावेज सं० 2003, ता० 2-8-79) घर मध्यत्ति सं० 2546 नया सं० 2646/2661, रेलवे डिपो रेलवे स्टेशन के मामने टुमकूर टाउन टुमकूर।

पी० रगानाथन सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज, बंगलूर

तारीख: 19-3-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०--

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के श्रह्मीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल

भोपाल, दिनांक 21 मार्च 1979

निर्देश सं० आई० ऐसी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/1236 —-यतः मुझे वी० एल० राव,

आयकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परवात् 'उक्त ग्रिधिनियम, कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचिन बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से ग्रिधिक है ग्रीर जिसकी सं अ जैमा कि श्रनुसूची में लिखा है। तथा जो इन्दौर में स्थित है श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में व्यापत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी के कार्यालय इन्दौर में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन तारीख 1-8-1979

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह । वश्यास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रविक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच एसे अन्तरण के लिए, तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त, भ्रधि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें, भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर श्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भ्रतः, ग्रब, उन्नतं ग्रिधिनियमं की घारा 269-गं के अनु-सरण में, मैं, उन्नतं ग्रिधिनियमं की घारा 269-घं की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखितं स्विक्तयों, ग्रार्थात् :-- (1)श्री सुनील कुमार पुत्र श्री नेम हुमार पोरवाल, गांधी चोक, कामठी नागपुरे, वर्तमान 135, जावरा कम्पाउन्ड, इन्दौर ।

(अन्तरक)

(2) श्री सूर्यकान्त पुत्र श्री भाई लाल भाई पटेल' 1/3, तिलक पथ, इन्दौर।

(भ्रन्ति/ती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरू करता हूं।

उबत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्मति में हितब के िक्सी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभावित हैं वही ग्रंथ होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 135 पर बना मकान जावरा कम्याउन्ड, इन्दौरः

> बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त ग्रर्जन रेंज, भोपान्न,

तारीख: 31-3-1979

मोहरः

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देण मं० ग्राई० ए० मी०/एक्वी०/भोपाल/78-79/
1237—यतः मझे बी० एल० राय,
आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43)
(जिरो इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है),
की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास
करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उजित बाजार
मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है
ग्रौर जिसकी मं० प्ताट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है
(ग्रौर इसमें उपाधक ग्रन्थि में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित
है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन,

2-8-1978
को प्वॉक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान
प्रतिफल के लिए प्रन्तिरत की गई है भीर मृझे यह विश्वास
करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार
मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के
पन्द्रह प्रतिशत से भ्रधिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर
भन्तिरती (प्रन्तिरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया
गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में
वास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त श्रिधिनियम के श्रिधीन कर देने के भ्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः ग्रब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के भनुतरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-भ की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों भर्यात्:—

- (1) श्री सतीण चन्द्र सोहन लाल सोंधी, 2. श्रीमती गीता सोंधी, 3. कु० सीमा सोंधी, 4. श्रनुराधा सोंधी, 5. राजेन्द्र कुमार सोंधी पृत श्री मुरेण कुमार सांधी, महारानी रोड, इन्दी (श्रन्तरक)
- (2) सुरेश चन्द्र, 2. महेश चन्द्र, 3. दिनेश चन्द्र, 4. गोपाल, 5. श्रहण कुमार सभी पुत्र श्री छगन लाल मित्तल, 22/1, माउथ तुर्कागंज इन्दीर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीस्त सम्पति के प्रजैत के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारी ब से 45 दिन की भविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वों कत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, धधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इनर्ने प्रयुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त प्रधि-नियम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही ग्रथं होगा, जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

खुली भृमि प्लाट नं० 22/9, साउथ तुर्कागंज, इन्दौर।

बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी, निरीक्षी महायक आयकर स्रायुक्त, स्रर्जन रेंज, भोपाल

तारीख: 31-3-1979.

मोहरः

प्ररूप ग्राई॰ टी॰ एन॰ एम॰-

भायकर यिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देश मं० प्राई० ए० मी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/ 1238—प्रतः मुझे बी० एल० राव,

भायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० प्लाट/गोधाम है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर म, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, 10-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए अन्तरित की गई है भौर मृत्ते यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का चित्रत बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत में भिधक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (प्रन्तरितियों) के बीच एम अन्तरण के लिए त्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखन उद्देश्य में उका प्रनरण निवित्र में शस्तिक कृष में कियत नहीं किया गया है: -

- (क) अन्तरण मे हुई किसो प्राय की बाबत, उक्त अधि-नियम, के सधीन कर देने के अन्तरक के दावित्व में कभी करने या उसमे बचने में सुविधा के लिए; धौर/या
- (का) ऐसी किसी आप या किसी धन या मन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर ग्रिजिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिजित्यम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या क्या

अतः ग्रन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ण की उपश्रारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्पन्तियों, ग्रयित्:—

- (1) मौसर्स इन्दौर गुडम ट्रांसपोर्ट कारपोरेशान द्वारा पार्टनर श्री मुख दयाल शंकर दास पाहवाव श्रीमती प्रवेश रानी, 246, जवाहर मार्ग, इन्दौर। (ग्रन्तरक)
- (2) भौमर्स श्रमर रोडवेज पो० श्री श्रमर लाल एण्ड कं० 342, जवाहर मार्ग, इन्दौर।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूतना जारो करके पूर्वोस्त पन्मति के स्रर्जन के लिए कार्यग्रीहिया करना हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के संबंध में काई भी आक्षेत्र--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणत की तारीख़ से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों; पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से िक्सी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन को नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद्ध किसी भ्रन्य श्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास निखित मं किए जा सकेंगे।

स्पाकरीकरण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनन श्रिक्षित्यम के श्रष्टयाय 20क में परिभाषित है, वही श्रर्थ होगा जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

ग्रन<u>ु</u>सुची

प्लाट नं० 105, माथ गोदाम स्थित द्रांमपोर्ट नगर, इन्दौर।

> बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक श्रायकर श्रायुक्त), श्रर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख: 31-3-1979.

प्ररूप भाई • टी • एन • एस •----

म्रायकर म्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र, भोपाल भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निर्देश सं० ग्राई० ए० जी०/एक्बी०/भोपाल/78-79/ 1239--- ग्रतः मुझे बी० एल० राव, मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका बाजार मुल्य 25,000/-रुपये से प्रधिक ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्री-करण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 19-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों), के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त ग्रधि-नियम, के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरण के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर भिर्धानियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः ग्रव, उक्त ग्रिप्तियम की धारा 269-ग के ग्रनु-सरण में, मैं, उक्त ग्रिप्तियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रिप्तीन निम्नलिबित व्यक्तियों, अर्थात्:—-7—56GI/79 (1) श्री धरमवीर मोहिन्द्रा अवकाश प्राप्त विग कमांडर पुत्र श्री शादीराम मोहिन्द्रा नं० 4, ग्रागरा क्लब ग्रागरा।

(म्रन्तरक)

(2) 1. डा० गुरनेक मिंह ग्रेयाल पुत्र श्री डा० सर्क मिंह ग्रेयाल, 2. श्रीमती बलजीत कौर ग्रेयाल पुत्र डा० गुरनेक सिंह ग्रेयाल, 3. श्री दलबीर मिंह ग्रेयाल व श्री प्रीतम सिंह पुत्र डा० गुरनेक सिंह पुत्र डा० गुरनेक सिंह ग्रेयाल, लाल हास्पिलट, गांधी हाल के सामने, इन्दौर।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजैन के लिए कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दीकरण:--इसमें प्रयुक्त ग्रब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रधि-नियम के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रयं होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० एस० बी०-102, माकंत कालीनी, इन्दौर

बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी, (निरीक्षी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त), ग्रर्जन रेंज, भोपाल.

तारीख: 31-3-1979.

प्ररूप माई•टी एन•एस•——— भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269**प** (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन क्षेत्र भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी० /एक्वी०/भोपाल 78-79/ 1280—ग्रत: मुझे बी० ऐल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिषिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से घिषक है,

श्रीर जिसकी सं० मका प्लाट है तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 17-8-1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह्र प्रतिशत अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति विक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधि-नियम के भधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिष्ठितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रष्ठितियम, या धन-कर भिष्ठितियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

धतः अब, उन्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनू-सरण में, मैं, उन्त भिविनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिक्तित व्यक्तियों अर्थात् :--

- 1. श्री हरी कुमार पुत्र श्री मोती लाल महेश्वरी निवासी 24 बी, बिल्डर्स कालोनी, इन्दौर (श्रन्तरक)
- श्रीमित मोहन बाई पत्निश्री वर्धमान जी पीतालिया
 लोधी मोहल्ला, इन्दौर (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हुं।

उक्त संपत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षीप :--

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीखा से 45 दिन की धविध या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिन-बद्ध किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्यों और पदों का, जो जक्त भिव्यतियम के भव्याय 20-क में पर-भाषित हैं, वही मर्च होगा जो, उस भव्याय में दिया गया है।

पनुसूची

प्लाट नं० 7 पर बना मकान धुनुमार्केट, इन्दौर।

ज॰ एल० राव, सक्षम प्राधिकारी (निरीक्षण) सहायक श्रायकर श्रायुक्त श्रर्जन रेंज, भोपाल,

दिनांक: 31-3-1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्वर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 मार्च, 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी० (एक्बी)/भोपाल 78-79/ 1249--श्रत: मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित वाजार मूल्य 25,000/- •• से प्रधिक है

श्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रजिस्ट्रीकरण श्रधियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, 14-8-1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित को गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐमे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के वीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निकात में बास्तविक कप से कथित नहीं निया गया है ——

- (क) अन्तरण से हुई निसी प्राय के **बाबत, उक्त** प्रधिनियम के प्रद्योन कर देने के प्रन्तरक के दायिश्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; धौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी वन या मन्य मास्तियों की, जिन्हें भारतीय भ्राय-कर भ्रिमियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिमियम, या धन-कर मिमियम, या धन-कर मिमियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुबिधा के सिए;

अतः अब, उनतं भिविनियमं, की धारा 269-गं के प्रमुसरण में, में, उनतं भिविनयमं की धारा 269-वं की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखितं व्यक्तियों, अर्थात्।---

- 1. (1) श्रीमिति चन्द्र प्रभा देवी पहिन श्री रतन लाल मोदी (2) श्री भारत कुमार पुत्र श्री रतन लाल मोदी (3) श्रीमित सुधा देवी पहिन श्री मनमोहन जी मोदी, 5/1, साउथ यकागन, इन्दौर (श्रन्तरक)
- 2. (1) श्री जोहर ग्रली पुत्र श्री तय्यव ग्रली (2) श्री कैंसर ग्रली पुत्र श्री तय्यवज ग्रली (2) श्री बाकिर ग्रली पुत्र श्री तय्यव ग्रली 81, महारानी रोड, इन्वौर (भन्तरिती)

को यह मुचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति <mark>के श्रर्जन के लिए</mark> एतद्वारा कार्यंबाहियाँ शुरू करता हुं।

उक्त संपश्चि के मर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविध, जो भी घविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में के किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी भन्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्ती करण: --- इसमें प्रयुक्त शब्दों और पतों का, जो उक्त अधि-नियम, के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ हागा जो उस अध्याय में विया गया है।

श्रनुसूची

प्लाट नं ० 5/1, पर बना मकान, साउय तुर्कागंज, इन्दौर ।

बी० एस० राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रागंन रेंज, भोपाल,

दिनांक: 31-3-1979

प्राक्षप भाई • टी • एन ० एर ० -----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-म (1) के ग्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्मालय, स्ट्रायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, भोपाल,

भोपाल, दिनांक 31 मार्च 1979

निदेश सं० श्राई० ए० सी०/एक्बी०/भोपाल 78-79/ 1242--श्रतः, मुझे, बी० एल० राव,

प्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), को घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- द॰ से अधिक है

श्रीर जिसकी सं प्लाट है, तथा जो इन्दौर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण के रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ती श्रिधकारी के कार्यालय, इन्दौर में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्रयम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन 17-8-78 को पूर्वोक्त, संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रिधक है भौर भन्तरक (अन्तरकों) भौर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निखित में वास्तिक स्य से कथित नहीं किया यया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी मायकी बाबत उक्त शकि-नियम के मधीन कर देने के बन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; भीर/धा
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी बन या ग्रम्य ग्रास्तियों को, जिन्हें, भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया क्या या या किया जाना चाहिए था, फिपाने में सुविज्ञा के लिए;

बतः धन, उनत अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में में, उक्त अधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन, निम्निजिया व्यक्तियों, अर्थातः—-

- 1. (1) श्रीमित चन्द्रप्रभा देवी पित्त श्री रतन लाल मोदी, (2) श्री भारत कुमार पुत्र श्री रतन लाल मोदी, (3) श्रीमित सुधादेवी पित्न श्री मनमोहन मोदी (4) श्रीमित कुसुमदेवी पिरन श्री भारत कुमार मोदी (5) श्रीमन, मोहन मोदी पुत्र श्री रतन लाल मोदी 5/1, साउथ तुकागंज इन्दौर (ग्रन्तरक)
- 2ू (1) श्री जोहर ग्रली (2) श्री कैसर ग्रली पुत श्री तय्यवग्रली (3) श्री वाकिर ग्रली (वयस्क) द्वारा श्री तय्यव ग्रली पुत्र श्री गुलाम हुसैन 81, महारानी रोड, इन्दौर (अन्तरिती)

कौ यह मृचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अजैन के लिए कार्यवाहिमां करता है।

उन्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन की श्रवधि मा तत्सम्बधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, को भी श्रवधि वाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवद्ध किसी घन्य व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसम प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधितियम के अध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्म होगा जो उस मध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

प्लाट नं० 5/1, साउथ तुर्कागंज, इन्दौर।

बी॰ एल० राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजैन रेंज, भोपाल

दिनांक : 31-3-1979

प्ररूप प्राई० टी • एन० एस • ----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

धर्जन क्षेत्र, भोपास,

भोपयल, दिनांक 3 प्राप्रैल, 1979

निदेश सं० म्राई० ए० सी०/एक्वी० (भोपाल) 79-80/ 1243---म्रतः मुझे, बी० एल० राव,

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त घिनियम', कहा गया है), की घारा 269-ख के घिनियम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारच है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- च० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान है, तथा जो जबलपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबज्ज ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण के रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, जबलपुर में, रिजस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन 21-9-1978 की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रक्षिक है भीर भन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के भीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तविक इप से किंवत नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की वाबत, उक्त ग्रिधिनियम के ग्रिधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने के सुविधा के लिए; और/या
- (च) ऐसी किसी घाव या किसी घन या अन्य प्राश्चिमीं की, जिन्हें भारतीय घाय-कर मिविनयम, 1922 (1922 का 11) या जुक्त मिविनयम, या घत-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाता चाहिए था, छिवाने में सुविधा के निए;

बतः अब, उक्त धिवित्यम की धारा 269-व के धनुसरक में, में, उक्त धिवित्यम की धारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों के अवाँत:——

- 1. श्री बिपिन चन्द्र गज्जर । श्रीमित चन्द्रिका गज्जर 47/3, नर्बदारोड, जबलपुर । (श्रन्तरक)
- 2. श्री (1) कमल कृष्ण (2) श्री सन्तोष कुमार (3) ग्रनिल कुमार पुत्र श्री पिछोरी लाल व श्रीमित शरन पित्न श्री पिछोरी लाल गलगरा, जबलपुर (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पन्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षीय :---

- (क) इस पूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की ध्रवधि, जो भी
 धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबज्ञ
 किसी सम्य व्यक्ति द्वारा स्रश्चोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वाह्मकरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो 'उक्त अधिनियम', के शब्दाय 20-क में परिभावित है, वही बर्च होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 47/3, नर्बेदा रोड, जबलपुर

बी० एल० राव, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, भोपाल

दिनांक: 3-4-1979

प्रकृष भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की झारा 269व (1) के मधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सक्षायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 881—अतः मुझे बी० वी० सुब्बाराव, धायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर संपत्ति जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/-रु• से ग्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० 94 है तथा जो विजयवाड़ा में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, विजयवाड़ा में भारतीय रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16 के श्रधीन 7-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितीयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से छक्त अन्तरण सिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है।——

- (क) अन्तरण खे हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त जिल्ला नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्थरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा खे लिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाग या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, ष्टिपाने में सुविधा के लिए।

ग्रतः ग्रन, उपत अधिनियम की भारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की भारा 269-पंकी उपघारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- 1. श्री सी० एच० रविशंकर, विजयवाड़ा (श्रन्तरक)
- (2) श्री दि० कत्नौशन श्राफ दी फानसिसकेन मिश-नरी मचकीपटरन (ग्रन्तरिती)

को यह सुवना जारी करके पूर्वोक्त सम्मति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त संपत्ति के प्रार्थन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीका से 45 दिन की अवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि वाद में समाप्त होती हो, को भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित- वद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अघोहक्ताक्षरी के पास किस्ति में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण :---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उन्त अधिनियम के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रध्याय में दिया यवा है।

अनुसूची

विजयवाड़ा रजिस्ट्री ग्रिधिकारी से पाक्षिक ग्रंत 15-8-78 में पंजीकुत दस्तावेज नं० 3725/78 में निग-मित श्रनुसूची संपत्ति ।

> बी० वी० सुब्बाराव, सक्षम प्राधिकारी सह्यायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांक: 9 मार्च 1979

मोहर

प्रकप माई • टी • एन • एस ०-

प्रायकर प्रशिविषम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269 व (1) के प्रशीम सुवना

भारत सरकार

कार्यांत्रय, सङ्घयक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज काकीनाडा

काकीनाडा दिनांक 9 मार्च 1979

सं० 882 विनांक ग्रतः मुझ बी० वी० सुब्बाराव ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसम इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ज के ग्रिधीन सक्तम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/• इपए से ग्रीक है

श्रीर जिसकी सं० 50-110-9 है, जो वैजाम में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध स्रमुस्त्री में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, जैसी में भारतीय रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन 4-8-1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पृष्ट प्रतिशत से अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्निलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है .——

- (क) भ्रम्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के बन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के निए; और/मा
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय घाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धम-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269 म के अनुसरण में। में उक्त प्रधिनियम, की द्वारा 269 व की उपवास (1) अजीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. श्री बी० नर्रामगराव गिसाखपटनम (म्रन्तरक)
- 2. श्री ए० श्रार० भरतन विशाखापटनम (प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्येवाहिया करता हूं।

उपत सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस मूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (वा) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितकद्ध किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पट्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भर्ष होगा, जो उस अध्याय में विया गया है।

प्र**नु**मू**ची**

वैजाग रजिस्ट्री श्रधिकारी सं० पाक्षिक श्रंत 15-8-78 में पंजीकृत दस्तावेज नं० 4824/78 में निगमित श्रनुसूची संपत्ति ।

> बी० वी० सुब्बाराव सक्षम प्राधिकारी (महायक घायकर घायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, काकीनाडा

दिनांकः 9-3-79

प्ररूप आई० टी० एन● एस●-----

आयकर ग्रिषिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के भ्रिष्ठीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज-II, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनांक 26 मार्च 1979

सं० पी० भ्रार० 657/ए०सी० क्यू० 23-1246/19-2/ 78-79-अत:, मुझे एस० सी० पारिख पधिनियम, 1961 (1961 **1**57 **4**3) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मुल्य 25,000/- स्पर्य से प्रधिक है ग्रीर जिसकी सं० ब्लाक नं० 216 है तथा जो गांव कडोदारा, ता० पालसाना जिला सूरतः में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध धनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, कामरेज में रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन भगस्त 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृहय से कम के बुश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, इसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दुग्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकत से मधिक है और अंग्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उस्त अन्तरण जिल्हित में वास्तविक सप से कांचित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की वाबत उक्त प्रधिनियम, के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे वचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी घन या मन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धाय-कर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या घन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः गव, उस्त प्रधिनियम, की धारा 269का के जनुसरण में, मैं, उस्त प्रधिनियम की धारा 269का की उप-धारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रयास्थ-

1. (1) ठाकोरभाई मकनभाई

- (2) गोपालभाई मकनभाई
- (3) ठाकोरभाई मकनभाई, नगीर महेंद्र कुमार ठाकोर भाई के वाली की हैसियत में गांव : सारोली, ता० चोरासी, जिला सुरत
- 2. जयभारत सिल्क एन्टरप्राईज् पार्टेनरस
 - (1) रामरिचपाल रामेश्वरदास कालगा देवी, बम्बई,
 - (2) कमला देवी फूलचन्द भ्रार्य, मोयारा स्ट्रीट, कलकत्ता,
 - (3) सुशील कुमार फूलचन्द बिन्दर, प्रभु दर्शन को० श्रा० हाउसिंग सोसाइटी, श्रठना लाईन्स सरत ।
 - (4) रिव सत्य प्रिय भ्रार्य, पोहर रोड, बम्बई । (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की घविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी धविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ता-क्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पार्थीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, को उक्त साधि-नियम के मध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं अर्थे होगा, को उस मध्याय में दिसा गया है।

अनुसूची

खुली जमीन जो ब्लाक नं० 216 गांव काडोदारा, ता० चौरियासी जिला सूरत में स्थित है जिसका कुलमाप 11 एकड़ 10 गुंथा है तथा जिसका दस्तावेज रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी कामरेज द्वारा भ्रगस्त, 1978 में रजिस्टर किया गया है। एस० सी० पारिख

सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

यम आयमर आयुक्त (।नराक्षण) श्रर्जन रेंज-∐, श्रहमदाबाद

MALL (M-1+) M

विनांक: 26-3-1979

प्रकार प्राई० टी० एन० एन०----

आयकर प्रधिनियस, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के प्रधीन सूचना

मारत सरकार

कार्यालय, सहायक गायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज-, ग्रहमदाबाद

श्रहमदाबाद, दिनाव 23 श्रपैत 1979

म ० ए०मी०वय० 23-I-2076 (802)/16-6/78-79-ग्रत मझे एस० सी० पारिख पायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त ग्रधिनियम' कहा गया है), की 269-ख के घघीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका 25,000/- रुपये में भ्रधिक है मुल्य श्रीर जिसकी स० मकान 250 वर्ग गज जमीन (खडा न० 490) पैकी है। तथा जो जक्षणन प्लाट, शोरी न० 5/10 राजकोट में स्थित है (श्रीर इसमें उपाबद्ध श्रन-सूची में भ्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), र्राजस्दी रर्ता श्राविकारी के कार्यालय राजकोट में राजिस्ट्रीभरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन 10-8-1978 को मम्पत्ति के उवित बाजार मृत्य पे कम दरपभान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है प्रीर मझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त सम्पत्ति का उचि । बाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, एम दुष्यमान प्रतिकत का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (धनारको) मार भन्तरिती (भन्तरितियो) के बोच ऐसे अन्तरण 🕆 लिए तप पाया गया प्रतिफल, निम्निर्ताखन उद्देश्य म उक्त घन्तरण लिखिन में वास्त्रविक रूप से कथित नहीं विया गया है:---

- (क) सन्तरग स हुई किसा यात्र का ग्रांगा उक्त प्रधि-नियम, क श्रधीन कर इने क श्रन्तरक के दापित्व में कमी करने या उसमें बचने स सुविद्या के निए; ग्रीर/याः
- (ध) एमी किसी आप या हिमो घर या प्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रीयकर ग्रीधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धनकर ग्रीधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा पकट नहों हिया गया था या किया जाना चाहिए था छिपाने में मुबिन्स के लिए;

भातः, श्रवः, उस्त अधिनियम की बारा 269-ग के अनु-सरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्मलिखि। व्यक्तियों, अर्थातः ---8-->661/79

- 1 श्री लक्ष्मीदाम हराजीपन प्रामनानेक डोनडोरी, जिला चादला मध्य प्रदेश । (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती ज्योतिवाला जयन्तीलाल कछाला स्ट्रीट न ० 5/10, जकशन प्लाट राजकोट। (ग्रन्तरिती)

का यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ मुरू करता हू।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी घाओंप :---

- (क) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की श्रविध या तस्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना क राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन क भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यव्हीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दो और पदो का, जो उक्त प्रधि-नियम के ध्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस ध्रध्याय में दिया गया है।

धनुसूची

मकान (दो मजिल का), 250 वर्गगज जमीन पर खड़ा हुम्रा (प्रधाट लेख न० 490 पैकी) जो 5/10 जकणन प्लोर, राजकोट में स्थित है तथा जिसका रजिस्ट्रेशन रजिस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी राजकोट द्वारा ता० 11-8-1978 को बिकी दस्तावेज न० 2435/16-6-78 से हुम्रा है (37-जी फोर्म द्वारा जिसकी मूचना जनवरी 1979 के दूमरे पख्वाड़ में सब रजिस्ट्रार राजकोट स प्राप्त हुई थी) याने एक्ट बिक्री दस्तावेज में मिथ्कन का पूर्ण वर्णन दिया गया है।

एम० सी० पारिख सक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज-, श्रहमदाबाद

दिनाक: 23-4-1979

प्रकार गाई० टी० एत० एस०----

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-भ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त, (निरीक्षण) ग्रर्जन रेज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनाक 18 अप्रैल 1979

निर्देश सं० सीएनडी०/196/78-79.—यत. मुझे, नत्यू राम,

प्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 289-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृत्य 25,000/- रुपये से प्रधिक है

ग्रौर जिसकी स० 1/2 भाग प्लाट न० 18 जिसका क्षेत्रफल 566.2 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीट डी सँमटर 21-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुभूची मे श्रौर पूर्ण रूप से विषत है), रिजस्ट्रीकर्त्ता श्रधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, श्रगस्त, 1978, को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिश्चनियम के ग्रिप्तीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) एसी किसी भाय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भ्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्म भ्रन्तिरती द्वारा भकट नहीं किया गया या या किया जाना भाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उकत भिधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण मे, मैं, उक्त भाधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:——

- 1. श्री गुरबचन सिंह पुत्र रसालदार हीरा सिंह द्वारा जनरल ग्रटारनी ग्रीर पुत्र श्री जोगिन्दर सिंह वासी गाव साहारों माजरा जिला लुधियाना। (ग्रन्तरक)
- 2 श्रीमती तीरा मल्होत्रा पत्ती श्री मधुकर मल्होत्रा वामी मकान न० 1028 सैंक्टर 36-मी चण्डीगढ़। (श्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वोक्त सम्मित के प्रजेन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनन-सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेंग :---

- (क) इस सूवता के राजाब में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूबता की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त क्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचता के राजपत्न में प्रकाशत की तारी खंसे 45 दित के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति म हित-बद्ध किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पान जिल्लिन में किए जा सकते।

ण्यवदीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वही ग्रर्थ होगा जो उप श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 भाग प्ताट त० 18 स्ट्रीट डी सैक्टर 21-मी (प्रज 2228) जिन्हा क्षेत्रफल 566.2 वर्ग गज है और जा चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जारहार जैना कि रिजिस्ट्रीकर्ती अधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सख्या 435 श्रगस्त, 1978 में वर्ज हैं)

> नत्थू राम गक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेज, लुधियाना ।

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन० एस०--ग्राय हर प्रितियम, 1961 (1961 हा 43) की
धारा 269व(1) के ग्रधीन सूचना
भारत सरकार

कार्यालय सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज श्रायकर भवन लुधियाना
लिधियाना, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

निदेण मं० मीएचडी०/197/78-79:—-प्रतः मुझे नत्थू राम

भायकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त अधित्यमं कहा गया है) की घारा 269-ख के भिवीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर मम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपए से भिविक है

श्रीर जिमकी मं० प्लाट नं० 18 का 1/2 भाग जिमका क्षेत्रफल 506.2 वर्ग गज है तथा जो स्ट्रीटडी सैक्टर 21 सी (श्रव नं० 2228) चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप मे विणित है) रिजस्ट्री-कर्ता अधिकारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन श्रमस्त 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृष्यमान प्रतिकत के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके बृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृष्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है भौर अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण , लिखित म वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रग्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किली भाग या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भागकर भ्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रिधिनियम या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रव, उक्त ग्रधिनियम की घारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-म की उपन्नारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, ग्रयौत्:-- 1. श्रीमती गुरदेव कौर विधवा श्री करनैल मिंह सर्व श्री नागिन्दर मिंह भूपिन्दर मिंह दलजीत सिंह परिमन्दर मिंह बलजिन्दर मिंह पुत स्व० श्री करनैल मिंह श्रीमती श्रमरजीत कौर व रिजन्दर कौर पुत्रियां स्व० श्री करनैल मिंह द्वारा जनरल श्रदारनी श्री नागिन्दर मिंह वाली गांव गोबिन्दपुरा तहमील पायल जिला लुधियाना।

(ग्रन्तरक)

 श्रीमित नीरा मल्होस्रा पत्नी श्री मधुकर मल्होत्रा बामी मकान नं० 1028 मैंक्टर 36-मी चण्डीगढ़। (ग्रन्तिरती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के धर्जन के लिए कार्यनाहियां करता है।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी माक्षेप--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भवधि, जो भी
 भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति होरा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की सारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़
 किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रघोहस्ताकरी के पास
 सिश्चित में किए जा सर्केंगे।

स्पट्टोकरण: --इसम प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त ग्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में यथापरिभाषित हैं, वही श्रयं होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

धन्सूची

प्लाट नं 18 का 1/2 भाग जिसका क्षेत्रफल 566.2 वर्ग गज है स्त्रीर जो स्ट्रीट डी० सैंक्टर 21-सी (श्रज नं 2228) जा जी गढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी अण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 436 श्रगस्त 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम सक्षम <mark>प्रधिकारी</mark> सहायक प्रायकर घ्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18-4-1979

प्ररूप भाई• टी॰ एन॰ एस॰----

भायकर मिश्रिनियम 1961 (1961 का 43) की धारा 269-व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, श्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1979

निदेश सं० मीणच डी०/203/78-79:—-यतः मुझे नत्थ् राम

धायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिधिनियम' कहा गया है) की धारा 269-ख के मिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से मिधिक है,

श्रीर जिसकी सं० मकान नं० 3240 सैक्टर 15-छी है तथा जो चन्छीगढ़ में स्थित है (श्रीर इससे उपाबढ़ अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिष्ठकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में रिजस्ट्रीकरण श्रिष्ठित्यम 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन अगस्त, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान श्रिक्त के लिए प्रन्तरित की गई है श्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रिक्त का ग्रेतक से बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रिक्त से स्थापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान श्रिक्त से श्रीर श्रान्तरक (श्रान्तरकों) भौर श्रान्तरिती (श्रान्तरितियों) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण कि खिया पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण कि खिया पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त श्रन्तरण कि खिया पाया गया श्रीस्त करण से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) श्रस्तरण से हुई किसी भाष की बाबत उक्त भिधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए ; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या भ्रन्य श्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धनकर अधिनियम 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-घ की उपधारा (1) बीन, निम्निनिखत व्यक्तियों, प्रयात्:-- श्री चन्द्रन सिंह पुत्र मुल्ला सिंह वासी संकान नं० 3240 सैंक्टर, 15 डी चण्डीगढ़।

(म्रन्तरक)

2. सर्वश्री किंगन चन्द भटी व रूप लाल भटी पुत्र श्री च्या राम वासी मकान नं० 1500 सैक्टर 22-बी चण्डीगढा।

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी कर के पूर्वोक्त सम्पत्ति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उस्त सम्यति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी प्राधीय---

- (क) इय युवना के राजाल में प्रकाशन की लारीख से 45 दिन को प्रविध या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो भी प्रिय बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में ने किसी व्यक्ति द्वारा ;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उकत स्थायर सम्पत्ति में हितवा कियो पत्र व्यक्ति द्वारा अधीहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे ।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही श्रयं होगा जो उस श्रध्याय में दिया गथा है !

अमुसूची

मकान नं० 3240 सैक्टर 15-डी चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 455—प्रगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 प्रप्रेंस 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एम०----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) भी धारा 269व (1) के अधीत मूचना

भारत गरकार

कार्यालय, महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) सर्जन रेज, स्रायकर भवन, लुधियाना लिधियाना, दिना ६ 18 सर्पेन 1979

निदेण स० सीणच डी०/206/78-79—यन मझ नन्धू राम आयक्द अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे प्रको प्रवात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 26% के अधीन मक्षम प्राधिकारी की यह विश्वास करने का बारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- के अधिक है

श्रीर जिसकी स० 1/2 भाग एस० सी० श्री० साईट न० 57 जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 30-सी चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीर इसमें उपात्रद्ध सन्सुची में श्रीर पूर्ण क्ष्य से बणित है), रिजस्ट्रीकरण स्रिधनारी के कार्यालय चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण स्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन श्रगम्त, 1978 में पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य में कम के दृश्यमान प्रतिफत के लिए अन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का करण है कि यथापूर्वोक्त सपित का उचित बाजार मृत्य, उसके बृश्यमान प्रतिफल सं, एसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्दइ प्रतिशत से प्रधिक है भौर भन्तरक (पन्तरको) और भन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐस अन्तरण के लिए तय पामा गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण निख्त में बास्तिविक रूप में कथित नहीं किया गया है:—~

- (क) अन्तरम से हुई किसी श्रायं की बाबत, उक्त प्रधित्यम क धर्यात गर देने क धन्तरक के दारित्व में कमी करन या उमय बचन में मृतिधा के निए भौर/यः।
- (ख) ऐसी किना प्राय पा किमा घर मा अन्य आस्तिया को जिन्हें भारतीय आयकर प्रधितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रस्ट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः प्रव, उक्त भिक्षितियम को घारा 269-ग के भनुसरण मे, में, उक्त भिक्षितयम की घारा 269-म की उपघारा (1) के अधीन, निम्निलिजा व्यक्तियों, प्रयीतः :--

(प्रतरक)

2 श्री रोणन नात पुत्र श्री हाकम राय वासी महान न० 1266 सैंक्टर 34-सी, चण्टीगढ़। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के श्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हु।

उक्त सरति के अर्जन के सबध में कोई भी आक्षेप :→-

- (ग) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन को तारीख से 45 दिन की अवधि या तत्सवधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध जो भी अवधि बाध में समाप्त होती हो, के मीति प्वीकृत व्यक्तिया में से किसी व्यक्ति दारा,
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख स 45 दिन क भीतर उक्त स्थावर सपित्त में दितवद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेगे।

स्पब्टोकरण '---इसमे प्रयुक्त गन्दा ग्रौर पदो का, जा उक्त ग्रिधितयम, के ग्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं ग्रर्यं हागा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

1/2 माग एस० सी० श्रो० माईट न० 57, सैक्टर 30-मी जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है श्रौर जो चण्डीगढ में स्थित है।

(जायदार जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चण्डीगढ क कार्यातय के विलेख मह्या 168 श्रगस्त, 1978 में दर्ज टे)

> नत्थू राम, मक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेज, लुधियाना,

तारीख: 18 ग्रप्नैन, 1979

प्ररूप आई० टी० एन० एस०---

भायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ष (1) के भवीन मुवन।

भारत सरकार

कार्यालय सहायक ग्रायकर आयुक्त निरीक्षीण ग्रर्जन रोंज, ग्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनाक, 18 ग्रप्रैल, 1979

निदेण मं० मी० एच० डी०/219/78-79:---यतः मुझे नत्थू राम, भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें

भायकर आधानयम, 1961 (1961 का 43) (जिस इसम इसके परचात् 'उक्त भाधिनियम' वहा गया है), की धारा 269-ख के भाधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से भाधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 1/2 भाग एस० सी० श्री० साईट सं० 57, जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है तथा जो सैक्टर 30-सी-चण्डीगढ़ में स्थित है (श्रीण इसमें उपाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण व्य से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 1908 का 16) के अधीन सितम्बर, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूहा से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरक (अन्तरिकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीव ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के दायित्त्र में कमी करने या उससे बचन में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किनो आप या किनी धन मा भन्य पास्नियों को, जिन्हें भारतीय आयकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्नरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, खिपाके में सुविधा के लिए,

भतः प्रव, उन्न अधिनियम की द्वारा 269-ग के प्रनुसरण में, में, उक्त प्रधिनियम की द्वारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :--- 1. श्री ठाकुर सिंह श्ररोरा पुत्र श्री पूरन सिंह श्ररोरा, द्वारा जनरल श्रटारनी श्री मनमोहन सिंह पुत्र श्री हरभजन सिंह वासी मकान नं 3011, सैंक्टर 19-डी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2 श्री रोणन लाल पुत्र श्री हाकम राय, वासी मकान नं० 1266, मैंक्टर 34 मी, चण्डीगढ़।

(श्रन्तरिती)

को यह पूजना जारी करके पूजींका सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उनन सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन की अवधि या तत्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा, प्रधोहस्ताक्षरी के
 पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदी का, जी उस्त प्रधित्यिम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भयं होगा जो उस भ्रध्याय में दिया गया है।

अमुस्ची

1/2 भाग एस० सी० ग्रो० साईट नं. 57 जिसका क्षेत्रफल 114 वर्ग गज है ग्रौर जो सैंक्टर 30 भी चण्डीगढ़ में स्थित है।

(जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 541 सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण); भ्रजेन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 18 प्रप्रैल, 1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण)

- श्रर्जन रेज, श्रायकर भवन, लुधियाना - लुधयाना दिनाक 18 ग्रप्रैल, 1979

निदेण गं० मीं० एच० डी/210/78-79'—-धतः मुझे नत्थ र \cdot म,

भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपये से अधिक है

श्रीर जिराकी सं० एस० सो० श्री० साईट सं० 205, जिसका क्षेत्रफल 134,17 वर्ग गम है तथा जो सैंक्टर 7-सी, वण्डीगढ़ से स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुगुची से श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजिस्ट्रीवर्ता अधिवारी के वार्यालय, वण्डीगढ़ से, रिजिस्ट्रीवरण अधिवियम, 1908 (1908 वा 16) के श्रीन, तारीख अगस्त, 1978

को पूर्वोक्न सम्पत्ति के उचिन बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक ह्या में कथिन नहीं किया गया है:—-

- (क) श्रन्तरग में हुई किसी भ्राय को बाबन उक्त श्रीधिनियम के भ्रधीन कर देने के श्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी आप या किसी घन या घन्य घास्तियों को, जिन्हें भारतीय घायकर घघिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घघिनियम या घन-कर घघिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ घन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः सब, उक्त अधिनियम की घारा 269-न के धनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-च की उपघारा (1) के अधीन निम्नलिक्त व्यक्तियों, प्रधात:---

1. श्री राम दास भासीन पुत्र श्री गोपाल दास भासीन, वासी 2157, सैक्टर 21-सी, चण्डीगढ़ द्वारा जनरल ग्रटारनी श्री लोम हरणरण पुत्र श्री बनारसी दास, वासी 1938, सैक्टर 22-बी० चण्डीगढ़।

(श्रन्तरक)

- 2 (1) श्री सेवा सिंह पुत्र श्री दलेल सिंह वासी लागत नं० 557 सैंक्टर 7 बी चण्डीगढ़।
 - (2) श्री विलोक सिंह मण्डीयार पुत्र सेवा सिंह इारा श्री सेवा सिंह (ग्रंटारनी) वासी मकान नं० 557 सक्टर 8-बी० चण्डीगढ़।

(प्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त मम्पत्ति क अर्जन के लिए कार्यवाही करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में में किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 िकसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टोक्तरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के श्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्यं होगा, जो उस श्रष्टयाय में दिया गया है।

अनुसूची

एस० सी० श्री० साईट सं० 205. सैक्टर 7 सी, चण्डीगढ़, जिसका क्षेत्रफल 134.17 वर्ग गज है जायदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी, चण्डीगढ़ के विलेख संख्या 482, श्रास्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्थ् राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर ग्रापुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख : 18 श्रप्रैंन, 1979 मोहर: प्रारूप आई० टी० एन० एम०---

भायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की धा
269-घ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

भजनेत रेन श्रायकर सवन, ल्बियाना

दिनार 18 स्रप्रल, 1979

निदेण मे० मी० एच० टी/211/78-49 → -प्रत मुझे नत्थ्र राम,

प्रापंकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमे इसके पश्चात 'उक्त ग्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269 ख के ग्रिधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000 रु० से ग्रीधिक है

ग्रीर जिसकी में पलाद में 96, मैक्टर 18-बीं हैं तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसस उपाबड़ अनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से बिणत है), रिजर्मी इत्ती ग्रिधनारी के वार्यालय, चण्डीगढ़, में, रिजर्मी हरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिथीन, तारीख सितम्बर 1978 पूर्वोक्त सम्मति के उचित बाजार मूल्य में कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है ग्रीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि गयापूर्वोक्त समाति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के पद्म प्रतिकत में, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पद्म प्रतिकत के प्रवास प्रतिकत में ग्रिधिक है और मन्तर्ण (ग्रनारको) भीर भ्रन्तरिती (ग्रन्तरितियो) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के निर्वप्याया प्रतिफल निम्तिविद्यत उद्देश्य में उक्त भ्रनरण लिखित में वास्तिक रूप से किया निम्तिविद्यत उद्देश्य में उक्त भ्रनरण लिखित में वास्तिक रूप से किया निम्तिविद्यत नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण में हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या श्रन्य श्राम्पियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर श्रधिनियम, 1922 (1922 का 11), या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ श्रन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं दिया गया था, या किया जाना चारिए था, छिपाने में सविधा के लिए;

अतः अब उक्त अधिनियम की धारा 269म के अनुमरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269म की उपधारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तिमा, अर्थात् :---

1 ल० कर्नल म्रार० एन० मिलक पुत्र स्थ० श्री डी० एन० मिलक, हैडायाटर्ज दी इनफेटरी स्कूल, माश्री 'एम० पी०)

(श्रन्तरः)

 श्री प्रदी कुम। र मल्होत्रा पुत्र श्री एम पी० मल्होत्ता, (ग्रन्मिरनी)

का यह सूबभा जारी करके पूर्वोक्त सम्परित के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति। के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्राधि या तत्सवधी व्यक्तियों पर सूचना की नामीन से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इन सूत्रा के राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उना स्मान्ट सम्मति में हितबढ़ किसी प्रत्य व्यक्ति द्वारा प्राप्तीत्स्ताक्षरी के पास निवित में किए जा सकेने।

रखटोकरण .-- इतने प्रमुक्त ग्रन्थों स्रौर पदों का, उक्त श्राध-निसम, के स्राध्याय 20-के में परिमापिन है वही स्रोत होता जो उन श्रव्याय में दिया गया है।

भनुन्ची

पन ट न० १७, मैक्टर १७-मी, चण्डीगढ़ (ऋार० पी० न० 1509) ।

(जायदादा जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सक्षा 484, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम, मक्षम स्रधिकारी, महायक प्राक्तर स्रायुक्त (निरीक्षण), स्रजैन रेज, लुधियाना।

तारीख . 18 म्राजैल, 1979 मोह्र प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के भ्रधीन सूचना

> भारत सरकार कार्यालय, सहायक मायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेंज, श्वायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 18 श्वप्रैल 1979

निदेश सं० सी एच० डी०/212/78-79 — ग्रतः मुझे नत्थ् राम,

ध्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पण्चात् 'उक्त ध्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- से ग्रिधिक है

न्नौर जिसकी सं० एम० सी० म्रो० नं० 288, सैक्टर 35-डी०, है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इसने उपाबद्ध प्रमुसुंची में ग्रीर पूर्ण रूप से वाणत है), रजिस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ मं, रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मितम्बर,

मूख्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी श्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठिनियम, के श्रिष्ठीन कर देने के श्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; श्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धन-कर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भ्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः मब, उक्त भिधितियम की धारा, 269 ग के अनुसरण में मैं, उक्त भिधितियम की धारा 269-ध की उपधारा (1), भधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्——
9—56GI/79

 श्री अरजीत सिंह महल पुत्र श्री प्यारा सिंह महल बारा जनरल अटारनी श्रीमति नरिन्धर नौर 11, सिक्क्ष नगर (श्रीस्ट), नई दिल्ली।

(प्रन्तरक)

2. कैंग्टन हरिन्दर निह पुन भी बखताबर सिह श्रीमती भजन कौर परनी र्श्व- हरिन्दर सिह नासी 2136, सैक्टर 21 सी. चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरिती)

3. श्री मंगत राम मारफ्त, मैंनर्ज न्यू कुष्णा टैंट स्टोरेज, श्री अश्वनी कुमार, मिलक मैंसर्स ए० मी० कौनफैंक्मनरी, मैंसज, चन्द्र मोहन खजान चन्द्र मारफत, मैंसजं चन्द्र स्टोब व माईकिल वक्से, बासी एम० सी श्रो० 288, सैक्टर, 35 डी चण्डीगढ़। दी कन्द्रोलरज ग्राफ इस्पोर्ट व इक्मपोर्ट, भारस मरकार।

(वह व्यक्ति) जिसके श्रिधभोग में सम्पति है)
4. फस्ट व सैकण्ड फ्लोर, एस० सी० ग्रो० 288, सैक्टर
35-डी०, चण्डीगढ़।

(वह व्यक्ति, जिसके बारे में ग्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्मनि में हितबद्ध है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अजन के संबंध में कोई भी आक्षेप: --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी अविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी **स से 45** विभ के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब किसी अन्य व्यक्ति बारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

हाउन्हीकरण: ---इसमें प्रयुक्त मन्दों और पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित ह, वही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनमुची

एम० मी० श्रो० नं० 288, सैक्टर 35 डी, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख मंख्या 485, सितम्बर, 1978 में वर्ज है)

नत्थ् राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजीन रेंज, लिधियाना

तारीख: 18 श्रप्रैल, 1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०----

आयकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-च (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, म्रायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक 18 म्रप्रैंल, 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/214/78-79'—-श्रत' मुझे नस्यु राम,

भायकर भिष्तियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात उक्त भिष्ठितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के भिष्ठीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- द० से मिषक है

स्रोर जिसकी सं० मकान नं० 8, सैक्टर 16-ए०, चण्डीगढ़ है तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित है 'ग्रौर इससे उपाबढ़ ग्रनु-सूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वणित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण' श्रिधिनयम 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख मितम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पति के जिलत बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान बितिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पति का जिलत बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिकात से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरित (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित जहेश्य से जक्त अन्तरण लिखित में बाक्तकिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रविनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरक के बायित्व में कभी करने या उससे बचने म सुविधा के किए; भौर/या
- (स) ऐसी किसी धाय या किसी बन या अन्य धास्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर घिंघनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त धिंपनियम, या धन कर घिंघनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्यं धन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

चतः ग्रव, उन्त ग्रिविनयम की घारा 269-ग के अनुसरक में, में उन्त ग्रीविनयम की घारा 269-थ की उपधारा (1) के अधील विम्नतिचित व्यक्तियों, ग्रमीत:—

- 1. श्री के० श्रार० बडेरापुत श्री हरबन्स लाल बडेरा, श्रीमती सबिता बडेरा पुत्री श्री के० श्रार० बडेरा श्री राजीव मडेरा रेनू बडेरा व यतीश बडेरा वासी 1016, सैक्टर 11-सी, चण्डीगढ़ 1 (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमती बिमला जैरथ पत्नी एम० एल० जैरथ श्री रमेण जैरथ व श्री विनेश जैरथ पुत्न श्री एम० एल० जैरथ वासी 700, सैक्टर 8-बी० चण्डीगढ़। (ग्रन्तरिती)
- 3. श्री सिंगला, श्रिसिसटैंट डरैक्टर स्राफ इंडस्ट्रीज, हरियाणा, श्री गौड़ वाले, प्रोफैसर कोमर्स डिपार्टमेंट पंजाब, यूनिवरस्टी व डा० एस स्रार० प्रवस्थि, वासी मकान नं० 8, सैक्टर 16-ए० चण्डीगढ़। (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उक्त सम्पति के मर्जन के संबंध में कोई भी माक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की धविधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की धविधि, जो भी
 धविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति हारा;
- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण :- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त प्रधिनियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित हैं वहीं भर्य होगा, जो उस श्रव्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मकान नं० 8, सैक्टर 16 ए०, चण्डीगढ़।

जायेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 495, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू रामा सक्षम प्रधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रुजैन रेंज, लुधियाना

तारी**ख: 18 भ्र**प्रैल, 1979

प्रकप आई० टी० एन० एस•----

मायकर प्रिष्ठितियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के अभीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षक) भर्जन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक, 18 भन्नेल 1979

निदेश सं० सी० एच० डी० 225/78-79:—-धतः मुझे नत्थू राम,

भायकर अधिनियम, 1981 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के अभीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विक्यास करने का कारण है कि स्थावर मम्पति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/-इपये में अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०, तथा जो चण्डीगढ़ में स्थित हैं (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वणित हैं), रजिस्ट्री कर्ता श्रिष्ठिकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़, मे, रजिस्ट्रीकरण, श्रिष्ठितियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिष्ठीन, तारीख श्रक्तूबर, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल के एन्द्रह प्रतिशत से धिक है भीर धम्तरक (अन्तरकों) भीर धम्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पामा बया

प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त भ्रन्तरण लिखित में

बास्त्वविक व्या में कथित नहीं किया गया है:---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, सकत भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रस्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए। भौराया
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी धन या अभ्य जास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या घनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अभ्यरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था छिपाने में सुविद्या के लिए;

ग्रतः यद, उक्त प्रधिनियम, की घारा 269-ग के प्रमुसरक में, में, उक्त प्रधिनियम, की बारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नतिकित स्पक्तियों अर्थात्ः --

- 1. श्री बलदेव सिंह ढिल्लों पुत्र श्री बहादुर सिंह ढिल्लों वासी मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़ (ग्रब बासी गांव भोगआं डा० छलाल, जिला ममृतसर) (ग्रन्तरक)
- 2. श्री गुरिदयाल सैनी पुत्र श्री बालक चन्द सैनी वासी मकान नं० 252, सैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़। (श्रन्तरिसी)

को यह सुकना जारी करके पूर्वीकत सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूँ।

उक्त संपत्ति के प्रजंत के संबंध में कोई भी पासेप :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना कं राजपन्न में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में शिवबद किसी अन्य भ्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्छी करण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का जो उक्त ग्रधिनियम के मध्याय 20-क में परिमाषित हैं, बही घर्ष होगा जो उस अध्याय में दिमा नया है।

अनुसूची

मकान नं० 252, मैक्टर 20-ए०, चण्डीगढ़। (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 574, श्रक्तूबर, 1978 में दर्ज है)

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, सुधियाना

तारीख: 18 भ्रप्नैल 1979

मोहर

प्रक भाई •टी •एन • एस • -------

धायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की

घारा 269व (1) के **मधी**न सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना। लुधियाना, दिनांक 18 ग्रप्रैल, 1979

निदेश सं० सी० एच० डी०/228/78-79:---अतः मुझे नस्थूराम,

भायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण कि स्थावर मम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- चपए से मिनिक है

श्रौर जिसकी सं ० एम० सी० श्रो० माईट नं ० 2439-2440, सैक्टर 22-सी, (मी० पी० एल० नं ० 2792) है तथा जो चण्डीगढ़, में स्थित है (श्रौर इससे उपाबढ़ श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, चण्डीगढ़ में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख श्रक्तूचर, 1978 का पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान श्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान श्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान श्रतिफल का पश्चक्त श्रितवात से श्रिधक है भीर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) भीर श्रम्तरिती (श्रन्तरितियों) के बोच ऐसे श्रन्तरक के लिए तय पाया गया श्रतिफल निम्नलिखत उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में बाक्तविक क्य से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त भवि-नियम के अधीन कर देने के भ्रम्यरक के दायित्व में कमी करने या उससे बजने में सुविधा के लिए, भौर/या
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या ग्रम्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय ग्राय-कर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या ग्रन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ शन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

श्रतः श्रव, उक्त अधिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-म मी उपचारा (1) अभीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:—

- श्रीमती परमजीत कौर पत्नी श्री ए० एस० पञ्च द्वारा जनरल घटारनी श्री धौतार सिंद्ध तेखों, एस० ई० भाखड़ा मेम लाईन मरफल, पढियाला। (ग्रम्तरक)
- 2. श्री भ्रम्बा प्रसाद शर्मा पृत्न स्वः श्री नौराना राम वासी मकान सं० 334, सैक्टर 9, चण्डीगढ़। (भ्रन्सरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्मत्ति के प्रर्जन के जिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा मधोहक्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्नीकरण !---इसमें प्रमुक्त शब्दों भौर पदों का, जो उक्त सिक्ष-नियम, के सन्याय 20क में परिभाषित हैं, वही सर्व होगा जो उस सन्याय में दिया गया है।

प्रमुस्ची

एस० सी० श्रो० नं० 2439-2440, सैक्टर 22-सी, चण्डीगढ़ (सी० पी० एल० नं० 2792) जिसका क्षेत्रफल 287.5 वर्ग गज है।

(जायदाद जैसा कि राजिस्ट्रीकर्ता ग्राधिकारी, चण्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख संख्या 586 ग्रवतूबर, 1978 में दर्ज है)

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारी**ख**: 18 मप्रैल, 1979

प्रकप आई० टी० एन० एस०---

ग्रायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269व (1) के ग्रश्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना विनांभ 18 मप्रैल, 1979

निदेश सं० एस० एस० एल०/66/78-79:—ग्रतः मुझे नत्थू राम,

भावकर भिषितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिषितियम 'कहा गया है), की बारा 269-खा के भिषीत सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्वावर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृख्य 25,000/- द० से भिषिक है

ष्रौर जिमकी सं० जायदाद नं० 251/बी/2/सीव 251/1/बी० है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है (धौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणित है) रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्री-करण श्रिभिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के पृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके द्यश्मान प्रतिकल से, ऐसे दयश्मान प्रतिकल का पश्चह प्रतिकत अधिक है और अन्तरिक (अन्तरिक) और अन्तरिती (अन्तरि-तियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिकक इत्य से क्षिय नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी धायकी बाबत, उक्त प्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रकारक के दायित्व में कमी करने था उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी धाय या किसी धन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर मिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ मन्तरिती द्वारा में कट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के निए;

धतः प्रव, उक्त धिवितयम की घारा 269-ग के प्रनुसरण वें, में, उक्त धिवित्यम, की धारा 269-थ की उपचारा (1) के अधीन निम्मलिखित व्यक्तियों, प्रपति :--- श्रीमती सीता सूरी वासी मकान नं० 501, सैक्टर
 सी, चण्डीगढ़।

(ग्रन्तरक)

2. श्रीमती विश्वा स्टोकस पत्नी श्री एल० सी० स्टोकस, वासी परेवाल, थानेधार, जिला शिमला, (ग्रब एकान्त बन, ढल्लों शिमला-12)

(भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त संपत्ति के ग्रर्जैन के संबंध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भवधि मा तरसम्बन्धी व्यक्तिमों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति ग्रारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवब किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अबोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वव्हीकरण:--इसम प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त ग्राधितियम के अध्याय 20-क, में परिभाषित हैं, वहीं ग्रायं होगा, जो उस ग्राव्याय में विया गया है।

प्रनुसूची

जायदाद नं० 251/बी०/2/सी व 251/1/बी० स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्त्ता ग्रिधकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 525, भगस्त, 1978 में दर्ज है)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ब्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजैन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 भ्रप्रैल, 1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्रण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 भ्रप्रैल, 1979

निदेश सं० एस० एम० एल०/67/78-79:—-ग्रतः मुझे, नत्थु राम,

श्रायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-रुपए से मधिक है

न्नौर जिसकी सं० जायदाद नं० 251/बी०/2/ए व 251 /बी/2/बी: है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध भ्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से बणित है), रजिस्ट्रीकर्त्ता भ्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण भ्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, क्षारीख भ्रगस्स, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल के पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण सिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की वावत उक्त प्रधिनियम के श्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी श्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर श्रिधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधनियम, या धन-कर भिधनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त मिधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मीधिनियम की घारा 269-व की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित अवितयों प्रयात :--- श्रीमती सीता सूरी, वाली मकान नं 501, सैक्टर
 10-सी, चण्डीगढ़।

(भ्रन्तरक)

2. श्रीमती सुधा और पत्नी दीप राज पौर वासी परेवाल, थानेधार, जिला शिमला।

(ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उना मध्यति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भाक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी के 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी अविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उचत स्थायर सम्पत्ति में हिसब के किसी श्रन्य स्थावत हारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास निर्धित में किए जा सकेंगे।

स्यव्दीकरम:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रधिनियम के अध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उन श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 463 वर्ग गज 8 वर्ग फुट है (नं० $251/बी \circ / 2/ए \circ$ व $251/बी / 2/बी \circ) ग्रीर जो$ स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, शिमला के कार्यालय, विलेख संख्या 524, श्रगस्त, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), भर्जन रेंज, लुधियाना।

तारीख: 18 ग्रप्रैल, 1979

प्ररूप आई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

आयकर प्राधिनियन, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व(1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक धायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

निर्देश सं० एस एम एल/68/78-79-यतः मुझे नत्यू, राम,

भायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पहचान 'उकर श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी की यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- द० में श्रिधिक है भीर जिसकी सं० जायदाद नं० 251/बी/2/डी व 251/3 है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा गिमला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद भनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्री कर्ता भिष्ठकारी के कार्यालय, शिमला में, रजिस्ट्रीकरण भिष्ठिमम, 1908 (1908 का 16) के भिष्ठीन, तारीख श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (अन्तरकों) भौर प्रन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे प्रम्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी आय को बाबत, उक्त श्रीध-नियम के अश्रीन कर रैने के अश्तरक के अयिस्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी किनी पार या किसी धनया अन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना बाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं उक्त मित्रिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के मधीन, निम्नलिश्वित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्रीमती सीता सूरी, वासी मक्षान नं० 501, सैक्टर 10सी, चण्डीगढ़ (धन्तरक)
- 2. श्री संजीव स्टोकम पुत्र श्री एल० सी० स्टोकस, वासी परेबाल, थानेधार, जिला शिमला। (ग्रन्तरिती)

को यह यूनना जारी करके पूर्वीस्त सम्मति के स्रर्जन के लिए कार्यशाहिता करता है।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अवधि, या तत्मम्बन्धी व्यक्तियों पर स्वना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पृथींक्त ज्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस म्चना के राजपत्त में प्रकाशन की नारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबड़
 किसी अन्य व्यक्ति ज्ञाश ग्रधांहरूनाक्षरी के पास
 जिक्ति में किए जा सकेंगे।

स्पवहीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम, के मध्याय 20-क में परिभाषित है, वही अर्थ होगा, जो उस मध्याय में दिया गया है।

अमु सूची

जायवाद नं० $251/\overline{a}1/2/\overline{s}1$ व 251/3 जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है ।

(आयदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 523, ग्रगस्त 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायकं श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, सुधियाना

दिनांक: 18 भ्रप्रैल, 1979

269~घ (1) के घन्नीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज लुधियाना

ल्धियाना, दिनांक 18 भ्रमेल 1979

निदेश सं० एसएमएल/69/78-79-प्रतः मुझे नस्यू रामः

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की भारा 269 च के मधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- र॰ से धिक है

ग्रौर जिमकी सं० जायदाद नं० 251/बी/2/ई व 251/8 है तथा जो स्टेगन वार्ड, छोटा णिमला, में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, णिमला में, रिजस्ट्रीकर्रा ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है भौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उजित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से घधिक है भौर घन्तरक (घन्तरकों) भौर घन्तरिती (बन्तरितों) के बीच ऐसे घन्तरण के लिए तय पाया चया प्रतिफल, निम्नलिकित उद्देश्य से अक्त घन्तरण सिक्तित में वास्तविक रूप से किता नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत 'उक्त प्रक्रिनियम' के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायिल्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (च) ऐसी किसी बाय या किसी धन या ग्रन्थ ग्रास्तियों को जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर ग्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए चा, शियाने में ग्रिशा के लिए;

प्रतः भव, अक्त प्रधिनियम, की धारा 269-व के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की घारा 269-व की उप-धारा (1) के प्रजीन निकालिकित व्यक्तियों, जबींत् ।∞-

- 1. श्रीमित सीता सूरी वासी मकाम नं० 501, सैक्टर 10-सी चण्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. डा॰ सुधीर स्टोकस पुत्र श्री एल॰ सी॰ स्टोकस, वासी परेबाल थानेधार, जिला मिशला (भ्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियाँ करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के अर्जुन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :---

- (क) इस सूचना क राजपत्त में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी झबधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारी का से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिसबद्ध किसी अन्य व्यक्ति आरा, अक्षोहस्ताक्षरी के पास लिखित म किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अक्षिनियम के सब्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं भर्ष होगा, जो उस सध्याय में दिया गया है।

मनुसूची

जायवाद नं० $251/बी/2/\xi$ व 251/8 स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला ।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, णिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 522, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 म्रप्रैल, 1979

प्ररूप भाई । टी । एन । एस । ---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्वय सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, विनांक 18 श्रप्रैल 1979

धायकर घिषिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त मधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० 48, दी माल व मध्य बाजार, है तथा जो शिमला में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनु-सूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विशित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिध-कारी के कार्यालय, शिमला में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन दिनांक ग्रक्टूबर,

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए स्य पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त अधिनियम के अधीन कर देने के अन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मधिनियम या धन-कर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए था, छिपाने में स्विधा के लिए;

धतः धवः, उक्त प्रधिनियम की घारा 269-ग के प्रमुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम, की धारा 269 व की उपधारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रधीतः—

- 1. श्री दरबारी लाल गुप्ता, 715, सैक्टर 11-की, चंदीगढ । (ब्रन्तरक)
- 2. श्री दिनेश कुमार गुप्ता, बासी 48, बी माल, शिमला । (भ्रन्तरिती)
- 3. श्री प्रेम चन्द सूद, मालिक प्रेम चाट शाप, लिमला, श्री फकीर चन्द, मालिक लौहौरियां दी हुट्टी, शिमला, साउथ इंडिया काफी हाउस, 48-दी माल, शिमला, हिमानी रैस्टोरेंट, 48-दी माल, शिमला । (वह व्यक्ति, जिसके

प्रविभाग में सम्पत्ति है) ।

4. यूनाईटिंड कर्मांगयल बैंक, शिमला। (वह व्यक्ति, जिसके बारे में प्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह सम्पत्ति में द्वितवद्ध है।

को यह सूचता जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजेन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 विन की भविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती ही, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में ब्रितबब किसी प्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्डीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधिनियम के भव्याय 20—क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रव्याय में विया गया है।

अनुसूची

48, दी माल, मध्य बाजार, शिमला । (जायदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, शिमला के कार्या-

लय के विलेख संख्या 631, श्रम्टूबर 1978 में दर्ज है)। नत्यु राम,

सक्षम प्राधिकारी

सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 18 ग्रप्रैंस, 1979

प्रकप आई० टी० एन० एस०-

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सद्दायक मायकर मायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 श्रप्रैल, 1979

निदेश ग० एस एम एल 2/76/78-79---- प्रतः, मुझे नस्थू राम,

मायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात 'उक्त मिनियम' कहा गया है), की झारा 269-ख के घंधीन संभन अधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थायर सम्पत्ति, जिसका उजित बाजार मृत्य 25,000/- इपयें से मिनिक है

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग गज 2 वर्ग फुट है तथा जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है (ग्रौर इसमें उपाबद्ध प्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, शिमला में रिज-स्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1978 को

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह बिश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तरिक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (६) अन्तरण में हुई िक्सी आय की बाबत उक्त ग्रीधिनियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ध) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त अधिनियम की धारा 269-घ को उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात् :---

- 1. त्रिगेडियर मुखवन्त सिंह पुत्र एम० बी० एस० ज्ञान सिंह व वारिम (गारिडयन) श्री गुरमीत सिंह पुत्र एम० वी० एस० ज्ञान सिंह वासी ममरलीड, णिमला-7, श्री दयावन्त सिंह पुत्र श्री ज्ञान सिंह वासी दुर्ग विलास, मिशला-6 द्वारा श्री दिपन्दर सिंह, जनरल ग्रटारनी (ग्रन्तरक)
- 2 डा० बालक राम बर्मा पुत्र श्री जिन्दू राम वासी ग्राम कांगू तहसील सुन्दरनगर, जिला मण्डी (हि० प्र०) । (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनन सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप-

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अविधि, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं वहीं भर्ष होगा जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 606 वर्ग गज 2 वर्ग फुट है श्रीर जो स्टेशन वार्ड, छोटा शिमला में स्थित है।

(जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, शिमला के कार्यालय के विलेख संख्या 638, ग्रगस्त, 1978 में वर्जे है)।

नत्थू राम, मक्षम प्राधिकारी महायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेज, लुधियाना

विनोक्ष**ः 18 भ्र**प्रैल, 1979

प्रकृप भाई० टी • एन • एस • -----

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 प(1) के प्रधीन मूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 अप्रैल 1979

निदेश सं० पीटीए/116-म/78-79--म्रातः, मुझे नत्थू राम,

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्यास करने का कारण है कि स्यायर सम्पत्ति, जिसका उचित शाजार मूल्य 25,000/-र• में प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 विघा 7 विगवा है तथा जो गांव ग्रलीपुर ग्ररीयां, तहसील व जिला पटि-याला में स्थित है (ग्रीर इसमें उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में, रजिस्ट्रीकरण ग्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि मधापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृह्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पण्डह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (अग्तरको) भीर अन्तरिती (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भग्तरण लिखित में वास्तविश हा मे कियत नहीं निया गया है:--

- (क) अन्तरण से हुई कियी भाय की बाबत, उक्त भिन्नियम के प्रधीन कर देने के भन्तरक के वायित्व में कभी करने या उससे वजने में सुविधा के लिए, और/वा
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धर या भन्य भ्राम्तियों, को जिन्हें भारतीय श्राय-हर श्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के श्रेयोजनार्थ भन्तारती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना जोहिए वा, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः भवः, उनम प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उनन प्रधिनियम की धारा 269-व की उपधारा (1)के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात:---

- मर्वश्री दलीप सिंह, भजन सिंह, पुत्र श्री सुन्दर सिंह, व श्रीमती करतार कौर विधवा श्री सुन्दर सिंह, गांव अलीपुर श्ररीयां, तहसील व जिला पिटयाला। (श्रन्तरक)
- 2. श्रीमती चंमली देवी पित्न श्री हरी दास व श्रीमती प्रेम लता पत्नी राम चन्द मारफत मैंसर्स पंजाब राईस मिलज, गांव श्रलीपुर श्ररीयां, तहसील व जिला पटियाला। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारो करके पूर्वोक्त सम्मत्ति के <mark>मर्जन के लिए</mark> कार्यवाहिया करता हूं।

उस्त सम्पत्ति के धर्जन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन का अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जी भी अवधि नद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (अ) इस सूचना क राजनन में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उत्तर स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य •यित द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सर्केंगे।

स्पदशकरण :—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त अधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाक्ति हैं, बही यथं होगा जो उस ग्रध्याय में दिका गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 14 विधा 7 विशवा है श्रीर जो गाव ग्रलीपुर ग्ररीग्रा, तहसील व जिला पटियाला में स्थित है ।

े (जायदाद जैमा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख सं० 2980, घ्रगस्त, 1978 में दर्ज है।)

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक: 18 ग्रप्रैल 1979

प्राक्ष भाई • टी • एन • एस •----

आमकर भिवित्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269ध(1) के भिधीत सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक झायकर झायुक्त (निरीक्षण)

मर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 अप्रैल 1979

से प्रधिक है

और जिसकी मं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 901.1/2 वर्ग गज है तथा जो नजदीक मोदी कालेज सामने सुनामी गट, पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, पटियाला में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908

का 16) के ग्रधीन, दिनांक सितम्बर, 1978 को पूर्वोक्स सम्पत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के दृश्यमान प्रतिकल के लिए अन्तरिष्ठ की गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स संपत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्छ प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उनत अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप में कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) सन्तरण से हुई किसी भाग की शायत जनत मधि-नियम के अधीन कर देने के भन्तरक के दायिस्य में कमी इन्ने या उसमें बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (बा) ऐसी निसी भाष या किसी धन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय भाषकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती अस प्रकट नहीं किया गया था मा किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः प्रव, उक्त प्रधिनियम की बारा 269-ग के अनु-स्नरण में, में, उक्त प्रधिनियम की धारा 269 की उपधारा के भवीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अर्थात्:---

- 1. श्री सजन सिंह पुत्र श्री मिहताब सिंह, वासी पदियाला (श्रन्तरक)
- 2. श्री रिपुदमन सिंह पुत्र श्री गोपाल मिह सेठी वासी नजदीक मोदी कालेज, पटियाला (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना चारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता है।

उक्त संपत्तिके अर्जन हे संबंध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीच से
 45 दिन की शवधि या तक्संबंधी व्यक्तियो पर सूचना
 की तामील से 30 दिन की शवधि जो भी व्यक्षि बाद
 में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियो में
 से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (का) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हित-बद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंगे।

स्पन्धीकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उस्त प्रक्षितियम के अध्याय 20-क में परि-भाषित हैं वहीं भर्ष होगा, जो उस प्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 901.1/2 वर्ग गज है और जो सामने सुनामी गेंट नजबीक मोदी कालेज, पटियाला में स्थित है ।

(जायेदाद जैसा रिजस्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3089, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जन रेंज, लुधियाना

विनांक: 18 ग्रप्रैल, 1979

प्ररूप पाई • टी • एन • एस •-----

भायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर भायुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 ग्रप्रैल 1979

निदेश सं० पीटीए/125/78-79--ग्रतः, मुझे नत्थू राम,

मायकर प्रधितियम, 1961 (1961 को 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधितियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मून्य 25,000/- व्पए से प्रधिक है

श्रौर जिसकी सं० कोठी नं० 5005/5, भूपिन्दरा नगर रोड, है तथा जो बरार स्ट्रीट पिटयाला में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप से विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, पिटयाला में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक सिसम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दूश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिकल से ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पन्त्रह् प्रतिशत से प्रविक है और भन्तरक (अन्तरकों) और भन्तरिती (अन्तरित्यों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तथ पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त प्रश्वरण लिखित में वास्त्रविक्ष अप से कचित नहीं किया गया

- (क) प्रत्तरण से हुई किसी भाय को बाबत, उक्त खिलियम, के सप्तीत कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य घास्तियों को जिन्हें भारतीय धाय-कर घिधिनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त घिषिनयम, या धन-कर घिधिनयम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

प्रतः ग्रव, उन्त ग्रंधिनियम की धारा 269-म के बबुसरण में, में, उन्त प्रविनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के ग्रंगीन; निम्नलिखित व्यक्तियों, प्रवाद :---

- श्रीमती मोहिन्दर कौर विधवा श्री पूरन सिंह वासी कोठी नं० 77 सैंक्टर 8-ए, चन्डीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती रणजीत कौर पित श्री करम सिंह ढिल्लों, वामी जेठूके जिला भटिडा। श्री घृमन्ड सिंह चेहल पृत हरनाम सिंह चेहल वामी मिठेवाल, जिला सगरूर । (ग्रन्तरिती)
- 3. 1. श्री बी० के० श्रीवास्तवा, (2) श्री वी० के० मायर, (3) श्री जी० बी० शर्मा, (4) श्री सुशील कुमार पापी, वासी कोठी नं० 5995/6 बरार स्ट्रीट भूपिन्दरा नगर, पटियाला (5) स्टेट बैक श्राफ पटियाला,

(बह् व्यक्ति, जिसके श्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

का यह सुचना जारी करके पूर्वोक्त सम्बक्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त सन्तरित के अर्थन के संबंध में कोई भी ग्राक्षेप---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्छ व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति दारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्त में प्रकाशन की तारी ख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रष्टोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्दीकरण :---इसमें प्रयुक्त मध्यों भीर पयों का, जो उक्त मिलियम के अध्याय 20क में परिभाषित है, वहीं भयं होगा जो उस भव्याय में दिया गया है।

भगुसूची

कोठी नं० 5005/5, बरार स्ट्रीट भृषिन्दरा नगर रोड, पटियाला ।

(जायेदाद जैसा कि रिजम्ट्रीकर्ता म्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 3256, सितम्बर, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्थू राम, सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, लुधियाना

विनांक: 18 ग्र**प्रं**ल, 1979

प्ररूप ब्राई० टी० एन० एस०-

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के भिधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्राजीन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 स्रप्रैल 1979 निदेश सं० पीवाईएल/49/78-79—स्रतः, मुझे, नत्थू राम,

शायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसके परनात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- ६० से अधिक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विघा है तथा जो गांव घनगस सब तहसील पायल जिला लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, पायल में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अग्रीन, दिनांक श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृथ्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिष्ठक है भीर अन्तरक (अन्तरकों) भीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण, लिखित में वास्त्रविक कप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी घाय की वायत, उक्त आयकर प्रधिनियम 1961 (1961 का 43) के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे सचने में सुविधा के लिए; प्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी माय या किसी घन या प्रान्य प्रास्तियों को जिन्हें भारतीय माय-कर मिंधनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या घन-कर भिंधनियम, या घन-कर भंधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्तं भिधिनियम की धारा 269-ग के भनुसरण में, में, उक्तं प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भधीन निम्नसिखित व्यक्तियों, प्रथात्:—

- 1. श्री जसवन्त सिंह पुत्र श्री सरदारा सिंह, गांव घन-गम सब तहसील पायल जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. मर्व श्री तलोचन मिह, नरिवन्दर मिह पुत्र श्री हर-भजन मिह पुत्र जसवन्त सिह, गांव धनगम तहसील पायल जिला लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के भर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से
 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी
 श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा अधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे

सपब्दोकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भ्रधि-नियम, के भ्रष्टमाय 20क में परिभाषित है, वहीं भ्रषं होगा, जो उस भ्रष्टमाय में दिया गया है।

अनुसुची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 5 विधा है ग्रीर जो गांव धन-गन सब तहमील पायल, जिला लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी पामल के कार्यालय के विलेख संख्या 1033, श्रगस्त, 1978 में वर्ज है) ।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजन रेंज, लुधियाना

दिनाक: 18 श्रप्रैल, 1979

प्रकप भाई • टी • एन • एस • ----

भायकर विवित्यन, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-ण (1) के घंधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक घायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

ग्रजंन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 प्रप्रैल 1979

निदेश सं० एलडीएच/72/78-79---श्रतः, मुझे, नत्थू राम,

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-छ के प्रधीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृह्य 25,000/- ६० से प्रधिक है

श्रीर जिसकी मं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है तथा जो गिल रोड लुधियाना में स्थत है (श्रीर इससे उपाबद श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्री-कर्ता श्रधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन तारीख भगस्त, 1978

को पूर्वोकत सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए धन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वात करमें का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित वाजार मृत्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रइ प्रतिशत सिक्षक है सौर प्रन्तरक (धन्तरकों) सौर धन्तरिती (धन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण निखित्न में वास्तविक रूप से किसत नहीं किया गया है। --

- (क) अन्तरण से हुई किसी आय की बाबत, उक्त प्रधिनियम के भ्रधील कर देने के अन्तरक के दायित्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; शीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य श्रास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर श्रीवित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर श्रीवित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना बाहिए या, खिपाने में सुविधा के लिए;

भत: भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, मैं, उक्त श्राधनियम की घारा 269-न की उपधारा (1) के भन्नीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भन्नीत:—~

- श्री नरंजन सिंह, हरचन्द सिंह, हरबन्स सिंह, दलीप सिंह, इंदर सिंह, जगदीण सिंह, कपूर सिंह व कुलदीप सिंह मारफत मैंसर्ज कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्क्स, गिल रोड, लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2. परमजीत सिंह पुत्र कृपाल सिंह हुकम सिंह, वासी मकान नं० 718,मुहल्ला चेत सिंह नगर, लुधियाना । (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोंकत सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंन के संबंध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशत की तारीख से 45 दिन की भविध या तरसंबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भविध, जो मी भविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (अ) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख है 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवन किसी प्राप्य व्यक्ति द्वारा, प्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्वक्टोकरण: ---इसर्मे प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के शब्दाय 20-क में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्यायमें दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है ग्रौर जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख मंख्या 2095, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है) ।

> नत्थ राम, मक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीख: 18 अप्रैल 1979

प्ररूप भाई। टी। एन। एम।---

न्नायकर न्निधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-ध (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यानय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 ग्रप्नैल 1979 निदेश सं० एलडीएघ० 72/78-79—ग्रतः, मुझे, नत्यू राम,

मायकर श्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'जन्त श्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के ग्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वाम करने का कारण है क स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से श्रिधिक है

ग्रीर जिसकी सं० ध्लाट जिमका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विधित है), रिजस्ट्री-कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक ग्रगस्त, 1978, की

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उ चित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिये प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से धर्मिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और प्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे प्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रह्मि-नियम, के ग्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या किसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय आयकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाएं अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिये था, छिपाने में सुविधा के लिए;

ग्रतः ग्रन, उन्त प्रधितियम की धारा 269-ग के प्रमुसरण में, में उक्त प्रधितियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के भन्नीन निम्तनिवित व्यक्तियों, प्रथीत्:—

- 1. श्री नरंजन सिंह, हरचन्द्र सिंह, हरबन्स सिंह, दलीप सिंह, इंदर सिंह, जगवीश सिंह, कपूर सिंह व कुलदीप सिंह मारफत मैंसर्स कलकत्ता इंडस्ट्रीज वक्स गिल रोड, लुधि-याना। (ग्रन्नरक)
- 2. श्रीमिति गुरदेव कौर पित श्री कृपाल सिह पुत्र हुकम सिह, मकान नं० 718, मुहल्ला चेत सिह, नगर, लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रजँन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के ग्रजन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के 'राजात में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीका व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन के भीतर उक्त स्थायर सम्पत्ति में हितबद किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण: → इसमें प्रयुक्त सन्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रविनियम, के भ्रष्टवाय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रयं होगा, जो उन श्रष्टवाय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्गगज है स्रौर जो गिल रोड लुधियाना, में स्थित है।

(जायेदाव जैसा रजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2035, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम मक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, सुधियाना

दिनांक : 18 अप्रैन, 1979 मोहर : प्ररूप प्राई० टी० एन० एस०---

आयकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रजीन रेंज, भायकर भवन, लुधियाना लुधियाना दिनांक, 18 श्रप्रैल 1979

निदेश मं० एलडीएच/87/78---79---ग्रतः मुझे सत्यू राम भायकर ध्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पत्रचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-व के मधीन सभाम प्राधिकारी को, यह विश्वास **करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका** उचित बाजार मृ्लय 25,000/- 🕶 में प्रक्षिक ै भ्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है तथा जो गिलरोड लुधियाना में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद ग्रनुसूची में ग्र**ौर पूर्ण रू**प से वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधि-कारी के कार्यालय, लुधियाना में, रजिस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 18) ग्रधीन, दिनाक सितम्बर, 78 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है मीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्थीक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मुख्य, असके बृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल का पल्बह प्रतिशत से मधिक है और प्रस्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के शिए तय पाया नया प्रतिकश्च, निम्मलिखित छहुँग्य से उक्त धन्तरण निष्टित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गवा है:~-

- (क) धन्तरण से हुई किसी बाय की बाबत उक्त प्रशितियम, के प्रधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ब) ऐसी कियी भाग या किसी धन या भन्य भारितयों की, जिन्हें भारतीय भाय-कर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उपत अजिनयम, या धन-कर भिश्चिमम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के सिए;

अतः, मन उनत मिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण न, ने, उनत अधिनियम की धारा 269-न की कप्तारा(1) के अधीन निस्नलिखित व्यक्तिमों, जर्षात् !— 11—56GI/79

- 1. श्री नरंजन सिंह, हरबन्द सिंह, हरबन्स सिंह, दलीप सिंह, इंदर सिंह, जगदीम सिंह, कपूर सिंह, व कुल दीप सिंह मारफत मैंसर्ज कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्स्स, लुधियाना (गिल रोड)। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री कृपाल सिंह पुत्र हुकम सिंह वासी, 718, मुहल्ला चेत सिंह नगर लुधियाना। (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अप्रधि जो भी धवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वी का व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में
 हिसबद किसी मन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताभरी
 के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पच्छीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उक्त धिनियम के प्रध्याय 20-क में पारभाधित हैं, वहीं घर्ष होगा जो उस ग्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 100 वर्ग गज है घौर जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है। (जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता मधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2185, सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेंज, लुधियाना ।

दिनांक: 18 म्रप्रैल, 1979

प्ररूप प्राई० टी• एन• एस•──

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

नार्यालय, सहायत्र प्रायकर बायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना लुधियाना, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979 निदेश सं० एलडीएच/91/78—79—ग्रतः मुक्षे नत्थू

राम भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम', कहा गया है), को धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इपये में प्रधिक है,

ग्रौर जिसकी सं० प्लाट जिसका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है तथा जो गिल रोड, लुधियाना में स्थित है (ग्रौर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रौर पूर्ण रूप वर्णित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनम्म, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख सितम्बर 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के घृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित को गई है और मूझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मृल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और प्रन्तरक (भन्तरकों) ग्रीर अन्तरिती (ग्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल कि कि कि लिखत में वास्तिविक कप से किया नहीं कि बा गया है:——

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय की बावत उक्त अधि-नियम के मधीन कर देने के मन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/मा
- (क) ऐसी किसी घाय या किसी धन या प्रान्य बास्तियों तो, जिन्हें भारतीय भायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, या धन-कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्व भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए ।

ग्रत: ग्रम उन्त प्रधिनियम भी घारा 269-ग के प्रमुखरण में, में, उन्त प्रधिनियम की घारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन निक्नजिवित व्यक्तियों, अर्थात्:— श्री नरंजन सिंह, हरचन्द सिंह, हरचन्म सिंह, दलीप सिंह, इंदर सिंह, जगदीश सिंह, कपूर सिंह व कुलदीप सिंह मारफत मैंमर्ज कलकत्ता इंडस्ट्रीज वर्क्स, गिन रोड, लुधि-याना । (श्रन्तरक)

2. श्री मुखबिन्दर मिह पुत्र श्री छपाल मिह वासी मकान नं० 718, मुहल्ला चेत मिह, नगर, लुधियाना। (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्मिति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारी आ से 45 दिन की घयि या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घविष, जो भी घविष बाद में ममाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति इसरा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, भद्योहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरन:--इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर परों का, जो उक्त प्रधिनियम के प्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही प्रव होगा जो उस श्रष्ट्याय में दिया गया है।

अभुसूची

प्लाट जिसका क्षेत्रफल 155.1/2 वर्ग गज है ग्रौर जो गिल रोड लुधियाना में स्थित है।

जायदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2212 मितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी महायक स्रायकर ध्रायुक्त (निरीक्षण) स्रजैन रेंज, लुधियाना

विनांक: 18 अप्रैल 1979

प्रकप भाई० टी० एन० एस०---

श्रायकर प्रक्षिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-आ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज लुधियाना

नुधियाना दिनांक 18 ग्रप्रैल 1997

निदेश सं० एलडीएच/76/78---79---ग्रतः मुझे नत्थु

राम भायकर भिन्नियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिन्नी सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-भ्रौर जिसकी सं फैक्टरी विल्डिंग नं० बी-23-847 का

1/4 भाग जिसका क्षेत्रफल 2420 वर्ग गंज है तथा जो इंडस्ट्रीग्रल एरिया 'ए', लुधियाना में स्थित हैं (ग्रीर इससे उपाबद्ध ग्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्री कर्ता ग्रिधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ग्रयधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, दिनांक

भ्रगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह किश्वास करने का कारण है कि ययापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृष्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (अन्तरकों) धौर धन्तरिती (धन्तरितियों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में धास्त्रिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी माय को बाबत, उक्त भविनियम के भवीन, कर देने के भूत्रारक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (ख) ऐसी किसी भाय या किसी घन या ग्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर भिष्ठित्यम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिष्ठित्यम, या घन-कर भिष्ठित्यम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाना चाहिए या, छिपाने के सुविधा के लिए;

भतः भव, उनतं भिविषयमं की बारा 269-गं के अनुसरण में, मैं, उनतं भिविषयमं की धारा 269-मं की उपधारा (1) के भिवीन निम्नलिखित व्यक्तियों भयीतः---

- श्री ग्रमर मिह पुत्र श्री मुकन्दी लाल मारफत प्रवीन हौजरी, बी-6-234, कुच्चा नं० 3, माधोपूरी, लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. श्री बनर्तारी लाल वहल पुत्र रल्ला राम वहल, बी-6-1390 चौड़ी गड़क, होतरी कमीणन ग्रर्जेटम, नजबीक ग्रक्ती वाई हम्पताल, लुधियाना ध्यन्तिरती)

3. श्री मेहर चन्द पुत्र श्री मेता राम, 275, इंडस्ट्रीअल एरिया 'ए', लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके प्रधिभोग में सप्पत्ति है)।

4. कश्मीरा सिंप मारफत एम० के० वन्डरफूल होजरी मिल्ज, कुचा नं० 3, माधोपुरी, लुधियाना (वह व्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह सम्पत्ति पें हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां शुरु करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजंत के सम्बन्ध में कोई भी माध्रेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की भ्रविध या तत्सम्बन्धी क्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की भ्रविध, जो भी भ्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्यक्षांकरण: --इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रधि-नियम, के श्रव्याय 20क में परिभाषित है, वही सबै होगा जो उप श्रध्याय में दिया गया है।

धनुमूची

फैंक्टरी बिल्डिंग न० 275 का 1/4 भाग जिसका क्षेत्र-फल 2420 वर्ग गज हैं और जो इंडिस्ट्रियल एरिया 'ए', लिधियाना में स्थित है।

(जायेदादा जैमा कि रिजिस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2105, ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)।

> नथू राम मक्षम प्राधिकारी ग्रजन रेंज, लुधियाना

तारीखा: 18 श्रप्रैल, 1979

प्रक्रप धाई०टी० एन० एस०-----नायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजन रेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 प्रप्रेंल, 1979 निदेश सं० एलखीएच०/105/78-79-प्रतः मुझे नत्यू

राम भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्रधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर संपत्ति, जिसका उचित बाजार मूक्य 25,000/- ६० से प्रधिक है और जिसकी स० भूम जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है तथा जो गांव जमालपुर अवाना तह० व जिला लुधियाना में स्थित है (और इससे उपावद अनुसुची में और पूर्ण प से विजत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण अधिक्यम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त संपत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के बृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरिक तियों) के भीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कियत न ते किया गया है:——

- (क) धन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिष्ठितियम के भिर्मीत कर वेते के भन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में मुविधा के शिए; और/या
- (ख) ऐसी निसी आय या किसी धन या प्रत्य आस्तियों को जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

बतः मन, उक्त अधिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मै, उक्त मिनियम की घारा 269-क की उपभारा(1) के अधीन, निम्नलिखित ध्यक्तियों. अर्थात:—

- 1. श्रीमिति हरनाम कौर विधावा श्री शाम सिंह, गांव नरंगवाल तहसील व जिला लुधियाना द्वाराश्री श्रमरजीत सिंह गरेवाल, वकील पुत्र श्री गुरदीप सिंह, 407, गांडल टाउन, लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2. श्री जंग सिंह पुन्न श्री सुवक्द सिंह, गांव जमाल पुर भवाना तहसील व जिला लुधियाना (भ्रन्तरिती)

को यह मूजा जारी करके पूर्वीका संगति के अर्थेन के लिए कार्यवाहियाँ शुरू करता हूं।

उपत संपत्ति के अर्थन के संबंध में कोई मो आओर --

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की घबिछ या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की घबिछ, जो भी घबिछ बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितवड़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकोंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उन्न अधिनियम के अध्याय 20-क में पार चित हैं, तती प्रामं होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भुमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है और जो गाँव जम।लपुर अवाना, तहसील व जिला लूधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमा रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2482 सितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम सक्षम प्राधिकारी महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण) म्राजैन रेंज लुधियाना,

दिनांक 18 म्रप्रैल, 1979 मोहर: प्ररूप भाई० टी० एम० एस०---

भायकर भ्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की बारा 269-थ (1) के भ्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक प्रायकर धायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 मप्रैल 1979

निदेश सं० 'एलङीएच/106/78-79-श्रतः मुझे नःथू राम,

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से श्रिधिक है

श्रीर जिसकी मं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है तथा जो गाव जमालपुर श्रवाना तहसील लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमे पाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रिजस्ट्रीगर्ता अधिकारी के कार्यालय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे गई विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) भौर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:— -

- (क) मन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत, उक्त भिष्ठितयम के भ्रधीन कर देने के भ्रन्तरफ के दाधित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी भाष या किसी धन या भ्रन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भ्रायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रधिनियम, या धनकर भ्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भ्रन्तरिती भ्रारा प्रकट नहीं किया गया या किया जाना चाहिए या, कियाने में सुविधा के लिए;

भतः भव, उक्त भिधिनियम की धारा 269-ग के भ्रनुसरण में, मैं, उक्त अधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के भ्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, भ्रयीत्:——

- 1. श्रीमित हरनाम कौर विधवा श्री शाम सिंह, गांव नंरगवाल तहमील व जिला लुधियाना द्वारा श्री श्रमरजीत सिंह गरेवाल, वकील पुत्र श्री गुरदीप सिंह, 407--मांडल टाऊन, लुधियाना (श्रन्तरक)
- 2 श्री जंग सिंह पुत्र श्री सुन्दर सिंह, गाव जमालपुर अत्राता, तहसील व जिला लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उनत सम्पत्ति के ग्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी ग्राक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित-बद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा मकेंग।

स्पद्धीकरण: ---इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम, के श्रध्याय 20-क में परिभाषित हैं, वही श्रर्थ होगा जो उम श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 30 कनाल 14 मरले है और जो गाँव जमाजपुर अवाना, नहसील व जिला लुधियाना । (जायेदाद जैमा कि रिजिस्ट्रोकर्ता अधिकारी, लिधियाना के कार्यातय के जिलेख मंख्या 2499, भितम्बर, 1978 में दर्जा है) ।

नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 18 अप्रैल 1979 मोहर : प्ररूप धाई॰ टी॰ एन॰ एस॰---

भ्रायकर म्रविनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 घ(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर भायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज लुधियाना

लुधियाना, दिनांक 18 श्रप्रैल 1979

निदेश सं० एलडीएच/107/78-79-न्य्रतः मुझे नत्थू राम

शायकर ग्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उकत श्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर समाति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से ग्रधिक है

श्रीर जिसकी संख्या प्ताट नं० 40डी, जिसका क्षेत्रफल 978 वर्ग गज है तथा जो करतार सिंह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है (श्रीर इसमे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय लुधियाना मे, रिजस्ट्रीकरण श्रिधितियम, 1908 (1908 का, 16) के श्रिधीन, दिनांक सितम्बर, 78

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और भ्रन्तरक (भ्रन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (भ्रन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के वायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किमो धन या अन्य त्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्राय-कर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्रिधिनियम, या धन-कर भ्रिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्सरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविश्रा के लिए;

भ्रतः ग्रव, उक्तं अधिनियम की धारा 269-ग के ग्रनुसरण में, में, उक्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात्

- 1. रामचरन भिंह, पुत्र हरनाम भिंह वासी 202 सैक्टर 33-ए, चडीगढ़ (श्रन्तरक)
- 2. मर्बक्षी चरनजीत मिह, जगजीत मिह पुत्र गुरनाम मिह पुत्र श्री बरयाम मिह बामी कुचा नं० 13 फिल्डगंज, लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के प्रजंन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी श्रवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितक दि किसी श्रन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पच्टीकरण: इसमें प्रयुक्त शब्दों श्रीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के श्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं श्रर्थ होगा जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

प्लाट नं० 40-डी, जिनका क्षेत्रफल 978 वर्ग गज है श्रीर जो करतार मिह सराभा नगर, लुधियाना में स्थित है।

(जायेदाद जैमाकि रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी, लुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 2516, मितम्बर, 1978 में दर्ज है)।

> नत्थू राम सक्षम प्राधिकारी महायक आयकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजैन रेंज लुधियाना

दिनांक 18 श्रप्रैल 1979 मोहर: प्रकप मार्ड० टी० एन० एस०----

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-च (1) के अधीन मूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक अग्यकर आयुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रॅंज लुधियाना,

ुधियाना दिनांक 18 श्रप्रैल, 1979

निदेश सं॰ एलडीएच/ग्रार/82/78-79-ग्रतः मुझे नत्थु राम

आयकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सद्धम प्राधिकारी को, यह दिख्यास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से अधिक है

भीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है तथा जो गांव एम० माना तहसील लुधियाना में स्थित है (ध्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ध्रौर पूर्ण का मे विणित है) रिजस्ट्रीब कर्ना ध्रिधिकारी के कार्यात्रय, लुधियाना में, रिजस्ट्रीकरण ध्रिधित्यम, 108 (1908 का 16) के ध्रधीन, तारीख ध्रगस्त, 78 ।

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए ध्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है और धन्तरक (ध्रन्तरकों) भीर धन्तरिती (प्रन्तरितयों) के बीच ऐसे धन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य मे उक्त धन्तरण लिखित में बास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण में हुई किसी आय की बाबत उक्त अधिनियम, के घंधीन कर देने के अन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में युविषा के लिए; मोर/या
- (च) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रत्य अस्तियों की, जिन्हें भारतीय भायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए।

अतः, अन, उन्त अधिनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में, में, उन्त ग्रिधिनियम की धारा 269-घ की उपभारा (1) के प्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- श्री महेशी पुत्र श्री बच्चना वासी गांव माना श्रव घनैन, तहसील व जिला लुधियाना (श्रश्तरक)
- 2. श्री भाग सिंह पुत्र श्री जगजीत सिंह वासी गांव घनैन तहसील वजिला लुधियाना (ग्रन्तरिती)

को यह सूबना जारी करके पूर्वीक्त सम्यति के धर्जन के लिए कार्यबाहियां शुरु करता हूं।

उक्त संपत्ति के धर्जन के संबंध में कोई भी धाक्षेप: -

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की ग्रवंधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की ग्रवंधि ओं भी श्रवंधि बाद में समाप्त होती हो, के मीलर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा ।
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर संपत्ति में हितबद किसी भन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पध्धीकरण: --- इसमें प्रयुक्त गब्दों भीर पदों का, जो उनत श्रधिनयम के श्रद्ध्याय 20-क में परिभाषित हैं, बही अयं होगा, जो उस श्रद्ध्याय में दिया गया है।

ममुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 80 कनाल है ग्रौर जो गांव घूमाना व जिला लिधयाना में स्थित है।

जायेदाद जैमा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, सुधियाना के कार्यालय के विलेख संख्या 3921, 1978 में दर्ज है)।

> नत्यू राम मक्षम प्राधिकारी

महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

दिनांक 18 श्रप्रैल 1979 मोहर: प्रकृप भाई० टी० एन० एस०-

मायकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के मधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भायकत (निरीक्षण)

ग्रर्जनरेंज लुधियाना

लुधियाना दिनांक 18 श्रप्रैल, 1979

निदेश सं० एलडीएच/ब्रार/85/78-79-श्रतः मुझे नत्थु राम,

भायकर ग्रंधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भ्रधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिमका उचित बाजार मूह्य 25,000/- रुपये से अधिक है

श्रीर जिसकी सं० प्लाट नं० 65-प्राई०, जिसका क्षेत्रफल 847 वर्ग गज है तथा जो करतार मिंह सराभा नगर (गांव सुनेत), लुधियाना, में स्थित है (श्रीर इस उपाबद्ध श्रनुस्ची में ग्रीर पूर्ण रूप से विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, लुधियाना, में रिजस्ट्रीकरण श्रिधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1978 पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का प्रन्वह प्रतिशत से श्रिधक है भौर अन्तरक (ग्रन्शरकों) ग्रीर अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्ति कर से कि पस से किया नहीं किया गया है:—

- (क) मन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत उक्त भ्रष्टि-नियम के भ्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (का) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या म्रम्य म्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय म्रायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम, या घनकर म्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मत: भव, उक्त मिनियम की धारा 269-ग के मनुसरण में, में, उक्त मिनियम की धारा 269-च की उपधारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों मयौत्:---

- 1. श्री तारा मह पुत्र नाहर मिह पुत्र चेत मिह वासी गांव सुनेर तहमीन व जिला लुधियाना (ग्रन्तरक)
- 2. श्री भारत भूषण पुत्र श्रोम प्रकाश पुत्र कौर सैन व श्रीमित संतोष रानी परनी श्री श्रोम प्रकाश मारफत जिन्दल इंडस्ट्रीज, एच० 2 टैक्सटाइल कालोनी, इंडस्ट्रियल एरिश्रा 'ए', लुधियाना (श्रन्तरिती)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त संपत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां ग्रुष्ठ करता हूं।

उरत मध्यति के अर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की श्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी भविध बाद में समाप्त होती हो; के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर चक्त स्थावर संपत्ति में
 हितत्रद्ध किसी ग्रन्य व्यक्ति द्वारा, ग्रश्रीहस्ताक्षरी
 के पास निखित में किए जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त गन्दों भीर पदों का, जो उक्त भिष्ठित्यम के भ्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं. वहीं भ्रषे होगा, जो उस भड़्याय में दिया गया है।

अनुसची

प्लाट नं० 65-प्राई०, करतार सिंह सराभा नगर (गांव सुनेत), लुधियाना जिसका क्षेत्रफल 846 वर्ग गण है। (जायेदाद जैमाकि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, लुधियाना के कार्यानय के विलेख संख्या 4016 ग्रगस्त, 1978 में दर्ज है)।

> नस्यू राम सक्षम प्राधिकारी सहायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण) स्रर्गन रेंज, लुधियाना

दिनांक 18 श्रप्रैल, 1979 मोहर: प्रकप भाई • टी • प्रन • एस •-----

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 48) की खारा 269व(1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यात्रय, सहायक भायकर मायुक्त (निरीक्षण) ग्रर्जनरेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनांक 21 भ्रप्रैल 1979

निदेश सं० सीएचडी | 194 | 78-79--श्रतः मुझे नत्थू राम

आयकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गमा है), की घारा 269 क के प्रधीन सक्षम प्रधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-४० से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० एस० सी० एफ० नं० 5, सैक्टर 27-सी, जिसके प्लाट का तथा जो क्षेत्रफल 123.75 वर्ग गज चन्डीगढ़ में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची मे ग्रीर पूर्ण रूप से विणा है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़ मे, रिजस्ट्रीकरण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन, तारीख ग्रगस्त, 1978

को पूर्वोत्तत संपत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त संपत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे वृश्यमान प्रतिफल का पल्लह प्रतिशत से प्रधिक है भीर भन्तरक (धन्तरकों) भीर धन्तरिती (अन्तरित्तयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण लिखित में वास्तविक कप से कवित नहीं किया गया है!—

- (क) प्रन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत उक्त प्रक्षित्र नियम के प्रधीन कर देने के प्रस्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के खिए। भौर/या
- (ख) ऐसी किसी प्राय या किसी धन या प्रन्य प्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय प्रायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त प्रधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ प्रकारिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया चा या किया जाना चाहिए चा, छिपाने में सुविधा के लिए।

भतः अब, उन्न मिधिनियम की घारा 269 ग के चनु-सरण में, में, उन्त मिधिनियम की घारा 269 व की उपचारा (1) के अधीन, जिम्निलिखित स्वक्तिमें, भवाब्।—— 2—56 GI/79

- श्रीमित भगवान देवी पनि श्री मोहारी लाल कणून रिया, वासी मकान नं 2079, सैक्टर 21-सी, चन्डीगढ़। (ग्रन्सरक)
- 2. श्री सेवक सिंह पुत्र श्री हरनाम सिंह, सर्वे श्री रणधीर सिंह, मोहनबीर सिंह, जसबीर सिंह, रमनबीर सिंह व तेजिन्दरबीर सिंह पुत्र श्री सेवक सिंह, वासी मकान नं० 115, सैक्टर 8-ए चन्डीगढ़ (श्रन्तरिती)
- 3. मैसर्ज धारी शाह दी हट्टी, एस० जी० एफ० नं० 5 सैक्टर 27-सी, चन्डीगढ़ (वह व्यक्ति, जिसके ग्रिधिमोग में सम्पति है)।
 - 2. श्री दलीप चन्द,
 - 3. श्रीमित वीना मरवाह मारफत। पूप्तोर एस० सी० एफ नं० 5 सँक्टर 27-सी, चन्डीगढ़।

को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्प्राण क अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उक्त संपत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी ग्राक्षप :---

- (क) इस सूचना के राजपत में अकाशन की तारी ख से 45 दिन की भवधि या तस्संबंधी व्यक्तियों पर सूचन। की तामील से 30 दिन की भवधि, को भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपक्ष म प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितवद किसी भ्रम्य क्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताक्षरी के पास सिवित में किए जा सकेंगे।

अनुसूची

जायेदाद एस० सी० एफ० नं० 5, सैक्टर, 27-सी, कन्डीगढ़ ।

(जायेदाद जैसा कि रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधिकारी, चन्डीगढ के कार्मालन के विलेख सख्या 328, ग्रगस्त, 1978 में वर्ज है)।

> (नत्यू राम) सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) भ्रजन रेज, लुधियाना ।

दिर्माक 21 मप्रैल, 1979। सोहर 1 प्ररूप खाई • टी • एन • एस • -----

मायकर मधिनियम; 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ (1) के मधीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनक 21 श्रप्रैल 1979

निवेश सं० सीएचडी/205/78—79—ग्रतः मुझे नत्थू राम

प्रापंकर मधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसकें प्रचात 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन सक्तम प्राधिकारों को यह विक्षास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित वाजार मृत्य 25,000/- वन्ये से प्रधिक है प्रौर जिसकी सं० जायेदाद एस० सी० प्रो० नं० 266, सैंक्टर, 35-डी जिसके प्लाट का क्षेत्रफल 121 वर्ग गज में ग्रीर पूर्ण रूप से वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्यालय, चन्डीगढ़, में रजिस्ट्रीकरण श्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन दिनांक अगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के वृष्यमान प्रतिफल के लिए सम्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उनके दृष्यमान प्रतिफल का पन्त्रह प्रतिगा से मिषक है भीर सम्तरक (सन्तरकों) भीर सन्तरितों (सन्तरितियों) के बीच ऐसे सम्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त सन्तरण लिखिन में बास्तिक रूप से कथिन नहीं किया गया है:---

- (क) प्रश्तरण में हुई किसी भाग की बाबत, उक्त सिंधिनियम के प्रधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के जिए; और/या
 - (ख) ऐसी किसी आय या कियी घर या घन्य प्रास्तियों, को जिन्हें भारतीय भायकर मधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उन्त मधिनियम, या धन-कर मिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तिरती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना वाहिए था, छिपाने में सुविद्या के लिए;

भतः अन, उक्त मधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उक्त मधिनियम की धारा 269-च की उपवारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात :---

- 1. (1) श्री हंस राज पुत्र श्री राम सिंह,
- (2) श्रीमित शान्ति देवी पत्ति श्री हंस राज, द्वारा जनरल श्रटारनी श्री राम सरूप व श्री श्रशोक कुमार पुत्न श्री हंस राज, वासी 36-सी प्रहलाद नगर मेरठ शहर।
 - 2. 1. लैं० क० गुरप्रताप सिंह सेखों पुत्र स्व० क० रनबीर सिंह,
 - (2) के० सरबजीत सिंह मेखों पुत्र लैं० क० गुर-प्रताप सिंह,
 - (3) कंवर प्रताप सिंह सेखों (माईनर)व
 - (4) भगवान प्रताप सिंह (माईनर) सुन्न श्री सरब-जीत सिंह,
 - (5) श्रीमति राजिन्दर कौर पत्नि लै० क० गुर-प्रताप सिंह,
 - (6) श्रीमित सीना सेखों पित्नी कै सरक्षणीत सिंह सेखों, वासी मनजीत इन्दरपुरा, फरीदकोट । (श्रन्तरिती
- 3. श्री नरेश कुमार उप्पल, मालिक मसर्जे उप्पल जनरल सटोर, एस० सी० श्रो० नं० 266, सैक्टर, 35-डी, चन्डी-गढ़ (वह व्यक्ति, जिसके श्रीधभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूबना जारी करके पूर्वीका सम्पत्ति के अर्जेन के लिए कार्यवाहियां करता हूं !

उन्त सम्वत्ति के प्रजैन के संबंध में कोई भी प्रार्शेव :---

- (क) इस सूचना के राजपक्ष में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविध, जो भी भविध बाद में सभाप्त होती हो, के भीतर पूर्वेक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के जीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब किसी बन्य व्यक्ति द्वारा बबोहस्तानशी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पवहीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त मिक-नियम के प्रध्याय 20-का में परिभाषित हैं, बही अर्थ होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

जायेदाद एस० सी० श्रो० नं० 266-सैक्टर 35 दी, चन्डीगढ़।

(जायेदाद जैसा कि रिजिस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, चन्डीगढ़ के कार्यालय के विलेख सं० 458, श्रगस्त, 1978 में दर्ज)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) श्रजंन, रेंज, लुधियाना

विनांक: 18 भ्राप्रैल, 1979

मोहर

प्ररूप माई∙ टी॰ एन॰ एस॰--

आयकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-थ (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक आयकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, लुधियाना

लुधियाना दिनाक 26 प्रप्रैल 1979

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त भिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के भिधीन सक्तम प्रिधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रु० से भिधक है

श्रीर जिसी सं० कोठी नं० 7708/5, भूपिन्दर नगर रोड, है तथा जो पटियाला में स्थित है (श्रीर इससे पाबद्ध अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप से विणित हैं), रिजस्ट्रीकर्ता श्रधिकारी, के कार्यालय, पटियाला में, रिजस्ट्रीकरण श्रधित्यम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, दिनांक श्रगस्त, 1978 को पूर्वोंक्त सम्पत्ति के उजित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति कर उचित बाजार मूल्य से कम के वृश्यमान प्रतिफल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोंक्त सम्पत्ति कर उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से श्रधिक है और मन्तरक (अन्तरको) भीर भन्तरिती (भन्तरितयों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त भन्तरण लिखित में बास्तिबक रूप से किवत नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उनत अधिनियम, के प्रधीन कर देने के भन्तरक के दायित्य में कभी करने या उत्तम बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
- (का) ऐसी किसी माथ या किसी अन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय भाय-कर भिक्षितियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिक्षितियम, या धन-कर शिक्षितियम, 1957 (1957 का 27) के अयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया या या किया जाता चाहिए या, छिपाने में सुविद्या के लिए;

अतः ग्रम, उन्त अधिनियम, की धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त प्रधिनियम, की धारा 269-घ की उपधारा (1) के ग्रधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात् :---

- 1. कमान्डर हरदेव सिंह पुत्र श्री परहलाद सिंह वासी एस-260, पंज शील पार्क, नई दिल्ली (ग्रन्तरक)
- 2. श्रीमित हरिन्दर कीर ध्रमरजीत सिंह पुत्र डा॰ बलबीर मिंह वासी बूलापूर तहसील मलेरकोटला (भ्रन्तरिती)
- 3. श्री (डा०) सुखदेव सिंह वासी कोठी नं० 7708/5; भूपिन्दर नगर रोड, पटियाला (वह व्यक्ति जिसके प्रधिभोग में सम्पत्ति है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्यत्ति के मर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजैन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षोप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीब से 45 दिन की धविद्या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धविद्य, को भी धविद्य बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध
 किसी प्रम्य व्यक्ति द्वारा प्रधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वक्कीकरका:--इसमें प्रयुक्त शब्दों घौर पदों का, जो अक्त घिनियम, के घड़्याय 20-क में परिचावित है, वही घर्य होगा जो उस घड़्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कोठी न० 7708/5, भूपिन्दर नगर रोड, पटियाला। (जाबेदाद जैसा कि रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी, पटियाला के कार्यालय के विलेख संख्या 2579, ग्रगस्त 1979 में दर्ज है।)

> नत्यू राम, सक्षम प्राधिकारी महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण) ग्रजैन रेज, लुधियाना ।

दिनाक: 26 श्रप्रेस, 1979

भाग III-खण्ड 1

प्रकप भाई० टी० एन• एस•---

म्रायकर मिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269म(1) के भाषीत सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक मायकर भागुमत (निरीक्षण) भर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, विनांक 20 नवम्बर 1978

निवेश सं० बो० जी० झार०/बी० एल० धाई०/21/78-79 झतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियां धायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके परचात् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के सधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूख्य 25,000/- दे० से अधिक है

भौर जिसकी सं० प्लाट नं० 54-ए डी० एस० धाफ इन्ड-स्ट्रमल एरिया है तथा जो फरीदाबाद नं० 1 में स्थित हैं (भौर इससे उपाबद्ध प्रनुसूची में भौर पूर्ण रूप से विणत है) रिजस्ट्रीकर्ता भिंधकारी के कार्यालय दिल्ली में, रिजस्ट्री-करण भिंधनियम, 1908 (1908 का 16) के भंधीन, तारीख भगरत, 1978 को

पूर्वोक्त सम्मत्ति के उचित बाजार मूस्य से कम के युश्यमान प्रतिफल के लिए अस्तरित की गई है भीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यवापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूस्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पम्बह प्रतिशत से अधिक है भीर अस्तरक (अन्तरकों) भीर अस्तरिती (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अस्तरण लिखित में बास्तविक उप से कथित नहीं किया गया है।—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबस, उक्त प्रधिनियम के भ्रमीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भीर/या
 - (वा) ऐसी किसी भाग या किसी धन मा भ्रत्य भास्तिमों को, जिन्हें भारतीय भागकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम या धन-कर अधिनियम, 1967 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती बारा प्रकट नहीं किया नया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

मतः, भव, उक्त समिनियम की बारा 269-ग के समुसरण में, म, उक्त समिनियम की बारा 269-व की कपकारा (1) के अधीन निम्नविकित व्यक्तियों, सर्वातः---

- सर्वश्री नरिन्द्र सिंह, शमिन्द्र सिंह, श्रपमिन्द्र सिंह एवं गुरचरण कौर निवासी ई~10, ईस्ट ग्राफ कैलाश, नई, दिल्ली। (ग्रन्तरक) ।
- 2. मैसजं जैन सन इन्जीनियरज (प्रा०) लि०, रिज० प्राफिस जे०-2, ग्रीन पाकं, नई दिल्ली। (ग्रन्तरिती) को यह सूचना जारी करके पूर्वीक्त सम्पत्ति के ग्रजैन के लिये एतवृद्वारा कार्यवाहियां कुक करता हूं।

उन्त सम्पत्ति के प्रजीन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप :---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 विन की श्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की श्रविध, जो भी श्रविध बाद में समान्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के मीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, भ्रधोहस्ताकरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पन्धीकरण: -- इसमें प्रमुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्राधिनियम के श्रष्टपाय 20-क में परिभाषित हैं, वही शर्य होगा, जो उस शब्दाय में दिया गया है।

धनुसूची

प्लाट नं० 54 ए जिसका क्षेत्रफल 4066 वर्ग गज और जो ड० ल० फ० इन्डस्ट्रीयल एरिया नं० 1, फरीवा-बाद में स्थित है। "सम्पत्ति जैसे की रजिस्ट्रेशन नं० 411 में दी गई है श्रीर जो रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी दिल्ली के कार्यालय में 11-8-1978 की लिखा गया।"

> रवीन्द्र कुमार पठानियां सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक ।

तारीख: 20-11-1978

मोहरः

प्रकार आई॰ टी॰ एन॰ एस॰----

बायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा

269 घ (1) के घछीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

मर्जम रेंज सोनीपत रोड रोहतक

रोष्ट्रतक, दिनांक 20 नवस्थर, 1978

द्यतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियाँ, सहायक आयकर आयुक्त (निरिक्षण) अर्जन रोड, रोहतक

भायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है) की घारा 269-ख के प्रधीन सब्बम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर ब्रम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मृख्य 25,000/- व्यवै से प्रविक है क्रीर जिसकी सं० भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीधा 18 बिसवा है तथा जो पट्टी राजपूतन, पानीपत में स्थित है (धीर इसमे उपाबद प्रनुसूची में भ्रौर पूर्ण रूप में वींणत है), रिजस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, पानीपत में, राजस्टी-करण अधिनियम, 1908 (1908 का 16) के अधीन तारीख सितम्बर, 1978

पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित दाजार कम के दुश्यमान प्रतिफल के लिए घन्तरित की गई है थीर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाबार मुख्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पखड़ प्रतिशत से प्रधिक है भीर प्रस्तरक (भन्तरकों)भीर धन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रति-कम निम्नलिखित उद्देश्य से उन्त बन्तरण शिखित में बास्तविक कप से कथित नहीं किया गया है :---

- (क) प्रस्तरण से हुई किसी प्राय की बाबत, उक्त अखि-नियम, के प्रधीन कर देने के धन्तरक के दायिस्य में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के शिए; जोर/मा
- (🗷) ऐसी किसी माय या किसी घन या मन्य मास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्रिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्स मिधिनियम, या घनकर अधि-नियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोधमार्व डम्परिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया बाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अव, उक्त मिविनियम की धारा 269-ग के धनुसरण में में, उन्त अधिनियम नी धारा 269-म की उपधारा (1) के प्रजीन निम्मलिखित व्यक्तियों, अवित्ः

- 1. (1) श्रीमती बिमला चौधरी, विधवा श्री लख्मन दास।
 - (2) श्रीमती निधि चौधरी पुत्री श्री लक्ष्मन दास, निवासी 188, माडल टाउन, पानीपतः। (ग्रन्तरक)।
 - 2. (1) श्री राम नारायण पुत्न श्री शिवधन मल
 - (2) श्रीमती सावित्री देवी पुत्री श्री राम नारायण
- (3) श्री लक्ष्मी चन्द पुत्र श्री नेकी राम मार्फत जनरल मंदेल इण्डस्ट्रीज, रेलवे रोड्, पानीपत। (श्रन्तरिती)।

को यहसूचनाजारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्मन के सिये कार्यवाहियां करता है।

जनत सम्पत्ति के प्रजॅन के सम्बन्ध में कोई भी धाक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राअपन्न में प्रकालन की तारीख से 45 दिन की भवधि या संस्थम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन में प्रकाशन की तारीख से 4.5 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रम्य स्थक्ति द्वारा मधोहस्ताक्षरी के पास निश्चित में किये वा सर्वेगे।

श्वच्छीचरण:--इसमें प्रमुक्त जन्दों भीर पदों का, ओ उन्त मधि-नियम के घड़्याय 20-क में यथा परिभाषित है, बह्वी प्रचं होगा जो उस प्रध्याय में दिया नवा है।

घनुसूची

भूमि जिसका क्षेत्रफल 4 बीघे 18 बिसवे हैतथा जो पट्टी राजपूतन पानीपत में स्थित है। (सम्पत्ति जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता पानीपत के कार्यालय में रिजस्ट्री कमांक 2487 मास सितम्बर, 78 पर दर्ज है)।

> रवीन्द्र कुमार पठानियाँ सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर ग्रायकत (निरीक्षण) ध्रर्जन रेंज, रोइतक ।

तारीख: 2 1 - 1978

प्ररूप श्राई• टी॰ एन• एस•-----

ग्रायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269व (1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, सोनीपत रोड, रोहतक

रोहतक, दिनांक 25 जनवरी 1979

निदेश सं० एस० पी० टी० 3/78-79— प्रतः मुझे, रवीन्त्र कुमार पठानिया,

आयकर ग्रिशिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त ग्रिशिनयम' कहा गया है), की घारा 269-ख के ग्रिशीन सक्तम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- क॰ से ग्रिशिक है भौर जिसकी, सं० भूमि जिसका रक्तबा 29 कनाल 14 मरले है तथा जो ग्राम कुडली, तहसील सोनीपत में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद अनूसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रति-फल के लिए मन्तरित की गई है भीर मुने यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से भिक्षक है भीर अन्तरक (भन्तरकों) भीर अन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिये तय पाया गया यतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उच्त भन्तरण लिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) ग्रन्सरण से हुई किसी भाग की बाबत, उक्त प्रधिनियम, के भन्नीत कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (क) ऐसी किसी आय या किसी धन या भन्य भास्तियों को जिन्हें भारतीय भायकर भिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिधिनियम, या भनकर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया का या किया जाना काहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

सत्तः सब, उक्त समिनियम की घारा 269-ग के समुक्रण में, में, उक्त अमिनियम, की घारा 269-म की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, अर्थात :--

- सर्वश्री भगवाना, दुली चन्द, कांशी राम, पुत्रान श्री राम देवी पुत्री श्री हरि किशन पुत्र श्री खूबी जाट निवासी ग्राम कुडंली ,तहसील सोनीपत। (ग्रन्तरक)
- 2. मैं ० किन्जफौक इन्डस्ट्रीज (प्रा०) लि० 893, अड़ा बाजार, तिलक गली, कश्मीरी गट, देहली। (श्रन्तरिती)

को यह सूचता बारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उन्त सम्पत्ति के मर्जन के संबंध में कोई भी आक्षेप:--

- (क) इस सूचना के राजपल में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त क्यक्तियों से से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी मध्य भ्यक्ति द्वारा, भन्नोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पष्टीकरण:--इसमें प्रयुक्त शब्दों और पदों का, जो उक्त अधिनियम के प्रश्याय 20क में यथा परिभावित हैं, वही अर्थ होगा, जो उस शब्याय में दिया गया है।

धमुस्ची

भूमि जिसका रकबा 29 कनाल 14 मरले हैं तथा जो जैन्ती रोड़, कुन्डली, तहसील सोनीपत श्रीर जो रिजस्ट्री-कर्ती सोनीपत के कार्यालय में रिजस्ट्री क्रमांक 2611 मास ग्रगस्त, 78 पर दर्ज है।

रबीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेंज, रो**ह**तक।

तारीख: 25-1-1979

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण) अर्जन रेंज, सोनीपन रोड रोहतक रोष्ट्रतक, दिनांक 25 जनवरी 1979

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- एपये से मधिक है

ग्रीर जिसकी सं ० भूमि 25 कनाल 13 मरले सहित बिल्डिंग, म्यू बवैल पर्मिंग सेंट इत्यादि है तथा जो ग्राम कुन्डली, तहसील सोनीपत में स्थित है इसमें उपाबद अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रिजस्ट्री-करण ग्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन तारीब सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए प्रन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत प्रधिक है भौर अन्तरक (भन्तरकों) धौर पन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे मन्तरण के लिए सब पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त धन्तरण बिलित में शास्तिक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) अन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भिर्मियम के अधीन कर दैने के अन्तरक के दाजित्व में कमी करने या उससे बचने में भुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी आय या जिसी धन या अन्य भास्तियों को, जिन्हें भारतीय भायकर भिविनयम, 1922 (1922 का 11) या उक्त श्रिधिनयम, या धन-कर भिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त मिनियम की घारा 269-ग के मनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों अर्थात्:—

- सर्वश्री बलराज किशन, शादी लाल, आसा रतन,
 प्यारे लाल तथा चमन लाल, पृक्षान श्री उत्तम चन्द, निषासी मकान नं० 5/9 ए, रूप नगर, देहली। (श्रन्तरक)।
- 2. श्री कर्म चन्द गोयल पुत्र श्री पूर्ण चन्द गोयल मालिक मैं गोयल स्पिनिंग एण्ड बीविंग मिल ग्राम रसोई डाकखाना नाभोपुर, जिला सोनीपत। (ग्रन्तिरसी)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उन्त सम्यत्ति के श्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की धवधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की धवधि, जो भी भवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति बारा;
- (ख) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास जिखित में किए जा सकेंगे।

रपढडी भरण : — इसमें प्रयुक्त शब्दों ग्रीर पदों का, जो उन्त ग्रिवित्यम के ग्राध्याय 20 — क में परिभाषित हैं, वही अर्थ होगा जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

भूमि 25 कनाल 13 मरले सहित ग्रीड, द्यूबनेल पर्भापंग सैट इत्यादि जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री कमांक 2878 मास सितम्बर, 78 में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां, सक्षम प्राधिकारी, सहायक ग्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहतक।

तारीख: 25-1-1979

प्ररूप धाई • टी • एम • एस • — — आयकर घिष्टिंग्यम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के घिष्टीन सूचना भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, सोनीयन रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेश सं० एम० भार० एम०/5/78-79--- म्रतः मुझे रवीन्द्र कुमार पठानियां,

बायकर प्रधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्वात् 'उक्त प्रधितियम' कहा गया है), की घारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका चित्रत बाजार मूक्य 25,000/- इपए से प्रधिक है

ग्रीर जिसकी सं० मकान नं० 197/धी०— I है तथा जो नई मंडी, सिरसा में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबद्ध अनुसूची में ग्रीर पूर्ण रूप मे विणित है), रिजस्ट्रीकर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सिरसा में, रिजस्ट्रीकरण ग्रिधिनयम, 1908 (1908 का 16) के ग्रधीन तारीख ग्रगस्त, 1978 को पूर्वीन सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के बृश्यमान प्रतिक्तव के नियं ग्रन्तरित की गई है और मुने यह विश्वात करने का कारण है कि यथापूर्वीक्त कम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके वृश्यमान प्रतिकृत से प्रधाद कर से मधिक है और ग्रन्तरित (ग्रन्तरित में मधिक है और ग्रन्तरित (ग्रन्तरित में मधिक है और ग्रन्तरित (ग्रन्तरित में मिप त्यापाय ग्रीत कम तिक्त तहीं किया गया है :——

- (स) धन्तरण से हुई किसी माय की बाबत, उक्त जड़ितयम के घष्टीन कर देने के धन्तरक के दायित्व में समी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (ख) ऐसी निसी प्राय मा किसी घन या मन्य मास्तियों को जिन्हें भारतीय आयकर भिष्ठिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भिष्ठिनियम या धन-कर भिष्ठिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनायं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया वा या किया जाना चाहिए वा या खिपाने में सुविष्ठा के सिए;

अतः धन, उक्त धिविनयम की धारा 269-ग के धनुसरण में मैं, उक्त धिविनयम की धारा 269-च की उपधारा (1) के अधीन निम्नलिखित स्थक्तियों, धर्मात्।—

- 1. श्री कश्मीरी लाल, पुत्र श्री राम लाल निवासी सिरसा। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मतीश कुमार गुरेजा पुत्र श्री जय दियास निवासी, मकान नढ० 197/बी०—I, नई मंझी, सिरसा। (प्रन्तरक)।

को यह यूचना बारी करके ह्वोंका सम्मति के प्रजान के लिए भागवाहियां करता हं।

जनत सम्पत्ति के अर्जन के संबंध में कोई भी भाक्षेप।--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 48 किए की मनिध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की मनिब, जो भी भविष बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तिकों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (क) इस सूचता के राजपत में प्रकाशन की तारीक से 45 दिन के भीतर उक्त स्वावर सम्पत्ति में ड्लिक्स किसी भग्य व्यक्ति द्वारा, प्रश्लोहस्ताशारी के पान निक्ति में किए का सकेंगे।

स्पक्किरण:--इसमें प्रयुक्त शक्यों भीर पदों का, जो उक्त श्रीधनियम, के भश्याय 20-क में परिणाणित है, वही अप होगा, जो उस प्रश्नाय में विया गया है।

अनुत्रूची

सम्पत्ति जो कि मकान नं 197/बी०-र, नई मंडी मिरमा है ग्रीर जैसे कि रिजस्ट्रीकर्ता सिरसा के कार्यांक्य में रिजस्ट्री कमांक 3225 तिथि 17-8-1978 में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानियां, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज,रोह्नतक ।

तारीख: 13-2-1979

प्ररूप प्राई० टी० एत० एस०⊸∽

जायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा ∠69-घ(1) के घधीन सुचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण)

भ्रजीत रेंज, सोनीपत रोड रोहतक रोहतक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेण सं० बी० जी० घार०/13/78-79-- घत मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानियां निरीक्षीक सहायक घायकर घायुक्त ग्रर्जन रेज, रोहतक

भाय तर पधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इस के पृष्ट वान् 'उक्त अधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीन मक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उवित बाजार मूल्य 25,000/- क असे अधिक है

श्रौर जिसकी सं० बैंगलो प्लाट नं० 36, एन० एच०-2, एन० श्राई० टी० है तथा जो फरीदाबाद में स्थित है, (श्रौर इसमें उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ना श्रिधकारी के कार्यालय, बलबगढ़ में, रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रिधीन, तारीख श्रगस्त, 1978

पूर्वोक्त सम्प्रति के उथित बाजार मूरूप में कम के दृश्यमान प्रतिफल के निए प्रनारित की गई है प्रोर मुझे यह विश्वाप करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्मत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत से प्रधिक है, भीर भन्तरक (भन्तरकों) भीर भन्तरित (भग्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के लिए तय पाया गय। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखिन में बास्तिक कप से कथिन नहीं किया गया है :---

- (क) ध्रम्तरम से हुई किसी श्राय की बाबत उक्त प्रशिवियम के प्रधीन कर देने के अन्तरक के अपित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा कलिए; ध्रीर/या
- (ख) ऐपी किया आए ए किसी घन या भन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय धायकर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उकत अधिनियम, या धन-कर प्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ भन्तरिती द्वारा प्रकट नही किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में मुविधा के लिए;

सतः भ्रान, उनत अधिनियम को धारा 269-ग के अनुसरण में, में, उन्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित व्यक्तियों, वर्षातु:---13—56GI/78

- 1. सर्वश्री घ्रोम प्रकाश गुप्ता, घ्रानन्द प्रकाश गुप्ता, रामेश्वर प्रकाश गुप्ता तथा मदन जी गुप्ता पुत्रान श्री शुगन चन्द गुप्ता निवासी 28 ए, कमला नगर, देहली। (ग्रन्तरक)
- 2. (1) श्रीमती पुष्पा गांधी पत्नी श्री प्रीतम लाल गांधी।
- (2) श्री नरेण कुमार पृत श्री टेक चन्द निवासी मकान नं० 2-एम०/67, एग० ग्राई० टी०, फरीदाबाद। (श्रन्तरिनी)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के ग्रजंन के लिए कार्यवाहिया करता हूं।

उनन सम्मति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी प्राक्षेप:--

- (क) इप सूचना के राजपल में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की श्रवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूजना की तामील से 30 दिन की श्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाष्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त शास्तियों में कियो क्यांक्त द्वारा;
- (आ) इस पूजना के राजपत्न में प्रकाशन की तारी असे 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितब अ किसी ग्रन्थ व्यक्ति द्वारा, ग्रिघोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्रक्टीकरण:—इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उबन अधिनियम, के भ्रष्टयाय 20-क में परिभाषित हैं वहीं अर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मम्गत्ति जो कि बंगलो प्लाट न० 36, जिसका रकबा 694 वर्ग गज तथा जो एन० एच०--2 एन० भ्राई० टी०, फरीदाबाद में स्थित है भ्रीर जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता बलबगढ़ के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमाक 3272 मास भ्रगस्त, 78 में दर्ज है।

रवीन्द्र कुमार पठानिया, मक्षम प्राधिकारी, महायक ग्रायकर ग्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, रोहनक ।

तारी**ख**: 13-2-1979

प्ररूप माई∙ टी• एन• एस•-----

ग्रायकर प्रश्निमियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269 व (1) के प्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक म्रायकर म्रायुक्त (निरीक्षण)

श्रर्जन रेंज, मोनीपन रोड, रोहतक

रोहनक, दिनांक 13 फरवरी 1979

निदेण म'० एम० एन० पी०/9/78-79--श्रतः मुझे, रवीन्द्र कुमार पठानिया,

मायकर भिष्ठिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें ६सके पश्चात् 'उक्त भिष्ठिनियम' कहा गया है), की बारा 269-ध्व के अधीन सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थानर सम्पत्ति, भित्रका उचित वाजार मृन्य 25,000/- द से सिखक है

ग्रीर जिसकी सं० भूमि रकबा 40 कनाल है तथा जो ग्राम रसोई तहसील सोनीपत में स्थित है, (ग्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में ग्रीर पूर्ण क्प में विणित है), रिष्कास्ट्री— कर्ता ग्रिधकारी के कार्यालय, सोनीपत में, रिजम्ट्रीकरण ग्रिधितियम, 1908 (1908 का 16) के ग्रिधीन, तारीख ग्रक्तुबर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफन के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है, भीर यह कि अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियो) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से जक्त अन्तरण लिखित में बास्तिबक इप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत, उक्त ग्रिधिक नियम, के ग्रिधीन कर देने के ग्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; और/या
- (क) ऐसी किसी झाय या किसी धन या झन्य झास्तियों को जिन्हें भारतीय झाय-कर अधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त झिखिनियम या अन-कर झिलियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ अन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया अया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

भतः धव उन्त धिविनयम की ब्रारा 269म के अनुसरण म, मैं, उन्त बिधिनयम की ब्रारा 269 च की उपधारा (1) के अधीन निम्निखित व्यक्तियों, अर्थात् ।——

- श्रीमती साबित्नी देवी पुत्नी श्री राम सिह जाट निवासी ग्राम रसोई, तहसील सोनीपत हाल परनी श्री ग्रोम प्रकाण पुत्र श्री भरत सिह, ग्राम पीपली, तहसील सोने पत। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री मतीश कुमार गोयल पुत्र श्री कर्म चन्द गोयल निवासी गोविन्द पुरी, मोदीनगर (यू० पी०)।

(श्रन्तरिती)

3. श्री सुरजीत कुमार जैन, 2195, धर्मपुरा, चांदनी चौक, देहली ।

(वह व्यक्ति, जिसके ग्रधिभोग में संपत्ति है)

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पति के धर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हूं।

उक्त सम्यति के पर्वत के सम्बन्ध में कोई सो प्राक्षेत :---

- (क) इस सूचना के राजपन्न में प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन की भविधि या तरसम्बन्धी व्यक्तियों पर
 सूचना की तामील से 30 दिन की भविधि, जो
 भी भविधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्षत
 व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ब) इस मूचना के राजपत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबढ़ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, मधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

रपच्टी सरण :--इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर पदों का, जो उत्तर धिधिनयम, के घड्याय 20-क में परिभाषित हैं, वहीं घर्च होगा जो उस धड्याय में दिया गया है।

पनुसूची

सम्पत्ति भूमि रकवा 40 कनाल जो कि ग्राम रसोई तहसील मोनीपत में स्थित है ग्रौर जैसे कि रजिस्ट्रीकर्ता सोनीपत के कार्यालय में रजिस्ट्री क्रमांक 3433 तिथि 27-10-1978 में दर्ज है।

> रवीन्द्र कुमार पठानिया, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रजन रेंज, रोहतक

तारीख: 13-2-1979

प्रास्प माई• टी• एन॰ एस०-

मायकर मिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की घारा 269-म (1) के मधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक ब्रायकर ब्रायुक्त (निरीक्षण)

श्चर्जन रेज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 24 श्रप्रैल 1979

निदेश स० ए० एस० ग्रार०/79-80/18—यत मुझे, एम० के० धर

कायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), कि प्रारा 269-ख के प्रधीन सभम प्राधिकारी की, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति, जिसका उचित बाजार मूस्य 25,000/- इ० से घांक है

स्रोर जिसकी सं० 9 शैष्ट्स स्रोर 1/2 भाग डियोढ़ी में हैतया जो कि वडाली गुरू अरबन में स्थित हैं (स्रौर इससे उपाबद्ध अनुसूची में स्रौर पूर्ण रूप में विणित है), रिजस्ट्री-कर्ता स्रिधिकारी के कार्यालय स्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण स्रिधि-नियम, 1908 (1908 का 16) के स्रधीन, तारीख 11 स्रगस्त, 1978 की

पूर्वोक्ष नम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए भन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वाम करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिश्वत से भिष्टिक है, भीर अन्तरक (भन्तरकों) और भन्तरिती (भन्तरितियों) के बीच ऐसे भन्तरण के निए तय पाया गया। प्रतिफल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त मन्तरण सिखित में बास्तविक इप से कथित नहीं किया गया है:--

- (क) ग्रन्तरण से हुई किसी ग्राय की बावत उश्त अधिनियम के ग्रंधीन कर देने के ग्रन्तियक केदायिस्त्र में कमी करनेया उससे बचने में सुविधा केलिए; ग्रीर/या
- (ख) ऐसी किसी साय या किसी धन या सन्य सास्सियों को, जिन्हें भारतीय सायकर प्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त मिधिनियम, या धन-कर मिधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ सन्तरिसी द्वारा प्रकट नहीं किया गया या विसा जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः ग्रम, उस्त ग्रधिनियम, की घारा 269-ग के मनु-सरण में, में, उस्त श्रधिनियम की धारा 269-त्र की उपघारा (1) के अधीन, निम्नलिखित स्यक्तियों, अर्थात्।--

- । श्री हंसराज पुत्र श्री गंभु नाथ कपूर निवासी इस्तामाबाद, ग्रमृतसर। (श्रन्तरक)
- 2 श्री करतार सिंह पुत्र सरदाम सुरठा सिंह निवासी गाव बोहरू, तहसील ग्रीर जिला ग्रमुतसर। (ग्रन्तरिती)।
- 3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में स्रीर कोई किरायेदार हो ता। (वह व्यक्ति, जिसके स्रविभोग में संपत्ति है)।
- 4 यदि कोई श्रीर व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हों। (बह व्यक्ति, जिनके बारे में श्रदोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को पहुसूचना जारी करक पूर्वाक्त सम्मति के मर्जन के लिए कार्यवाहिया करना हूं।

उक्त सम्पत्ति के प्रजैन के नम्बन्ध में कोई भी श्राक्षेप:---

- (क) इस सूचना क राजरत में प्रकारत को तारीख से 45 दिन की अवधि या तस्सम्बन्धी व्यक्तियो पर सूचना की तामिल से 30 दिन की प्रवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोकत व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हिनबढ़ किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रधोह्स्ताक्षरी के पास लिखित में किए जा सकेंगे।

स्पब्दोक्तरमः — इसमें प्रयुक्त शब्दों घीर नदों का, जा उक्त घिनियम, के घष्ट्याय 20-क में परिभाषित हैं। बही सर्वे होना जो उस घष्ट्याय में दिया गया है।

प्रनुसूची

जायदाद जिसमें छ सिगल शैड, एक दोहरा शैड, दो दुनाने और 1/2 साग डियोढी में जैसा कि फार्म 37-जी० में है (9 शैड् और 1/2 भाग डियोढी (कोरीडोर) जैसा कि दफतर के अधिकारी ने मौके पर पाया) जिसका क्षेत्रफल 45803 व० मी० है मिन जुमला खसरा नं० 1052 जो कि वडाली गुरु अरबन म्यूनिसिपल कारणेरेशन, अमूतसर में है जैसा कि रजिस्ट्रेड डीड न० 3062 दिनाक 11-8-1978 आफ रजिस्ट्रीग अथारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धरः,, सक्षम प्राधिकारी, सहायक श्रायकर ग्रायक्त (निरीक्षण), श्रर्जन रेज अमृतसर ।

तारीख: 24-4-1979

प्ररूप भाई० टी० एन० एस०---

भायकर अधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269-घ(1) के अधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, महायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रजन रेज, अमृतसर

श्रमृतसर, दिनाक 24 श्रप्रैल 1979 निदेश स० ए० एस० श्रार०/79—80/91—~यत मुझे, एम० के० धर,

भायकर भिधितियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उक्त प्रधितियम कहा गया है), की धारा 269-ख के प्रधीत सक्षम प्राधिकारी को, यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्मत्ति, जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपए से अधिक है

भोर जिसकी स० 1/10 भाग एक इमारत का जिसका न० 14/4-1 है तथा जो कि चौक पासिया, प्रमृतसर में स्थित है (भौर इसमें उपाबद्ध प्रमृत्सी में भौर पूर्ण रूप में विणत है), रजिस्ट्रीकर्ता प्रधिकारी के कार्यालय, प्रमृतसर में रिजस्ट्रीकरण प्रधिनियम, 1908 (1908 का 16) के प्रधीन, तारीख 29 सितम्बर, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिक्तन के निए अन्तरित की गई है और मुझे यह निश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उमके दृश्यमान प्रतिकल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिकल के पन्त्रह प्रतिगत से अधिक है और अन्तरक (अन्तरकों) और अन्तरिती (अन्तरितियों) के बीज ऐसे अन्तरण के निए तय पाया गया प्रतिकल, निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तिक रूप से कियत नहीं किया गया है:—

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भाय की बाबत उक्त भ्रिधिनियम के भ्रधीन कर देने के भ्रम्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रौर/या
- (ख) ऐसी किसी ग्राय या किसी धन या ग्रन्य ग्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय ग्रायकर ग्राधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त ग्राधिनियम या धन-कर ग्राधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ग्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिए;

अतः अब, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-म के अनुसरण में मैं, उक्त श्रिधिनियम की धारा 269-म की उपधारा (1) के अभीत, निम्निविधित अपितरणों, ग्रापीत्:--

- श्री मोहन लाल पुत्र श्री मुनी लाल निवासी हाल बाजार द्वारा ईस्ट इण्डिया प्रैम, श्रम्तसर। (श्रन्तरक)
- 2 श्रीमती कमलेश गुलाटी पत्नी श्री मनोहर गुलाटी निवासी 13/1 रानी-का-बाग, ग्रमृतसर। (श्रन्तरिती)
- 3 जैसा कि ऊपर सं० 2 में और कोई किराण्दार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके भ्रिधिभोग में सपित्त है)
- 4 यदि श्रीर कोई व्यक्ति इस जायदाद मे कचि रखता हो। (बह व्यक्ति, जिनक बारे मे श्रश्नोहस्ताक्षरी जानता है कि बह संपत्ति में हिनबद्ध है)।

को पह सूत्रता जारी करके पूर्वीक्त सम्पति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हुं।

उक्त सम्पत्ति के भ्रर्जन के सम्बन्ध में कोई भी भ्राक्षेप :--

- (क) इस सूचना के राजपत्न में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की प्रविध या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी प्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वीक्त व्यक्तियों म से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र म प्रकाशन की तारीख से
 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबब्ध
 किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, अधोहस्ताक्षरी के पास
 लिखित में किए जा सकेंगे।

स्वष्टोक्तरम ---इसमें प्रयुक्त शब्दों स्रीर पदों का, जो उक्त स्रिधिनियम के स्रष्ट्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं स्रयं होगा जो उस स्रध्याय में दिया गया है।

अमुसूची

1/10 भाग एक इमारत का मसूमा लक्ष्मी मार्कीट नं० 14/4-1, 257, 259, 255, 778/4, 970 और 972/11 मिन 973 1/2 मिन 7/4,—1, 896, 780/11—7 और नं० 8/4 और नं० 1255 खाना सुमारी जो कि गुरू बाजार, चौं हे पासिया, बाजार बहियां (जिसका एरिया 38 मरला मीं०) है जैसा कि रिजस्ट्रेड डीड नं० 2406/1 निथि 29-9-78 आफ रिजस्ट्रेग अधारटी अमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

ण्म० के०धर, सक्षम प्राधिकारी, महायक भ्रायंकर भ्रायुक्त (निरीक्षण), भ्रर्जन रेज, भ्रमृतसर

तारीख: 24-4-1979

त्ररूप भाई० टी० एन० एस०---भायकर श्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269घ (1) के श्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक आयकर आयुक्त (निरीक्षण)

ग्रर्जन रेंज, अमृतसर

- प्रमृतसर, दिनाक 26 श्रप्रैल 1979 निदेश सं० ए० एस० प्रार०/79-80/20--यतः सुझे, एस० के० धर

आयकर स्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रिधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के स्रिधीन सक्षम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/- इ० से अधिक है।

श्रीर जिस्ति। सं० हिष भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है तथा जो कि महमूद नगर तहसील श्रमृतसर में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद अनुसूची में श्रीर पूर्ण रूप में विणत है), रिजस्ट्रीकर्ता अधिकारी के कार्यालय अमृतसर में रिजस्ट्री-करण श्रिधिनियम, 1908 (1908 का 16) के श्रधीन, तारीख 18 श्रगस्त, 1978

को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए अन्तरित की गई है और मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्द्रह प्रतिशत अधिक है और अन्तरित (अन्तरितयों) के बीच ऐसे अन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिफल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:——

- (क) भन्तरण से हुई किसी ब्राय की बाबत, उक्त श्रिष्ठि-नियम के श्रधीन कर देने से भन्तरक के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भौर/या
- (ख) ऐसी किसी म्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय श्रायकर म्रधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त भ्रधिनियम, या धनकर ग्रधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनाथ भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया भाना चाहिए था, खिपाने में सुविधा के लिए,

ग्रतः श्रव, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ग के श्रनुसरण में, में, उक्त श्रधिनियम की धारा 269-ध की उपद्यारा (1) के अधीन निम्नलिखित व्यक्तियों, श्रर्थात्:---

- श्री निशान सिंह पुत्र श्री बग्गा सिंह निवासी गांव चीचा
 तहसील अमृतसर। (ग्रन्तरक)
- 2. श्री धर्म सिंह पुत्र श्री गण्डा हिंग निवासी गाव हमीदगुरा, तहसील अमृतसर। (ग्रन्तरिती)
 - जैसा कि ऊपर सं० 2 में श्रीर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधभोग में संपत्ति है)।
 - यदि ग्रीर कोई व्यक्ति इस जायदात में किच रखता हो। (बह् व्यक्ति, जिनके बारे में ग्रधीहस्ताक्षरी जानता है कि वह गंगत्ति में हितबद्ध है)।

को यह मूचना जारी करने पूर्वोक्त सम्पत्ति ने घर्जन के लिए क्प्रयंवाहियां करता हूं।

उनन समाति के प्रतेत के पम्त्रत्य में कोई भी प्राक्षेत :---

- (क) इस सूबना के राजाज में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन की अवधिया तस्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समापन हो। हो, के भोतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस मूचना के राजरत में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हितबद्ध किसी भ्रन्य व्यक्ति द्वारा, भ्रघोहस्ताक्षरी के पास लिखिस में किए जा सकेंगे।

स्ताष्टीकरण: --इसमें प्रयुक्त शन्दों भौर पदों का, जो उक्त श्रधिनियम के भ्रध्याय 20-क में परिभाषित है, वहीं भ्रयें होगा, जो उस श्रध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

मृशि भूमि जिसका क्षेत्रफल 64 कनाल है किला नं० 22/7, 8/2, 15, 23/9, 10, 11, 12, 13, मिन 23/1/2 मिन जो कि महमूद नगर तहसील श्रमृतसर में स्थित है जैसा कि रजिस्टर्ड डीड नं० 3098 दिनांक 18-8-78 श्राफ रजिस्ट्रींग श्रथार्टी, श्रमृतसर के कार्यालय में दर्ज है।

एम० के० धर, सक्षम प्राधिकारी, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, भ्रमृतसर

तारीख: 26-4-1979

प्ररूप ग्राई० टी० एन• एस०---

भायकर ग्रिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 थ (1) के ग्रिधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक भ्रायकर भ्रायुक्त (निरीक्षण) श्रर्जन रेंज, अमृतसर

भ्रम्तमर, दिनांक 27 भ्रमेल 1979

निदेण मं० ए.० ए.स० श्रार०/टी० टी०/79-80/21यतः मुझे, ए.स० के० धर
श्रायकर श्रिधिनयम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें
इसके पश्चात 'उक्त श्रिधिनयम' छहा गया है),
की धारा 269-ख के श्रिधीन सक्षम श्रिधिकारी को, यह
विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पति, जिसहा
उचित बाजार मूल्य 25,000/- रुपये से श्रिधिक है,
और जिसकी सं० कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 85 कनाल
10 मरले है तथा जो कि गाय बिहानीपुर तहसील तरन
तारन में स्थित है (श्रीर इससे उपाबद्ध श्रनुसूची में श्रीर
पूर्ण स्प में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता श्रिधकारी के कार्यालय
तरन तारन में रजिस्ट्रीकरण श्रिधिनयम, 1908 (1908 क

16) के श्रधीन, तारिष्व 18 श्रगस्त. 1978 को पूर्वोक्स सम्पति के उचित बाजार मूल्य से कम के दृश्यमान प्रतिफल के लिए श्रन्तरित की गई है श्रौर मुझे यह विश्वास करने का कारण है कि यथापूर्वोक्स सम्पति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दृश्यमान प्रतिफल का पन्ब्रह प्रतिशत से श्रिधिक है श्रौर श्रन्तरक (श्रन्तरकों) श्रौर श्रन्तरिती (श्रन्तरितयो) के बीच ऐसे श्रन्तरण के लिये तय पाया गया प्रतिफल, निम्नलिखित इत्येष से उक्त श्रन्तरण लिखित में वास्तविक रूप से कथित नहीं किया गया है:—

- (क) धन्तरण से हुई किसी ग्राय की बाबत उक्त ग्रिंघिनियम, के ग्रिंघीन कर देने के अन्तर्क के दायित्व में कभी करने या उससे बचने में सुविधा के लिये; और/या
- (ख) ऐसी किसी ध्राय या किसी घन या ध्रन्य आस्तियों को, जिन्हें भारतीय ध्रायकर घिधिनियम, 1922 (1922 का 11) या उक्त अधिनियम, या धन कर अधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थ ध्रन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए था, छिपाने में सुविधा के लिये;

म्रतः भव, उक्त मधिनियम की धारा 269 ग के मनुसरण में, मैं उक्त अधिनियम की धारा 269-घ की उपधारा (1) के अभीन निम्निविधी अभिन्नों, निर्मा --

- श्री मन्तोख सिह पुत्र सरदार उत्तम सिंह निवासी गाव तारागक तहसील व जिला अमृतसर । (भ्रन्तरक)
- 2. सर्वेश्वी सकत्तर सिंह, निर्माल सिंह, दलवीर सिंह, जगतार सिंह ग्रौर जोगिन्द्र सिंह पुत्रान बन्ता सिंह पुत्र झंडा सिंह गांव होठियां तहसील तरन-नारन जिला ग्रम्तसर। (ग्रन्तरिनी)
- 3. जैसा कि ऊपर स० 2 में ग्रौर कोई किराएदार हो तो (वह व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)।
- 4 यदि भ्रौर कोई व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (वह व्यक्ति, जिनके बारे में भ्रधोहस्ताक्षरी जानता कि वह संपत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के अर्जन के लिए कार्यवाहियां गुरू करता हुं।

उक्त मम्पति के प्रजेन के मंबंध में कोई भी ग्राक्षेग:--

- (क) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाणन की तारीख से 45 दिन की अविध या तत्संबंधी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की प्रविध, जो भी ग्रविध बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजनत्र में प्रकाशन की तारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पति में हितबद किसी धन्य व्यक्ति द्वारा, ध्रधौहस्ताक्षरी के पास लिखित में किये जा सकेंगे।

स्पद्धीकरण: -- इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त भिधिनयम के भ्रष्टयाय 20-क में यथापरिभाधित है, वही भ्रयं होगा, जो उस अध्याय में दिया गया है।

अनुसूची

कृषि भूमि जिसका क्षेत्रफल 85 कनाल 10 मरले हैं जो कि गांव बिहारी पुर, तहसील तरन-तारन (ग्रमृतसर) में है खाता खतौनी नं० 58/142-57/140 जैसा कि रिजस्ट्रेड डीड न०3905 दिनान 18-8-78 श्राफ रिजस्ट्रीग श्रथारिटी तरन-तारन के कार्यासय में दर्ज है।

> एम० के० घर, सक्षम प्र1धिकारी, महायक श्रायकर श्रायुक्त (निरीक्षग), श्रर्जन रेंज, ग्रमृतसर ।

तारीख: 27-4-1979

प्ररूप भ्राई० टी० एन० एस०--

भायकर भिधिनियम, 1961 (1961 का 43) की धारा 269 ष (1) के ग्रधीन सूचना

भारत सरकार

कार्यालय, सहायक श्रायकर स्रायुक्त (निरीक्षण)

म्रर्जन रेंज, अमृतसर

ग्रमृतसर, दिनांक 28 श्रप्रैल 1979

निदेश सं० ए० एस० ग्रार० /79-80/22--यन: मुझे एम० के० धर

मायकर प्रधिनियम, 1961 (1961 का 43) (जिसे इसमें इसके पश्चात् 'उन्त प्रधिनियम' कहा गया है), की धारा 269-ख के मधीन सद्मम प्राधिकारी को यह विश्वास करने का कारण है कि स्थावर सम्पत्ति जिसका उचित बाजार मूल्य 25,000/-

रु० से अधिक है

भ्रौर जिसको सं० एक भूमि का प्लाट है तथा जो कि गुरदासपुर में स्थित है (ग्रीर इससे उपाबड़ श्रनुसूची मे ग्रौर पूर्ण रूप में वर्णित है), रजिस्ट्रीकर्ता ग्रधिकारी के कार्या-क्षय गुरदासपुर में रजिस्ट्रीकरण ग्रिधिनियम, 1908 (1908-का 16) के श्रधीन, तारीख 10 श्रगस्त, 1978 को पूर्वोक्त सम्पत्ति के उचित बाजार मृत्य से कम के प्रतिफल के लिए भन्तरित मीर यह विश्वास करने का कारण मुखे थथापूर्वोक्त सम्पत्ति का उचित बाजार मूल्य, उसके दृश्यमान प्रतिफल से, ऐसे दुश्यमान प्रतिकल का पन्द्रह प्रतिशत भ्राधिक मौर मन्तरक (भन्तरकों) भौर भ्रन्तरिती (अन्तरितियों) के बीच ऐसे भ्रन्तरण के लिए तय पाया गया प्रतिकल निम्नलिखित उद्देश्य से उक्त अन्तरण लिखत में वास्तविक अप से कथित नहीं किया गया है:---

- (क) भ्रन्तरण से हुई किसी भ्राय की बाबत, उक्त भ्रधि-नियम के प्रधीन कर देने के प्रन्तरक के दायित्व में कमी करने या उससे बचने में सुविधा के लिए; भ्रोर/या
- (ख) ऐसी किसी भ्राय या किसी धन या भ्रन्य भ्रास्तियों को, जिन्हें भारतीय, ग्रायकर ग्रधिनियम, 1922 (1922 की 11) या उक्त प्रिधिनियम, या धनकर मधिनियम, 1957 (1957 का 27) के प्रयोजनार्थं भन्तरिती द्वारा प्रकट नहीं किया गया था या किया जाना चाहिए या, छिपाने में सुविधा के लिए;

धतः धव, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-ग के अनुसरण में, मैं, उक्त प्रधिनियम की धारा 269-व की उपघारा (1) के मधीन निम्नलिखित व्यक्तियों प्रयीत् :---

- । श्री नरि-द्र नाथ पुत्र श्री कृपा नाथ निवासी गुरदासपुर।
- 2 श्रीमती उषा कुमारी पत्नी श्री जनक राज श्रीर जन कराज पुत्र फनह चन्द निवासी ,गुरदासपुर (ग्रन्तरिती)
- 3. जैस। कि उत्पर मं० 2 में श्रौर कोई किराएदार हो तो (बहु व्यक्ति, जिसके श्रिधिभोग में संपत्ति है)
- 4 यदि कोई और व्यक्ति इस जायदाद में रुचि रखता हो। (बह ब्यक्ति, जिसके बारे में श्रधोहस्ताक्षरी जानता है कि वह संगत्ति में हितबद्ध है)।

को यह सूचना जारी करके पूर्वोक्त सम्पत्ति के म्रर्जन के लिए कार्यवाहियां करता हं।

उका सम्पत्ति के अर्जन के सम्बन्ध में कोई भी आक्षेप :---

- (क) इस सूचनाके राजपन्न में प्रकाशन की तारीखासे 15 दिन की अवधि या तत्सम्बन्धी व्यक्तियों पर सूचना की तामील से 30 दिन की अवधि, जो भी अवधि बाद में समाप्त होती हो, के भीतर पूर्वोक्त व्यक्तियों में से किसी व्यक्ति द्वारा;
- (ख) इस सूचना के राजपत्र में प्रकाशन की नारीख से 45 दिन के भीतर उक्त स्थावर सम्पत्ति में हित्र इ किसी अन्य व्यक्ति द्वारा, श्रधोहस्ताक्षरी के पास लिखित में किए जासकेंगे।

स्पष्टीकरण:---इसमें प्रयुक्त शब्दों भीर पदों का, जो उक्त श्रिधिनियम के भ्रष्याय 20-क में परिभाषित है, वही भ्रर्थ होगा, जो उस भ्रष्ट्याय में दिया गया है।

अनुसूची

एक भूमि का प्लाट जिसका क्षेत्रफल 46×47 फुट (240 वर्ग गज) खमरा नं० 982 जो कि गुरदासपुर में स्थित है जैसा कि रजिस्ट्रड डीड नं० 3689 दिनांक 10-8-78 ब्राफ रजिस्ट्रींग ब्रथारिटी गुरदासपूर के कार्यालय में दर्जहै।

> एम० के० धर, सक्षम प्राधिकःरी, महायक प्रायकर प्रायुक्त (निरीक्षण), ग्रर्जन रेंज, ग्रम्तसर

तारीख: 28-3-1979

MINISTRY OF HOME AFFAIRS

DIRECTORATE GENERAL, CRP FORCE

New Delhi-110001, the 17th April 1979

No. O.II-20/76-Estt.—Consequent on his appointment as D.I.G. in the B.S.F., Shri W. G. J. Mudaliar IPS Rajasthan—1955) D.I.G., (on leave) stands relieved from CRPF w.c.t. the forenoon of 15th March 1979.

The 21st April 1979

No. O.II-1100/78-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr (Mrs) Mangala Rajan as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 5-2-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

No. O.II-1435/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Lt. Col. K. Goswami (Retd) as Commundant in the CRPF until further orders.

2. Lt. Col. K. Goswami took over charge of the post of Asstt. Director (Works) in the Dte. Genl. CRPF, New Delhi on the forenoon of 3rd April, 1979.

No. O.II-1045/75-Estt.—The Director General, CRPF is pleased to appoint Dr. V. Dalip Murty as Junior Medical Officer in the CRPF on ad hoc basis with effect from 24-3-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis, whichever is earlier.

The 23rd April 1979

No. O.II-126/72-Estt.—Consequent on the expiry of term of re-employment in the CRPF, Major B. K. Sobti relinquished charge of the post of Commandant Signals Group Centre, CRPF, Neemuch on the afternoon of 1st April, 1979.

No. O.II-1032/75-Estt.—The Director General CRPF is pleased to appoint Dr (M1s) Jyotsnamai Nayak as Junior Medical Officer in the CRPF on ad-hoc basis with effect from 28-2-79 (FN) for a period of 3 months only or till recruitment to the post is made on regular basis whichever is earlier.

No. O.II-1436/79-Estt.—The President is pleased to appoint on re-employment Col. Y. C. Chopra (Retd) as Commandant in the CRPF until further orders.

2. Col. Y. C. Chopra took over charge of the post of Principal CTC I, CRPF, Neemuch on the afternoon of 30th March, 1979.

The 24th April 1979

No. O.II-1434/79-Estt,—The President is pleased to appoint on deputation Shri Y. N. Saxena, an IPS officer of U.P. Cadre as D.I.G. in the CRP Force.

2. Shri Saxena took over charge of the post of Deputy Inspector General of Police, CRPF, Hyderabad on the forenoon of 4th April, 1979.

A. K. BANDYOPADHYAY, Assistant Director Adm)

OFFICE OF THE INSPECTOR GENFRAL CENTRAL INDUSTRIAL SECURITY FORCE

New Delhi, the 17th April 1979

No. L-32015(1)/5/78-Pers.—The President is pleased to appoint Shri Amalendu Chattopadhyay, Asstt. Fire Officer, Gauhati Air Port, Gauhati, as Asstt. Commandant (Fire) in the Central Industrial Security Force, in a temporary capa-

city with effect from the forenoon of 6th April, 1979 until further orders.

Sd/- ILLEGIBLE Inspector-General/CISF.

MINISTRY OF LABOUR J ABOUR BUREAU

Simla-171004, the May 1979

No. 23/3/79-CPF.—The All-India consumer Price Index Number for Industrial Workers on base 1960=100 increased by three points to reach 332 (three hundred and thirty two) during the month of March, 1979. Converted to base 1949=100 the index for the month of March, 1979 works out to 404 (four hundred and four).

T. SINGH, Deputy Director,

MINISTRY OF FINANCE DEPTT, OF ECONOMIC AFFAIRS BANK NOTE PRESS

Dewas, the 19th April 1979

F. No BNP/C/5/79.—In continuation to this Department's Notification number BNP/C/5/78 dated 19-12-78, the adhoc appointment of Shri G. L. Damor as Deputy Control Officer in Bank Note Press, Dewas is extended for a further period of two months with effect from 19-4-79.

The 20th April 1979

F. No. BNP/C/5/79.-- Shri H. R. Sharma, a permanent Inspector Control is appointed to officiate as Deputy Control Officer in the Bank Note Press, Dewas (M.P.) on ad-hoo basis in short term leave vacancy with effect from 3-4-1979 (F.N.) to 10th June 1979 (A.N.).

P. S. SHIVARAM, General Manager.

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT, N. R. RAIL-WAY

Gauhati, the 2nd March 1979

No. 316.—Shri M N. Roychoudhury, an officiating Audit Officer in the scale of Rs. 840-40-1000-EB-40-1200, is appointed in a substantive capacity in the same scale with effect from 1-4-78 against a permanent post sanctioned by the CAG of Ludia by conversion of one post of Audit Officer into permanent one, vide his letter No. 3970-GFII/44-78 dt. 30-12-78.

A. KRISHNAN Chief Auditor,

OFFICE OF THE DIRECTOR OF AUDIT DEFENCE SERVICES

New Delhi, the 19th April 1979

No. 265/A-Admn/130/79.—The Director of Audit, Defence Services, is pleased to appoint Shri A. I. K. Oberoi, Substantive member of the S.A.S. to officiate as Audit Officer in the office of the Joint Director of Audit, Defence Services, Central Command, Meerut, with effect from 29-3-79 (FN) until further orders.

No. 266/A-Admn/130/79.—Shri S. N. Mehrotra, officiating Audit Officer, in the office of the Senior Deputy Director of Audit, Defence Services, C/C Meerut, passed away on 23-2-1979.

K. B. DASS BHOWMIK.

Joint Director

MINISTRY OF DEFENCE

INDIAN OPDNANCE AND ORDNANCE EQUIPMENT FACTORIES

Calcutta, the 7th February, 1979

No. 1/79/A/M.—The President is pleased to appoint the following Permanent Asstt. Medical Officers as officiating Sr. Medical Officers in Ordnance Factory, Health Service with effect from the dates mentioned against each until further orders:

SI. No.	Name	Posted at	Date
1.	Dr. Mrs. B. Sarkar .	Ordnance Factory, Kanpur.	29-6-78 (Retired on 31-8-78)
2.	Dr. B. N. Sen	Ordnance Factory, Varangaon.	29-6-78
3.	Dr. D. K. Sanyal .	Cordite Factory, Aruvankadu.	29-6-78
	Dr. A. R. Chatta- padhyay	Ordnance Factory, Ambarnath.	29-6-78
5.	Dr. S. K. Bhattacharya	Ordnance Factory, Bhandara.	29-6-78
6.	Dr. Miss. J. R. Barua .	Ordnance Factory, Muradnagar.	29-6-78
7.	Dr. R. K. Paul .	Ordnance Factory, Katni.	29-6-78
8.	Dr. P. G. Sarkar .	Ordnance Factory, Tiruchirapalli.	29-6-78
	Dr. Priyakesh Mukherjee	Ordnance Factory, Dehra Dun.	29-6-78
10.	Dr. K. B. Das Gupta.	Ordnance Factory, Kanpur.	15-9-78
11.	Dr. S. K. Majumdar .	Gun Carriage Factory, Jabalpur.	1-7-78
12.	Dr. M. G. Chakraborty	Ordnance Factory, Ambajhari.	24-7-78
13.	Dr. Km. K. Subaiya .	Vehicle Factory, Jabalpur.	15-10-78

Lt. Col. K. BHAT1ACHARYYA

Dy. Director of Health Services

For Director General

Ordnance Factories.

MINISTRY OF COMMERCE, CIVIL SUPPLIES AND COOPERATION

OFFICE OF THE CHIEF CONTROLLER OF IMPORTS AND EXPORTS

New Delhi, the 20th April 1979

IMPORT AND EXPORT TRADE CONTROL

(ESTABLISHMENT)

No. 6/1204/77-Admn(G)/2962.—On attaining the age of superannuation. Shri Ajbaney Doolah an officer officiating in the Section Officer's Grade of the CSS relinquished charge of the post of the Controller of Imports and Exports in this office on the afternoon of the 31st March, 1979.

The 21st April 1979

No. 6/632/61-Admn(G)/3002.—The President is pleased to appoint Shri C. S. Arya, a permanent Officer of the Section Officer's Grade of the CSS to officiate in Grade I of the Service for a period of 3 months w.e.f. 1st February, 1979 or till a regular officer joins, whichever is earlier.

2. The President is also pleased to appoint Shri Arya as as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office for the aforesaid period.

4-56GI/79

No. 6/611/60-Admn(G)/3012.—The President is pleased to appoint Shri T I Stephen, a Permanent Officer of the Section Officer. Guide of CSS to officiate in Grade I of the Service with office from the forenoon of the 18th Decemb t 1978 until further orders.

2. The President is also pleased to appoint Shri Stephen as Dy. Chief Controller of Imports and Exports in this office with effect from the same date.

RAJINDER SINGH

Dy. Chief Controller of Imports and Exports. for Chief Controller of Imports and Exports.

MINISTRY OF INDUSTRY

(DEPARTMENT OF INDUSTRIAL DEVELOPMENT) OFFICE OF THE DEVELOPMENT COMMISSIONER SMAIL SCALF INDUSTRIES

New Delhi-110011, the 18th April 1979

No. A-19018(146)/74-Admn.(G).—Consequent on her Commissioner (Small Scale Industries) is pleased to appoint Shri T. R. Murthi, Superintendent, to officiate as Assistant Director (Gr. II) (General Administrative Division) in the Small Industries Service Institute, Jaipur with effect from the forenoon of 16th March, 1979, until further orders.

No. A-19018(146)/74-Admn.(G).—Consequent on her appointment as Deputy Director (Planning and Development) in the Directorate of Oil Seeds Development, Hyderabad, Smt. Madhuri Sarin, a Grade III Officer of the I.E.S. relinquished charge of the post of Assistant Director (Gr. I) (Economic Investigation) in Small Industries Service Institute, Hyderabad, on the afternoon of 22nd January, 1979.

M. P. GUPTA, Dy. Director (Admn.)

OFFICE OF THE TEXTILE COMMISSIONER

Bombay-20, the 21st April 1979

No. 18(1)/77-CLB II.—In exercise of the power conferred on me by Clause 11 of the Textiles (Production by Powerlooms) Control Order, 1956. I hereby make the following further amendment to the Textile Commissioner's Notification No. 15(2)67-CLBII/B, dated the 13th January, 1972. namely:—

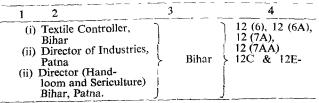
In the Table appended to the said Notification, against serial No. 2 the existing entry under column 2 shall be substituted by the following, namely:—

- '(i) The Director of Industries, Patna.
- (ii) Director (Handloom & Sericulture)."

The 23rd April 1979

No. C.L.B.I./1/6-G/79.—In exercise of the powers conferred on me by Clause 34 of the Cotton Textiles (Control) Order, 1948 and with the previous sanction of the Central Government, I hereby make the following amendment to the Textile Commissioner's Notification No. CLB I/1/6-G/71 dated the 13th January 1972, namely:—

In the Table appended to the said notification against S. No 2 for the existing entries in columns 2, 3 & 4, the following shall be substituted namely:—



G. S. BHARGAVA

Joint Textile Commissioner

DTE. GENERAL OF SUPPLIES & DISPOSALS (ADMN. SECTION A-6)

New Delhi, the 12th April 1979

No. A-17011/149/79-A6.—The Director General of Supplies & Disposals has appointed Shri S. C. Kohli, Examiner of Stores (Tex.) in the Northern Inspection Circle to officiate as Asstt. Inspecting Officer (Tex.) in the Headquarters office of the Directorate General of Supplies & Disposals at New Delhi with effect from 23rd March 1979 purely on ad-hoc basis and until further orders.

No. A6/247(479)/64-III.—The President is pleased to accept the resignation of Shri R. S. Dubey, Asstt. Director of Inspection (Met.) (Grade III of Indian Inspection Service Group A Met. Branch) in the office of the Director of Inspection (Met.), Jamshedpur under this Directorate General w.e.f. the afternoon of the 1st September, 1978.

P. D. SETH,

Dy. Director (Admn.)

for Director General of Supplies & Disposal

(ADMINISTRATION SECTION A-1) New Delhi-1, the 19th April 1979

No. A-1/1(224).—The President is pleased to appoint Shri J. C. Bhandari, permanent Director (Grade I of the Indian Supply Service), to officiate as Additional Director General in the Directorate General of Supplies and Disposals. New Delhi with effect from the forenoon of 4th April, 1979 and until further orders.

K. KISHORF

Deputy Director (Administration) for Director General of Supplies & Disposals

MINISTRY OF STEEL & MINES DEPARTMENT OF MINES GEOLOGICAL SURVEY OF INDIA

Calcutta-700016, the 19th April 1979

No. 2028BA-19012(6-CLVRA)/19B.—Shri C. L. V. R. Anjanevulu has been released on resignation from the post of Shift Boss in the Geological Survey of India with effect from the afternoon of 31st July, 1976, for joining the post of Assistant Controller of Mines in the Indian Bureau of Mines.

V. S. KRISHNASWAMY, Director General

INDIAN BURFAU OF MINES

Nagpur, the 17th April 1979

No. A-19011(122) /75-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint. Dr. K. K. Chatteriec, Asstt. Mineral Economist (Int.) to the post of Deputy Mineral Feonomist (Int.) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from 15-3-1979. (afternoon).

No. A-19011(61)/78-Estt.A.—On the recommendation of Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Dr. S. P. Deshpande, Deputy Ore Dressing Officer to the post of Supdig. Officer (Ore Dressing) in Indian Bureau of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 15th March, 1970.

The 21st April 1979

No. A.19011(73) /78-Estt.A.—On the recommendation of Department Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri N. R. Guota, Deputy Mineral Economist (I) to the post of Mineral Economist (Int) in Indian Bureau

of Mines in an officiating capacity with effect from the afternoon of 12-3-79.

No. A.19011(36)/79-Estt.A.—On the recommendation of the Departmental Promotion Committee, the President is pleased to appoint Shri R. Namasivayam, Publication Officer to the post of Asstt. Director (Publication) in Indian Bureau of Mincs in an officiating capacity with effect from the forenoon of 12-3-79.

S. BALAGOPAL Head of Office

SURVEY OF INDIA, SURVEYOR GENERAL'S OFFICE

Dehra Dun, the 19th April 1979

No. E1.5479/913-H.—Shri R. K. Chamoli who has been officiating in the post of Hindi Officer (Group 'B' post) in the Survey of India on ad hoc basis with effect from 17-3-73 vide this office Notification No. E1-4599/913-H dated 23-3-1973 issued under No. F1-10061/913-H dated 23-3-1973, is appointed to officiate as such on regular basis w.e.f. 2-2-1979 (FN) in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-EB-35-880-40-1000-EB-40-1200.

No. C-5480/PF(KR).—As a result of disciplinary action under the C.C.S. (CC&A) Rules, 1955 Shri Klshan Ram, Officer Surveyor, Survey of India is reduced to a lower post of Surveyor (Selection Grade) in Group 'C' Service, Survey of India with a pay to be initially fixed at the minimum of the time scale of pay of Rs. 550-25-750-EB-30-900 for a period of two years, with effect from the 12th January 1979 with further directions that on expiry of the said period of two years he shall automatically be restored to the post of Officer Surveyor in the Survey of India Class II (now Group 'B') Service and shall be given the same seniority as he holds now and his pay shall be fixed adding the number of increments that may accrue to him during the said period of two years.

No. C-5481/707.—The undermentioned officers are appointed to officiate as Officer Surveyor (Group 'B' post), Survey of India in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-E.B.-35-880-40-1000-E.B.-40-1200 with effect from the date as shown against each, purely on ad-hoc provisional basis:—

Sl. Name and Designation No.	Unit/Office	With effect from
1. Shri A. P. Semwal, Draftsman Div. I, Sel. Gde.	No. 1 Drawing Office (MPDte), Dehra Dun.	9-3-1979 (F.N.)
 Shri Prem Nath, Draftsman Div. I, Sel. Gdc. 	No. 9 Drawing Office (NWC), Chandigarh.	9-3-1979 (F.N.)
 Shri D. P. Badoni, Surveyor Sel. Gde. 	South Eastern Circle Office, Bhubaneswar.	12-3-19 79 (F.N.)

The 23rd April 1979

No. C-5482/594.—Shri Rama Nand Technical Assistant, Sel. Gde. is appointed to officiate as Assistant Manager, Map Reproduction (Group 'B' nost). Survey of India in the scale of pay of Rs. 650—30—740—35—810—EB—35—880—40—1000—EB—40—1200 with effect from 2nd March 1979 (F.N.).

No. C-5483/718-A.—Shri J. K. Sharma. Officiating Superintendent. Surveyor General's Office is appointed to officiate as Establishment and Accounts Officer (G.C.S. Group 'B' post) on ad-hoc basis in North Western Circle Office, Survey of India, Chandigarh on pay of Rs. 840/- p.m. in the scale of pay of Rs. 840—40—1000—EB—40—1200 with effect from 12th March 1979 (F.N.) vice Shri Sarup Singh, Establishment and Accounts Officer retired on 31-1-79 (A.N.).

No. C-5484/718-A.—The ad-hoc appointment of Shri Lakshmi Chandra as Establishment and Accounts Officer in Map Publication Directorate with effect from 27th November 1978 (F.N.) for 45 days in the leave vacancies of Sarva Shri C. S. Saksena and S. D. Kararia vide this office Notification No. C-5450/718-A dated the 21st December 178 is extended for a further period of 19 days from 13-1-79 vice Shri S. D. Kararia, Establishment and Accounts Officer extended his leave on medical ground.

K. L. KHOSLA Major General, Surveyor General of India (Appointing Authority)

DIRECTORATE GENERAL: ALL INDIA RADIO New Delhi, the 1979

No. 31/3/78-SII.—Director General, All India Radio, New Delhi is pleased to appoint Shri P. N. Mishra, Field Reporter, All India Radio, New Delhi to officiate as Extension Officer, All India Radio, New Delhi on a purely ad-hoc basis with effect from 20-3-79 until further orders.

S. V. SESHADRI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi the 20th April 1979

No. 10/12/79-Sill.—The Director General All India Radio is pleased to appoint Shri V. G. K. Murthy, of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at Doordarshan Kendra, Delhi with effect from 27-2-79 (F.N.).

No. 10/16/79-SIII.—The Director General, All India Radio is pleased to appoint Shri Ved Vrat Sharma of the cadre of Senior Engineering Assistant, All India Radio to officiate on promotion in the cadre of Assistant Engineer, All India Radio and post him at Doordarshan Kendra Delhi with effect from 28-2-79 (F/N) till further orders.

J. R. LIKHI
Deputy Director of Administration
for Director General

New Delhi-1, the 18th April 1979

No. 6(129)/63-SI.—The Director General, All India Radio hereby appoints Shri M. K. Shome, Transmission Executive, All India Radio, Gauhati as Programme Executive, All India Radio, Silchar in a temporary capacity with effect from 28th February, 1979 until further orders.

The 19th April 1979

No. 6(3)/63-SI.—On attaining the age of superannuation Shri A. P. Bhaumik, Programme Executive, All India Radio, Gauhati retired from Government service with effect from the afternoon of 31st March, 1979.

O. B. SHARMA
Deputy Director of Administration
for Director General

DIRECTORATE GENERAL OF HEALTH SERVICES New Delhi, the 16th April 1979

No. A. 31014/6/77-(AIIPMR)/Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shri M. L. Chainani to the post of Chief, Physiotherapy Department, All India Institute of Physical Medicine and Rehabilitation, Bombay in a substantive capacity with effect from the 10th August, 1976.

No. A. 35014/3/77((NTI) Admn. I.—The Director General of Health Services is pleased to appoint Shi Y. Vijaya Simha, Section Officer of the C.S.S. belonging to the cadre

of the Ministry of Information and Broadcasting to the post of Administrative Officer, National Tuberculosis Institute, Bangalore, on deputation basis, with effect from the forenoon of the 15th March, 1979, and until further orders.

The 21st April 1979

No. A. 19019/34/76(FRSL)/Admp. I.—Consequent on his resignation Dr. P. K. Jaiswal relinquished charge of the post of Senior Analyst, Food Research and Standardisation Laboratory, Ghaziabad in the afternoon of 27th February, 1979.

The 23rd April 1979

No. 17-22/75-Admn. I.—While proceeding on assignment with the U.N.C.T.A.D. Secretariat by availing of extraordmary leave Dr. S. S. Gothoskar resumed charge of the the post of Drugs Controller (India), Directorate General of Health Services on the afternoon of the 30th December, 1978.

2. On return from U.N.C.T.A.D. assignment and extraordinary leave Dr. S. S. Gothoskar resumed charge of the post of Drugs Controller (India), Directorate General of Health Services on the fore-noon of the 2nd April, 1979.

S. L. KUTHIALA Deputy Director Administration (O&M)

MINISTRY OF AGRICULTURE & IRRIGATION (DEPARTMENT OF RURAL DEVELOPMENT)

DIRECTORATE OF MARKETING & INSPECTION Faridabad, the 20th April 1979

No. Λ -19023/4/79- Λ :HI.—Shri M. Reddiah, A.M.O., is appointed to officiate as Marketing Officer (Group 1) at Guntur w.e.f. 29-3-1979 (F.N.) on short term basis for a period not exceeding 3 months or until regular arrangements are made, whichever is earlier.

2. Consequent on his promotion as Marketing Officer, Shri Reddiah relinquished charge of the post of A.M.O. at Anaparti in the forenoon of 26-3-1979.

The 21st April 1979

No. A-39013/1/79-A.III.—Consequent on the acceptance of the resignation tendered by him, Shri M. L. Saha, relinquished charge of the post of A.M.O. in this Directorate at Madras w.e.f. 31-3-1979 (A.N.).

The 23rd April 1979

No. A-19024/8/78-A.III.—On his attaining the age of superannuation, Shri C. S. Sharma, Chief Chemist, Regional Agmark Laboratory, Guntur, retired from Government service w.e.f. 31-3-1979 (A.N.).

B. L. MANIHAR
Director of Administration
for Agricultural Marketing Adviser

PREINVESTMENT SURVEY OF FOREST RESOURCES Dehra Dun, the 21st April 1979

No. 4-3/79-Adm.—Shri S. D. Joshi, Assistant Conservator of Forests, Maharashtra State (East Chanda Division) is hereby appointed as Assistant Conservator of Forests in Preinvestment Survey of Forests Resources, Central Zone, Nagpur on deputation basis w.e.f. 26th March, 1979 (F.N.) until turther orders.

C. L. BHATIA Chief Coordinator

BHABHA ATOMIC RESEARCH CENTRE (PERSONNEL DIVISION)

Bombay-85, the 17th April 1979

No. R 1797, RMD/Estt.I/1675.—Director, Bhabha Atomic Research Centre has accepted the resignation from service tendered by Shri Maganty Venkata Krishna Rao, a temporary Scientific Officer Grade SB in the same Research Centre with effect from 28-9-1978 AN.

V. M. KHATU Dy. Establishment Officer

DEPARTMENT OF ATOMIC ENERGY NARORA ATOMIC POWER PROJECT

Narora-202397, the 16th February 1979

No. NAPP/Adm 1(110)/79/S, 1907.—Chief Project Engineer, Narora Atomic Power Project Appoints Shri S. C. Jam a Substantive Upper Division Clerk of Power Projects Engineering Division Pool and officiating Assistant Accountant of Rajasthan Atomic Power Project to officiate as Assistant Personnel Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-880-FB-40-960 in the Narora Atomic Power Project with effect from the forenoon of January 31, 1979 until Turther orders.

S. KRISHNAN Administrative Officer for Chief Project Engineer

DIRECTORATI OF PURCHASI AND STORES

Bombay-400001, the 18th April 1979

No DPS 2 1(19)/77-Adm/11383—In continuation of this directorate Notification of even No dated September 26, 1978, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri B. S. Sharma, a temporary Storekeeper to officiate as Assistant Stores Officer in the scale of pay of Rs. 650-30-740-35-810-1 B-35-880-40-1000-1 B-40-1200 for a further period upto 22-2-79 (A.N.)

Ref. DPS/2 1(16)77-Acm 11389.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated May 1, 1978, the Director, Directorate of Purchase and Stores, Department of Atomic Energy, appoints Shri Parari Kizhakkodan Radhaktishnan, officiating Storekeeper in the Stores Unit (DPS), VEC Project at Calcutta as an Assistant Stores Officer on an ad-hoc basis in the same Directorate for a further period upto 13-2-1979 AN.

The 19th April 1979

No. DPS, 2/1(1)/77-Adm/11553.—In continuation of this Directorate Notification of even number dated July 10, 1978, Director, Purchase and Stores, Department of Atomic Energy appoints Shri R. C. Nayyar, Storekeeper of this Directorate to officiate as Assistant Stores Officer on *ind-hor* basis for a further period upto February 26, 1979 (FN).

B. G. KULKARNI Assistant Personnel Officer

DEPARTMENT OF SPACE CIVIL ENGINEERING DIVISION

Bangalore-560025, the 22nd March 1979

No. 10.7(192) 73-C1D(H) - Whereas Shri K. Thiaga rajan who is employed as Engineer SB in the Civil Engineering Division of the Department of Space has absented himself from duty with effect from the 27th January 1978.

AND whereas the present whereabouts of the above person are not known.

AND whereas the undersigned, as the disciplinary authomy is satisfied that it is not reasonably practicable to hold an enquiry as prescribed under the Department of Space Employees' (Classification, Control & Appeal) Rules 1976 and had provisionally come to the conclusion that his service should be terminated and had accordingly notified in the Press vide Notification. No. 10 7(192/73-CED(II), dated 23-8-1978 which had been published in "The Hindu", Madras on the 11th September 1978 and had also served the said notification on the above person by registered post. A.D. to the last known address of said Shri Thiagarajan and the said notification had been received by Smt. S. Saroja on 30th August, 1978 for and on behalf of the said Shri K. Thiagarajan and by virtue of the said notification Shi Thiagarajan was directed to report to the undersigned within a fortnight from the date of publication of the notification and to state why the penalty of dismissal from service should not be imposed.

AND now that Shri Thiagarajan has failed to avail the apportunity offered to him to report and to represent against the action proposed and communicated to him.

Now, therefore, the undersigned as the Disciplinary Authority and the Appointing Authority is pleased to order the disnussal from service of the said Shri K. Thiagarajan from the post of Engineer SB in Civil Engineering Division of Department of Space with effect from the forenoon of January 27, 1978.

R. D. JOHN Chief Engineer

Bangalore-568025, the 7th February 1979

No 10/5(20)/78-CED (II). -Chief Engineer, Civil Engineering Division, Department of Space is pleased to promote the undermentioned officers of the Civil Engineering Division of the Department of Space to posts as indicated against each with effect from the afternoon of September 30, 1978 in an officiating capacity and until further orders.—

SI. No.	Name	Post & grade from which promoted.	Post & Grade to which promoted
	K. Viswanathan		Engineer SB
2. Shri V	.G. Gowrisankar	Foreman (Elec.)	Engineer SB

P.I.U. NAMBIAR Administrative Officer-II

ISRO SATELLITE CENTRE

Bangalore, the 21st February, 1979

No. 020/3 (061)/A/79.—Director ISRO Satellite Centre is pleased to appoint the undermentioned persons to posts and with effect from the forenoon of the dates indicated against each in the ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space on a purely temporary and provisional basis and until further orders:

SI. No.	Name	Designation	Date
1. Shti	R. Anbumani	Engineer SB	10-1-1979
2. Shri	Yateendra Mehta	Engineer SB	15-1-1979
3. Shti Ran	Ashwani Kumar nani	Engineer SB	16-1-1979

The 23rd February 1979

No. 020/3(061) 79 -- Director, JSRO Satellite Centre is pleased to accept the resignation from service of Shri Dinesh

Kumar Gupta from the post of Engineer 'SB' in ISRO Satellite Centre, Bangalore of the Department of Space w.e.f, the 16th January 1979 (A.N.).

K. S. KRISHNAN Administrative Officer

OFFICE OF THE DIRECTOR GENERAL OF CIVIL AVIATION

New Delhi, the 12th March 1979

No. A,32014/2/79-EC.—The Director General of Civil Aviation is pleased to appoint Shri V. R. Chhabra, Communication Assistant Aeronautical Communication Station. Palam to the grade of Assistant Communication Officer on ad-hoc basis w.e.f. 19-2-79 (FN) to 15-3-79 vice Shri G. S. Vedi. Assistant Communication Officer proceeded on Hindi Training and to post him at the same station.

No. A-38012/1/79-EC.—The undermentioned three Assistant Communication Officers relinquished charge of office on retirement from Govt, service on attaining the age of superannuation on the date and at the station indicated against each:—

S. No.	Name	 Station Of Posting	Date of retirement	
1. Shrı A	K. Haldar	Aero. Com. St., Calcutta	31-12-78 (A.N.)	
2. Shri R	K. Mitra	Aero. Comm. Stn., Calcutta	31-12-78 (A.N.)	
3. Shri J.	K. Routh	Acro. Comm. Stn., Calcutta	31-1-79 (A.N.)	

The 16th April 1979

No. A.32013/4/77-EC.—In continuation of this Department Notification No. A. 32013/4/77-EC, dated 16-11-78, the President is pleased to sanction continued ad-hoc appointment of Shri N. Muniandy, Assistant Communication Officer in the office of the Regional Director, Madras to the grade of Communication Officer, beyond 26-3-79 and upto 26-9-79 or till regular appointments to the grade are made, whichever is earlier.

S. D. SHARMA Dy. Director of Administration

New Delhi, the 19th April 1979

No A-38013/1/79-EA.—Shri S. S. Pillai, Aerodrome Officer, Civil Aerodrome Trivandrum retired from Government service on the 31st March, 1979 (AN), on attaining the age of superannuation.

S. L. KHANDPUR Assistant Director of Administration

OVERSEAS COMMUNICATIONS SERVICE

Bombay, dated the 16th April 1979

No. 12/1/79-Est.—The following officiating Assistant Administrative Officers, are appointed as Assistant Administrative Officer in a substantive capacity in the post and with effect from the date indicated against each:—

Sl. No.	Name		Date of substantive appointment				
1. Shri T	. B. S. Velu	 		1-7-1976			
2, Shri S	. Das Gupta			1-9-1978			
3, Shri M	I. S. Mani			1-2-1979			

S. SREENIVASACHAR Director General.

MINISTRY OF RAILWAYS (RAILWAY BOARD)

New Delhi, the 18th January 1979

No. 78/W6/TK/2.—The Ministry of Railways (Railway Board) hereby accord post-facto aproval to the transfer of the maintenance of the following portion of track from the Central Railway to the Northern Railway alongwith all connected ussets:

"The track from Kms. 1515.00 to 1518.61 between Tughlakabad and Delhi on Delhi-Mathura section. The inter-railway boundary limit would now be Km. 1515.00"

P. N. MOHILE Secretary, Railway Board Ex-officio It. Secretary

MINISTRY OF LAW, JUSTICE AND COMPANY AFFAIRS

(DEPARTMENT OF COMPANY AFFAIRS) COMPANY LAW BOARD

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Kulam Hussaln Allibhoy & Sons Private Limited

Bombay, the '4th April 1979

No. 1857/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the M/s, Kulam Hussain Allibhoy & Sons Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of M/s. Devidas Private Limited

Bombay, the 4th April 1979

No. 3700/560(3).—Notice is hereby given pursuant to sub-section(3) of section 560 of the Companies Act, 1956 that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Mrs. Devides Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

L. M. GUPTA Registrar of Campanies, Maharashtra, Bombay.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Satkar Vinance Private Limited

Jullundur, the 20th April 1979

No. G./Stat/560/528.- Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expitation of three months from the date hereof the name of the Satkar Finance Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of B. L. Financiers & Chit Fund Comapny Pirvate Limited

Jullundur, the 19th April 1979

No. G./Stat/560/516.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the B. L. Financiers & Chit Fund Company Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Gulnar Financiers & Chit Fund Private Limited

Jullundur, the 19th April 1979

No. G./Stat/560/518.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1956, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Gulnar Financiers & Chit Fund Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited

Jullundur, the 24th April 1979

No. G./Stat/560/3122/723.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (3) of section 560 of the Companies Act, 1976, that at the expiration of three months from the date hereof the name of the Harjas Traders & Chit Fund Financiers Private Limited, unless cause is shown to the contrary, will be struck off the Register and the said company will be dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Himachal Films Limited

Jullundur, the 24th April 1979

No. G./Stat/560/3014/725.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956 that the name of Himachal Films Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Coronation Woollen and Steel Industries Private Limited

Jullundur, the 24th April 1979

No. G./Stat/560/3212/727.—Notice is hereby given pursuant to sub-section (5) of section 560 of the Companies Act, 1956, that the name of Coronation Woollen and Steel Industries Private Limited has this day been struck off the Register and the said company is dissolved.

O. P. JAIN
Registrar of Companies,
Punjab, H.P. & Chandigarh.

In the matter of the Companies Act, 1956 and of Alok Finance Private Limited, Indore

Gwalior, the 23rd April 1979

No. 1097/Liqn/C.P./341.—Notice is hereby given pursuant to Section 445(2) of the Companies Act, 1956 that Alok Finance Private Limited, Indore has been ordered to he wound up by an order dated 16-2-1972 passed by the Hon'ble High Court of Madhya Pradesh, Bench Indore and the Official Liquidator, Indore has been appointed as the Liquidator of the Company.

S. K. SAXENA Registrar of Companies, Madhya Pradesh, Gwalior.

OFFICE OF THE REGISTRAR OF COMPANIES

INCOME-TAX ESTABLISHMENT

Bombay, the 30th March, 1979

No. 928.—In exercise of the powers conferred by the subsection (2) of the section 117 of the I.T. Act, 1961 (Act. 43 of 1961), I, Shri V. D. Sonde, Commissioner of Income-tax, Bombay City-I, Bombay have appointed the undermentioned Inspectors of Income-tax to Officiate as Income-tax Officer Class-II with effect from the dates shown against their namess and until further orders:—

S/Shri

(1)	A. R. Jadhav	•	•	Inspector	16-2- 79 (F.N.)
(2)	V. Z. Raut .		•	"	15-2 - 79 (A.N.)
(3)	M. J. Borde .			"	15-2-79 (F.N.)
(4)	Y. A. Sonavane	•	•	"	16-2-79 (F.N.)
(5)	C. S. Jambhore		•	**	16-2-79 (F.N.)
(6)	S. R. Tambe			"	16-2-79 (A.N.)

- 2. They will be on probation for a period of two years in terms of letter F. No. 22/3/64-Ad. V dated 25-4-75 from the Government of India, Ministry of Finance (Deptt. of Revenue), New Delhi. The period of probation may, if necessary be extended beyond the above period. Their confirmation and or retention in the post will depend upon the successful completion of the probationary period.
- 3. Their appointments are made on a purely temporary and provisional basis and liable to terminate at any time without notice.

V. D. SONDE Commissioner of Income-tax Bombay City-I, Bombay

INCOME TAX DEPARTMENT

Pune, the 20th March 1979

No. 1.—The following Officers are hereby confirmed as Income-tax Officers, Group 'B' (Class II) with effect from the dates shown against them.

Sl. No. Name	e of the Officer					Date from which confirmed	
1	2					3	
S/Shri							
1. R. D. Javir						6-10 - 1975	
2. V. R. Lokur						6-10-1975	
3. S. Y. Patil						6-10-1975	
4. V. S. Shikarpur						6-10-1975	
5. N. S. Mahajan						6-10-1975	

1	2		•		3
6.	M. D. Phandis				1-4-1977
7.	N. G. Thite				22-7-1977
8.	V. S. Chirmade				1-9-1978
9.	P. N. Kedar	•	•		1-10-1978

2. The dates of confirmation are subject to modification at a later date, if found necessary.

Income-tax Establishment

- No. 2.—Shri Hans Raj Arya is hereby confirmed as Income-tax Officer, Group 'B' (Class II) with effect from 17-3-1979.
- 2. The date of confirmation is subject to modification at a later date, if found necessary.

P. S. BHASKARAN Commissioner of Income-tax, Punc-I, Punc.

(1) Shrimati Ved Prabha Wadhwa wife of Late Shri G. L. Wedhwa, Resident of House No 156/15 Jacum Pura, Gurgaen (Harvana).

(Transferor)

(2) Shii Ashwani Kumai Budhiraja son of Shri Sita Ram Budhiraja -Resident of D-6/14 Vasant Vihar, New Delhi. (Transferee)

TAX ACT. 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-1 4/14A, ASAF ALL ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 9th April 1979

No. IAC Acq.I/S.R.III/Aug.22/1978-79 —Whereas I, Miss Anjani Oza,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. D-6/14 situated at Vasant Vihar, New Delhi (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 24-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Incometax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An immovable property No. D-6/14 measuring 400 sq. yards together with a single storeyed structure with a mumty at the first floor, situated at Vasant Vihar, New Delhi and bounded as under:—

North: 15' wide service road,

South: Plot No. 15 East: Street No. D-6

East : Street No. D-6
West : 15' Wide Service Road.

MISS ANJANI O7A
Competent Authoray,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delbi/New Delha

Date: 9-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th April 1979

No. IAC Acq.I/S.A.III/Aug.H(61/1978-79/609,--Whereas I, Miss Anjani Oza,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

at Flat No. 204, Savitri Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at New Delhi on 19-8-1978,

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the sald Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—
15—56QL/79

 M/s. D. L. F. UNITED LIMITED, 21-22 Narindra Place, Parliament Street, New Delhi,

(Transferor)

(2) Shri Mahesh Gupta son of Lala Matu Ram Resident of E-108 Greater Kailash-II, New Delhi. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 204 (2nd Floor) measuring 488.6 sq. ft Cinema Complex Building, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANJANI OZA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE-I 4/14A, ASAF ALI ROAD, NEW DELHI-110001

New Delhi, the 12th April 1979

No. IAC Acq. I/S.R.III/Aug.88/1978-79/617.—Whereas I. Miss Anjani Oza,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

No. Office Flat No. 301 situated at Savitri Cinema Complex. Greater Kailash-II, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at at New Delhi on 28-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, Act 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) M/s. D. L. F. United Limited, 21-22 Narindra Place, Parliament Street, New Delhi (Transferor)
- (2) Shrimati Basanti wife of Maj. Gen. Daryao Singh Rajinder Deswal son of Maj Gen. Daryao Singh Resident of House No. 118 Sector 8 Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any ohter person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act,' shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

An Office Flat No. 301 (3rd Floor) measuring 549.1 sq. ft. situated at Cinema Complex, Greater Kailash-II, New Delhi.

MISS ANIANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I
Delhi/New Delhi

Date: 12-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 674-A/Mrt/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATUR-VEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Mrt. on 8-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- Smt. Laxmi Devi w/o Shyam Kishore r/o 1030, Brahampuri, Meerut. (Transferor)
- S/Shri Ram Bux Pijar Pherumal, Rakesh Kumar Pisar Ram Bux r/o Sarai Laldas, Distt. Meerut.
 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expire later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 1030 Brahampuri, Distt. Mccrut sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 78,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-4-79

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 739-A/G.bad/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

number as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 1-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- S/Shri Governor U.P. Govt. through Joint Secretary Government Industries Department, U.P., Lucknow. (Transferor)
- S/Shri U.P. Handloom Corpn. Regd. Office, B-25, Sarvodayanagar, Kanpur through S. M. Srivastava, Joint Secretary and A. P. Singh, Managing Director. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immorable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land 1589.30 sq. meter or 1900 sq. yd. situated at village Pilkhuva Distt, Gaziabad Maruf Pilkhuva Dye House Bamaya Julma Machinery and plot sold for an apparent consideration of Rs. 84,201.86 the fair market value of which has been determined at Rs. 218,300/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-4-1979

Scal:

1 S/Shri Mohindra Singh s/o Amin Singh r/o Ahmad nagar Tauli, Bulandshahar.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref No 748-A—Whereas, I, B C CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Anupshahar on 9-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

2 S/Shri Nanak Chand s/o Umrao Singh, Om Prakash, Ramesh s/o Kaheia, Pyarey s/o Pusaram and others r/o Ahmadnagar Tauli, Bulandshahar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

Explination —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring one bigha five Biswa situated at Deokaranpur sold for an apparent consideration of Rs. 74 000/- the fair market value of which has been determined at Rs 90,000 -

B C CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assit Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur

Date 11-4-79 Seal

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACOUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 11th April 1979

Ref. No. 651-A/Saharanpur/78-79.--Whereas, I, B. C. CHATURVED1

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing number as per Schedule, situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed

hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Muzaffarnagar on 11-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer, with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Smt. Ramkali w/o Dharam Singh r/o Nurnagar, Tah. & Distt. Muzaffarnagar, Smt. Risali w/o Dalmir, Smt. Sultani w/o Lala r/o Timola Pargana Maket, Tah. Roorkee.

(Transferors)

 S/Shri Bahal Girwar, Jagat Singh, Dalam Singh sons of Balwant Singh s/o Nurnagar Pargana Parachdar Distt. Muzaffarnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Nurnagar sold for an apparent consideration of Rs. 36,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 70,600/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 11-4-79

1 S/Shri Satyabiat Tyagi s/o Sii Jyoti Prasad Tyagi r/o House No. 384, Uttum Batika, West Court Road, Meeiut city on behalf of Mukhtar-ai-am Smt. Rajesh Tyagi.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961) S/Shri Sudesh Tyagi w/o Sri Satyendra Tyagi r/o village Falauda, Distt. Muzaffarnogar.

(Transferce)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 151-A.—Whereas, I. B. C. CHATURVEDI being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said' Act'), have reason to believe that immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Meerut on 23-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One House property No 363/3 Kutchehari Marg, Meerut City sold for apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 66,800/-.

B. C. CHATURVFDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-4-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

S/Shri Khichabu Singh s/o Sri Kaley r/o Panjaniyan, Khuria.

(Transferor)

 S/Shri Khan Chandra s/o Dhajua r/o Panjaniyan, Khurja.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 655-A/B-Shahar/78-79.—Whereas, I, B, C CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'snid Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Khurja on 19-8-78

for an apparent

consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, 1961 43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Khurja sold for an apparent consideration of Rs. 7250/- the fair market value of which has been determined at Rs. 111,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER

OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No 740 A/G bad/78-79.—Whereas, I, B. C CHATURVED1

being the Competent Authority under Section

269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No

as per Scheduled situated at per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hapur on 1 8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

16-56GI/79

(1) Shri Sarder Singh 5/0 Shri Phool Singh r/0 Raghunathpur Parg & Tah Hapui, Post Bhatinda Distt Gaziabad

(Transferor)

(2) Shri Dhannoo Devi d/o Shri Dullu r/o Mohalla Chardi Kasba Hapur, Bhagey Ram s/o Shri Budun r/o Raghunathpur Post Bhatiana Parg & Tah Hapur Distt Gaziabad.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetta,

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as giver in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Raghunathpur Parg & Tah Hapur Distt. Gaziabad sold for an apparent consideration of Rs 57,000/- the fair market value of which has been determined at Rs 79,267/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 750-A/M.Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kairana on 1-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/er
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I, hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Inamullah Khan s/o Karamat Ali Khan r/o Garhi Hasanpur Pargana Jhijhana Tah. Kanana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferog)

(2) S/Shri Ram Chandra, Nekiram ss/o Shri Daduram r/o Garhi Hasanpur Post Khas Pargana Jhijhana Tah. Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Garhi Hasanpur sold for an apparent consideration of Rs. 59,232/- the fair market value of which has been determined at Rs. 93,500/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 751-A/M. Nagar/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kairana on 8-8-78

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax, Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following person, namely:—

 Shri Pradip Prakash s/o Late Sri Mahendra Prakash and Smt. Sharda Kumar w/o Sri Mahendra Prakash r/o Rais, Muzaffarnagar.

(Transferor)

(2) Smt. Javitri Devi w/o Sri Bhagwan Sahai, Smt. Tikam Devi w/o Rajpal Singh r/o Harad Fatahpur Post Khas Pargana Thana Bhavan Tahsil Kairana Distt. Muzaffarnagar.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Hind Pargana Thana Bhawan sold for an apparen consideration of Rs. 100,000/the fair market value of which has been determined at Rs. 196.000/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-4-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 12th April 1979

Ref. No. 754-A.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. as per Scheduled situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Januarth on 29-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than infteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Puran Pratap Singh s/o Shri Pitambar Singh r/o near Bada Post Bikaner (Raj.) Smt. Urmila Devi w/o Shri Prem Swarup r/o Mandawar Distt. Bijnoor.

(Transferor)

(2) Smt. Vimla Devi w/o Shri Subey Singh r/o Gujar House Pakka Bagh, Khatauli Pargana Khatauli Tahsil Jansath Distt, Muzaffarnagar,

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at village Talda sold for an apparent consideration of Rs. 129,900/- the fair market value of which has been determined at Rs. 175,440/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Incmco-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 12-4-1979

FORM ITNS ...

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1979

Ref. No. 527 /Acq./Etah/78-79.—Whereas, 1, B, C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. as per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred, under the Registration Act, 1908

(16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 11-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

 Shri Virendra Kumar s/o Shri Keshav Dass, Shri Ashok Kumar s/o Shri Kanhaiya Lal r/o Pakki Gali Mohalla Nathuram, Etah.

(Transfer)

(2) Shri Harishanker Maheshwari s/o Shri Kanhaiya Lal, Rajendra Pd. Gupta s/o Shri Lachman Prasad, Smt. Omlata w/o Shri Chandra Prakash r/o Kasba Sikandarabad Shri Satya Prakash s/o Shri Babu Lal r/o village Uchagaon Tah, Jalesar Distt. Etah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land 8 Bigha 17 Biswa 15 Biswansi situated at village Sikandrarao, Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 22,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 80,000/-.

B. C. CHATURVEDI,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 16th April 1979

Ref. No. 535/Acq./Etah/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair marked value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Vimlesh Kumari w/o Rameshwar Sahai Raijada r/o Fatchgarh, Distt. Farrakhabad, Hal Badaun, Mohalla Shaikhpatti, Distt. Badaun.

(Transferor)

 S/Shri Ranjit Singh, Ram Shanker Singh s/o Malikhan Singh Thanwaley sakin Goria Shikam Pargana Sohar, Mahendra Singh, Rajendra Singh, Hem Singh sons of Malikhan Singh, Holiwaley, Garia Shilam Pargana Sohar, Distt. Etah.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.48 Acre situated at Nagola Pancham Pargana, Sohar Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 41,600/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-.

B. C. CHATURVED!
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-Tax
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-4-1979

 S/Shri Mahendrapal s/o Surajpal r/o Jinawali, Post Avagarh Pargana Jalesar, Distt, Etah.

 S/Shri Gajraj Singh s/o Sujan Singh, Bahadur Singh s/o Nawab Singh, Kamal Singh, Brijendra Singh, Naipal Singh sons of Lala Ram and others r/o Kalian-

pur Majara Jinavali, Pargana Jalesar, Distt. Etah.

(Transferor)

(Transferee)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

K∗

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanur, the 16th April 1979

Ref. No. 586/Ac./Jalaun/78-79.—Whereas, I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing

number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Jalesar on 14-9-78 at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 6.07 Acre situated at village Jinavali, Pargana Jalesar, Disti. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 56,500/- the fair market value of which has been determined at Rs. 94,200/-.

B. C. CHATURVEDL Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-inx, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 16-4-1979

Soal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

S/Shri Inder Beti s/o Kailash Chand Agarwal, Chakki Bazar Hathras, Distt. Aligarh, Smt. Usha Agarwal w/o Jamuna Pd. r/o Sedwara, Tilakdwar, Mathura.

(Transferor)

S/Shri Nanak Chand s/o Chiranjilal Yadav r/o Lohamandi, Khatipara, Distt. Agra.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 139/Acq./Hathras/78-79.—Whereas, I, B, C. CHATURVEDI

being the competent authority under section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. As per Schedule situated at as per Schedule

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Hathras on 6-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any money or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazatte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property shop Tin Khati & Sayavan in front of the same situated at Chakki Bazar, Hathras, Distt. Aligarh sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 60,000/-

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-4-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No 242/Acq./Ftah/78-79.—Whereas, CHATURVEDI C. T. В. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing number as per Schedule situated at as per Schedule (and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Etah on September 78 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent considration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

17—56GI/79

 S/Shri Surajpal s/o Krishna Gopal r/o Sonkala, pargana Etah Sakit, Tah. & Distt. Etah.

(Transferor)

2. S/Shri Yakub Khan s/o Mahboob Khan, Nasir Khan s/o Bashir Khan, Sher Khan. Jabbar Khan s/o Wazid Ali r/o Sonkala, Pargana Etah Sakit. Tah. & Distt. Ftah

(Transferee)

Objections. if any, to the acquisition of the said proported may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a perform of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA in the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land situated at Sonkalan Pargana Etah Sakit, Distt. Etah sold for an apparent consideration of Rs. 15,000/the fair market value of which has been determined at Rs 49,500/-.

B. C. CHATURVEDI Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Incometax, Acquisition Range, Kanpur.

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 891/Acq/Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULF (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 27-9-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transfer to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the a quisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the 'said Act', to the following persons, namely:—

 Dr. Shashi Prabha Jain d/o Lala Gopinath Jain w/o Ratan Kumar Gupta r/o 38 Lajpatnagar, Alwar.

(Transferor)

(2) Shri Ashaifi Lal Jain s/o Patiram Jain, Arun Kumar Jain s/o Ashaifi Lal Jain r/o 10/47 Katara Madari Khan, Agra.

(Trnasferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notics on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House property No. 13/208 Nagala Budhan Syed Nakhasa, Agua sold for an apparent consideration of Rs. 40,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 70 000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 18-4-1979

Scal:

FORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KANPUR

Kanpur, the 18th April 1979

Ref. No. 889/Acq./Agra/78-79.—Whereas I, B. C. CHATURVEDI

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,099/- and bearing No.

AS PER SCHEDULE situated at AS PER SCHEDULE (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Agra on 25-9-78

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evesion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269°D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri Guarishanker s/o Lala Shambhunath, Ghanshyam, Hari Shanker, Sharad Kumar sons of Lala Gaurishanker and others r/o 44A Mall Road, Agra. (Transferor)
- (2) Shii Amathath Ji s/o Visheshwar Nath r/o Roshan Mohalfa Agra.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property shop No. 29/199 Rajamandi, Agra sold for an apparent consideration of Rs. 50,000/- the fair market value of which has been determined at Rs. 75,000/-.

B. C. CHATURVEDI
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Kanpur

Date: 184-1979

(1) Vamadevan and others.

(Transferor)

(2) Kochumariam.

(Transferce)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE ANJIPARAMBIL BUILDINGS, ANAND BAZAR, COCHIN-6820 16.

Cochin-682016, the 23rd October 1978

Ref. L.C. 255/78-79.—Whereas, I, V. MOHANLAL, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25.000/- and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Kodungallur, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Kodungallur on 17-8-1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazetts.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

65 cents of land with buildings vide document No. 2048/78 of S.R.O. Kodungallur.

V. MOHANLAL
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ernakulam

Dated: 23-10-1978

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE

"ANJIPARAMBIL BLDGS", ANAND BAZAAR, COCHIN-682 016.

Cochin-682016, the 28th February 1979

Ref. L.C 290/78-79,—Whereas J, K. NARAYANA MENON.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No.

Sy. No. as per schedule situated at Muthalamada,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Kollengode on 28-8-1978,

for an apparent consideration which is less fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid; exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- (1) 1. Shri Mathew T. Marathukulam,
 - Smt. Annakutty Mathew,
 Smt. Philomina Thomas,

All residing at Ruby Nagar, Changanassery.

(Transferor)

(2) M/s K. J. Plantations, Kilikolloor, Quilon-4. By partners K. Somasundaram & 8 others.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

914 acres of coffee, cardamom and cinnamon estate as er schedule attached to document No. 953/78 of SRO, Kollengode.

> K. NARAYANA MENON Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax. Acquisition Range, Ernakulam

Dated: 28-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1979

Ref. No. Raj/JAC(Λ cq)/510.—Whereas, I HARI SHANKER,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Shop situated at Bharatpur,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than litteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Ratanlal Vaish S'o Shri Badii Ram Baish, Atal Band Mandi, bharatpur, Now Kosi Kalan Distt, Mathuta (U.P.).

(Transferor)

(2) Smt. Shanti Devi W/o Shri Raghunath Piasad Vaish Moti Char Bagh, Bhaiatpur (Rajasthan).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated in Nai Mandi. Bharatpur and much more fully described in the sale deed, registered by S. R. Bharatpur vide registration No. 1338, dated 30-8-78

HARI SHANKER
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated: 24-2-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMP TAX, ACT 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE JAIPUR

Jaipur, the 24th February 1979

Ref. No Raj/LAC (Acq), 509 - Whereas, I HARI SHANKER

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961), (bereinafter referred to an the 'said Act') have reason to believe that the immovable property having a tair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No.

Shop situated at Bharatpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Bharatpur on 30-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1992) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 26°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shii Ratanlel Vaish S/o Shii Badii Ram Vaish, Atal Band Mandi, Bharatpur, Now Kosi Kalan Distt. Mathura (U.P.).

(Transferor)

(2) Shrimati Rameshwari Devi W/o Shri Ram Swaroop Vaish Atal Band Mandi, Bhuatpui (Rajasthan).

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gaz≥tte or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said.

Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One shop situated in Nai Mandi, Bharatpur and much fully described in the Sale Deed, registerd by SR, Bharatpur, vide registration No. 1337 dated 30-8-1978.

HARI SHANKER
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income tax,
Acquisition Range, Jaipur

Dated: 24-2-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE 57, RAMTIRTH MARG LUCKNOW

Iucknow, the 28th March 1979

Ref. No. L-28/Acq.—Whereas I, A. S. BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and part of bearing

No. J-12/15 B-1-C situated at Mohalla Baulia Bagh, Dhoop Chandi Varanasi,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration. Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Varanasi on 21-8-1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the of this notice under sub-section (1) of Section 269 D of the Said Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:

(1) Smt. Ram Pyari Devi.

(Transferor)

(2) Shri Lalit Mohan.

(Transferee)

(3) Smt. Ram Pyari Devi.
(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Part of double storeyed House No. J-12/15-B-1-C situated at Mohalla Dhoop Chandi—Baulia Bagh—Varanasi City admeasuring 214.60 sqm and all that description of the property which is mentioned in Form No. 37G of No. 6331 of 1978 dated 21-8-1978 and sale deed duly registered in the records of Sub Registrar, Varanasi.

A. S. BISEN
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 28-3-1979

(1) Smt. Shanti Devi Agarwal.

(Transferor)

(2) Shii Jagat Narain Tiwari.

(3) Selt.

(Transferee)

(Person in occupation of the property)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1979

Ref. No. J-50/ACQ.—Whereas 1, AMAR SINGH BISEN, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. at Mohalla New Hyderabad, situated at Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Lucknow on 5-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

18--56GI/79

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective person, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

A Double Storeyed house admeasuring 6300 Sqrfts situated at Mohalla, New Hyderabad, Lucknow and all that descriptions of the property which is mentioned in form 37-G No. 3057 and sale deed, duly registered at the office of the Sub-Registrar Lucknow on 3-8-1978.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 31-3-1979

(1) Shri Jatinder Kumar Trehan.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-

TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shri Ramesh Kumar Agarwal.

(Transferee)

(3) Shri Rawan Kumar Agarwal.
(Person in occupation of the property)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUCKNOW

Lucknow, the 31st March 1979

Ref. No. R-130/ACQ.—Whereas I, AMAR SINGH BISEN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 29-A situated at Krishna Nagar Lucknow,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Lucknow on 8-11-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used hereig as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property No. 29-A measuring 14550 Sq. Fts. situated at Moballa Krishna Nagar Lucknow and all that descriptions of the property which is mentioned in form No. 37-G No. 5237 and sale-deed duly registered in the office of the Sub-Registrar, Lucknow on 8-11-1978.

A. S. BISEN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Lucknow

Date: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE

Bangalore-560001, the 15th March 1979

C.R. No. 62/21157/78-79/Acq/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner Income-tax, Acquisition Range, Bangalore,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Building bearing Corporation No. 8/3, in Street No. 27, (H. Siddaiah Road), (in Division No. 38), situated at Bangalore,

(and more fully described in the schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Basavanagudi, Bangalore.

Document No. 1556/78-79 on 16-8-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

Shri Peddappa Naidu, S/o Sri Muniswami Naidu, No. 4. Mavalli Tank Bund Road, Journalist Colony, Bangalore-2.

(2) Shri L. S. Ahmed, S/o Safdar Hussain, L. S. Sardar Ahmed and L. S. Anis Ahmed Children of Sri L. S. Ahmed, all residing at No. 21, New Patnoolpet, Bangalore-2

(Transferces)

(3) I. Shri M. Nagaraj, Waste Paper Merchant.
2. K. Hamza, General Merchant.
3. M. Yusuf, Bismalla Tea Stall.

- Harsha Vardhana Setty, M/s. Sadhana Industries, (Ground Floor, No. 8/3, H. Siddaiah Road, Bangalore-27).
 - M/s. Nitco Road Ways (P) Ltd. (Godown in 1st floor) (No. 8/3, H. Siddiah Road (office at No. 41/1, Mayalli Tank Bund Road, Kalasipalyam, Bangalore).
 - Sri G. V. Shama Rao, Karnataka Saree Printing, No. 8/3, H. Siddiah Road, Bangalore-27. (Person(s) in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered document No. 1556/78-79, dated 16-8-1978). Building bearing Corporation No. 8/3, in street No. 27, (H. Siddaiah Road), (Division No. 38), Bangalore. Boundaries:

West: Corporation Road, West: Private property, North: Private property, South: H. Siddaiah Road.

P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITIONRANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th March 1979

C.R. No. 62/21143/78-79/Acq/B.-Whereas, I, P. RANGANATHAN, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 11, situated at Kilari Road, 8th Cross, Bangalore City (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gandhinagai, Bangalore, Document No. 1692/78-79 on

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising form the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act. 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

- (1) Smt. Lakshmamma, No. 27, Major Trustpuram, Madras-24. 2nd Cross Street, (Transferors)
- (2) 1. Master Shivaputtaswamy.2. Kum. M. Lakshmi.

Master M. Raghavendra.
 Kum. M. Poornima.

5. Master M. Lohita.

All minors members represented by mother and Guardian Smt. S. P. M. Parvathamma, No. 27, 2nd Cross Street, Major Trust Puram, Madras-24.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned :-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 1692/78-79, dated 24-8-1978).

All that piece and parcel of vacant land No. 11, Kilari Road, 8th Cross, Bangalore City measuring 38.64 Sq. Mtrs

Boundaries:

East : B. V. K. Iyengar Road, West : Kilari Road 8th Cross, North: Private property, South: Private property.

> P. RANGANATHAN Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Bangalore

Date: 15-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE BANGALORE

Bangalore-560001, the 15th March 1979

CR No 62/20374/78 79/ACQ/B — Whereas, I, P RANGANATHAN

being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act,'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing No

2012 situated at Rajajinagar, IInd Stage, Bangalore-10 (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajajinagar, Bangalore Document No 2002/78-79 on 7-8-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of .—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri N S Adkoli, S/o S N Adkoli, Managing Director, Karnataka State Forest Industries, Corporation Ltd Malleswaram, Bangalore-560003

 (Transferor)
- (2) Shrimati M Lalithamma, W/o Late H N Mahadevan, No 1, P S K Lane, Akkipet, Bangalore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said. Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No 2002/78 79 dated 7 8-1978) House property bearing No 2012, Rajajinagar, Hnd Stage, Bangalore-10

Boundaries

North Road, East Road South Site No 2012 West Site No 2011

P RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date 15-3-1979 Senl

(1) Mrs. Gangamma, W/o Late Parameshwarayya, 8/114C Old Tank Road, Pallavaran, Madras-43.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th March 1979

C.R. No. 62/20659/78-79/ACQ/B.—Whereas, I, P. RANGANATHAN.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. R.S. No. 285/A2A T.S. No. 170/A2A situated at Bunts Hostel Road, Kodialbail, Mangalore-575002,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Mangalore Doc. No. 474/78-79 on 28-8-1978.

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) M/s Mahabaleshwara Services and Agencies Pvt. I.td., Mahabaleshwar, Kadri Road, Mangalore-575003 Reptd. by Managing Director Sri K. C. Naik.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPIANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 474/78-79, dated 28-8-1978). 29 Cents land with building situated in South Hostel Road Kodyalbail, Mangalore-575002 bearing No. P. S. 285/R2A T.S. No. 170/A2A.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-3-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BANGALORE

Bangalore-560001, the 19th March 1979

C.R. No. 62/20789/78-79/ACQ/B.—Whereas, I. P. RANGANATHAN,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Railway view No. 2546 situated at Tumkur Town near (Rly Stn.).

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tumkur Doc. No. 2003/78-79 on 2-8-1979,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act. in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforeshid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Shri S. Bhavarlal, S/o Shri S. Sohanraj.
 Smt. S. Tara Bai, W/o Shri S. Bhavarlal.
 C/o Kanti Silk House, M.G. Road, Tumkur.
 (Transferors)
- (2) Sri Sri Sri Pranava Swaroopi Dr. Shivakumaraswamy Peethathipathi Gallu, Siddaganga Matta, Tumkur.

(Transferces)

Objections, if any, to the acquisition of the sald property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

(Registered Document No. 2003/78-79, dated 2-8-1979). House property bearing Municipal No. 2546, New No. 2646/2661, Railway View, Opp. Railway Stn. Tumkur Town, Tumkur.

P. RANGANATHAN
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bangalore

Date: 19-3-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER,
OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/EPL/1236.-Whereas, I, B. L. RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. House situated at Indore (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 1st August, 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferre for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269°C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Sunil Kumar, S/o Nemkumar Porwal, Gandhi Chowk, Kamtee, Nagpur, at present 135, Jaora Compound, Indore.

(Transferor)

(2) Suryakant, S/o Bhadal Bhai Patel, 1/3, Tilak Path, Indore.

(Transferees)

Objections, if any to the acqusition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House built on plot No. 135, Jaora Compound, Indore

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Bhopal.

Date: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1237/78-79.—Whereas I, B. L. RAO,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason

to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 2nd August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

 (1) (1) Satishchandra Sohanlal Sanghi, (2) Smt. Gita Singhi, (3) Ku. Seema Sanghi, (4) Anuradha Sanghi (5) Rajendrakumar Sanghi, S/o Sureshkumar Sanghi, Maharani Road, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Sureshchandra, (2) Maheshchand, (3) Dineshchandra, (4) Gopal, (5) Arunkumar, sons of Shri Chhanganlal Mittal, 22/1, South Tukoganj, Indore. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:— The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Open land plot No. 22/1, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority.
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Date: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1238/78-79.—Whereas I, B. L. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot/Godown situated at Indore

(and more fully described in the Scheduled aunexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 10th August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) M/s. Indore Goods Transport Corporation through partner Shri Sukhdayal Shankerdas Pahwa and Smt. Parveshrani 346, Jawahar Marg, Indore.

(Transferor)

(2) M/s. Amar Roadways, Prop. Shri Amarlal & Co., 318, Jawahar Marg, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 105 with Godown situated at Transport Nagar, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Date: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL MP.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1239/78-79.—Whereas I, B. L. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/-and bearing

No House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 16th August, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Dharamvir Mohindra, Retd. Wing Commander, S/o Late Shri Shadiram Mohindra, No 4, Agra Club, Agra

(Transferor)

(2) (1) Dr Gurneksingh Grewal S/o Dr. Teksingh Grewal, (2) Smt Daljit Kaur Grewal, S/o Dr. Guineksingh Grewal, (3) Shri Dalbusingh Grewal, and Shri Pritamsingh, S/o Dr. Gurneksingh Grewal, Lal Hospital, opp Gandhi Hall Indore

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette,

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. SV-102, Saket Colony, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Date - 31 3 1979

Seal ·

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1240/78-79.—Whereas I, B. L. RAO

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Plot & House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Indore on 17th August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Harikumar S/o Motilalji Maheshwari, R/o 24-B, Builders' Colony, Indore.

(Transferor)

(2) Smt. Mohan Bai, W/o Shri Vardhamanji Pithalia, 30, Lodhi Mohalla, Indore.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Built up house on Plot No. 9, Dhenu Market, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquistion Range, Bhopal.

Date: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1241/78-79.—Whereas, I, B. L.

being the Competent Authority under Section 269B of Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to of the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Indore on 14th August, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the 'said' Act,' I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Smt. Chandraprabha Devi, W/o Shri Ratanlal Modi,
 Shri Bharat Kumar, S/o Ratanlal Modi,
 Smt. Sudhadevl, W/o Shri Manmohanji Modi,
 5/1, South Tukoganj, Indore.

(Transferor)

(2) (1) Shri Johar Ali, S/o Shri Thaiyab Ali, (2) Kaisar Ali, S/o Taiyab Ali, (3) Bakir Ali, S/o Taiyab Ali through Taiyab Ali, S/o Gulam Hussain, 91, Maharani Road, Indore.

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in hte Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House on plot No. 5/1, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Date: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 31st March 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1242/78-79.—Whereas I, B. L. Rao,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot situated at Indore

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Indore on 17th August, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 (1) Smt. Chandraparabha Devi, W/o Ratardal Modi, (2) Bharat Kumar, S/o Datardal Modi, (3) Smt. Sudhadevi, W/o Shri Manmohan Modi, (4) Smt. Kusumdevi, W/o Shri Bharatkumar Modi, (5) Manmohan Modi, S/o Shri Ratardal Modi, 5/1 South Tukoganj, Indore.

(Transferors)

(2) (1) Shri Johar Ali, (2) Kaiser Ali sons of Taiyab Ali and (3) Shri Bakir Ali (Minor) through Shri Taiyab Ali, S/o Gulam Hussain, 91, Maharani Road, Indore

(Transferees)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 5/1, South Tukoganj, Indore.

B. L. RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Dated: 31-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, BHOPAL M.P.

Bhopal, the 3rd April 1979

Ref. No. IAC/ACQ/BPL/1243.—Whereas I, B. L. Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. House situated at Jabalpur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at at Jabahpur on 21st August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) to the following persons namely:—

(1) Shri Bipinchandra Gajjar & Smt, Chandrika Gajjar, 49/3, Narbada Road, Jabalpur.

(Transferor)

(2) (1) Shri Kamal Krishan, (2) Santosh Kumar, (3) Anil Kumar, S/o Pishorilal, and (4) Smt. Sharan W/o Pishorilal, Galgala, Jabalpur.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 49/3, Narbada Road, Jabalpur.

B. L. RAO
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquistion Range, Bhopal.

Dated: 3-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th March 1979

Ref. No. Acq./881.—Whereas, I, B. V. Subba Rao, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. TS. 94 situated at Vijayawada

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Vijayawada on 7-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Cherukuri Ravisankar, M/G. Mother Smt. Ch. Sowmya Sundari, w/o Krishna Murthy, Pitchalahm, St., Labbipeta, Vijayawada.

(Transferor)

(2) The Congregation of the Franciscan Missionary sisters of the Sacred Heart, Machilipatnam, Rep. by its President Sr. Letitia C/o Bishop's House, Patamata, Vijayawada-520 008.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 3725/78 registered before the Sub-Registrar, Vijayawada, during the fort-night ended on 15-8-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (1/c) Kakinada.

Date 9-3-1979 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-FAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGE, KAKINADA

Kakinada, the 9th March 1979

Ref. No. Acq./882.—Whereas, I, B. V. SUBBA RAO, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No. 50-40-9 situated at Vishakhapatnam (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Visakhapatnam on 9-8-1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than efficen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction of evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269-D of the said Act, to the following persons, namely:—
20—56GI/79

(1) Shri Barri Narasinga Rao, s/o Late Suryanarayana, Seethammadhara Colony, Visakhapatnam-13.

(Transferor)

(2) Shri A. R. Bharatan S/o A. B. Ranga Iyytr, Hotel Ooty, Dabagardens, Visakhapatnam-4,

(Transferec)

Obejetions, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid person within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The schedule property as per registered document No. 4824/78 registered before the Sub-Registrar, Visakhapatnam, during the fortnight ended on 15-8-1978.

B. V. SUBBA RAO
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range (i/c) Kakinada.

Dated: 9-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE-II 2NR FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 26th March 1979

Ref. No. P. R. No. Whereas, I, S. C. PARIKH, No. 657 Acq. 23-1246/19-2/78-79.—

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Block No. 216 situated at Village Kadodara, Tal. Palsana, Dist. Surat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Kamrej in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and /or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) of the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Sub-Section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

- 1) 1. Shri Thakorbhai Makanbhai;
 - 2. Shri Gopalbhai Makanbhai;
 - 3. Shri Thakorbhai Makanbhai as guardian of minor Mahendrakumar Thakorbhai; Village: Saroli, Tal. Choryasi, Dist. Surat. (Transferor)

(2) Jay Bharat Silk Enterprise,

Partners:

- 1. Ramrichpal Rameshwardas Kalbadevi, Bombay,
- 2. Kamladevi Fulchand Arya-Resi, Moyara Street, Calcutta.
- 3. Sushilkumar Fulchand Binder, Prabhu Darshan Coop, Housing Society, Athwa Lines, Surat.
- Ravi Satya Priya Arya— Poddar Road, Bombay.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land registered at Block No. 216, admeasuring 11 Acres and 10 Gunthas, situated at Village Kadodara, Tal. Palsans, Dist. Surat, duly registered with registering authority at Kamrej in August, 1978.

> S. C. PARIKH Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range-II, Ahmedabad.

Dated: 26-3-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER
OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE-I 2ND FLOOR, HANDLOOM HOUSE; ASHRAM ROAD AHMEDABAD-380 009

Ahmedabad-380 009, the 23rd April 1979

Ref. No. Acq. 23-L-2036(802)/16-6/78-79.—Whereas I. S. C. PARIKH,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Building standing on land 250 sq. yd. (Lekh No. 490) Paiki situated at Junction plot Sheri No. 5/10, Rajkot (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Rajkot on 11-8-1978

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922), or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Laxmidas Harjivan Prasnanek, DINDORI, Dist, Chandla, Madhya Pradesh.

(Transferor)

(2) Smt. Jyotibala Jayantilal Kachhala, Street No. 5/10, Junction Plot, Rajkot.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned...

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publications of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette;

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Building (double storeyed) standing on land 250 sq. yd. (Aghat Lek No. 490 Paiki) situated at 5/10, Junction Plot, Rajkot duly registered by Registering Officer, Rajkot, vide sale deed No. 2435/16-6-1978 on 11-8-1978 (Intimation of 37-G form received in the Second F.N. of January, 1979 from Sub-Registrar, Rajkot) i.e. property as fully described in the said sale deed.

S. C. PARIKH
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range-I, Ahmedabad.

Dated: 23-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/196/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1 share of free hold residential plot No. 18, Street D, Sec. 21-C, (New 2228) measuring 566.2 Sq. yds. in Chandrgarh,

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

(1) Shri Gurbachan Singh s/o Residar Hira Singh through his General Attorney and son Shri Joginder Singh r/o Village Saharon Majra Distt. Ludhiana

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Malhotra w/o Shri Madhukat Malhotra r/o H. No. 1028, Sector-36-C, Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the 'said Act', shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ share of free hold residential plot No. 18, Street D, Sector 21-C, (New 2228) Chandigarh measuring 566.2 Sq. yds.

(The property as mentioned in the registered deed No. 435 of August, 1978 of the Registering Officer at Chandigarh.)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/197/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. 1 Share of Free hold residential plot No. 18, Street D. Sector 21-C (New No. 2228) measuring 566.2 Sq. yds. in Chandigarh.

(and more fully described in the Schedule

annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269P of the said Act to the following persons, namely:—

S/Shri and Shrimati
 Gurdev Kaur Wd/o Shri Karnail Singh.

Naginder Singh.
 Bhupinder Singh.
 Dallit Singh.
 Parminder Singh.
 Attorney Shri Narinder

6. Baljinder Singh. Singh, r/o Village
7. Amarjit Kaur. Gobindpura, Tehsil Payal
8. Rajinder Kaur. Distt, Ludhiana.

(Transferor)

(2) Mrs. Meera Malhotra w/o Shri Madhukar Malhotra r/o H. No. 1028, Sector 35-C Chandigarh. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1 Share of free hold residential plot No. 18, Street D, Sector 21-C, (New No. 2228) Chandigarh measuring 566.2 Sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 436 of August 1978 of the Registering Authority at Chandigarh).

NATHU RAM.
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

Shri Chandan Singh s/o Shri Mulla Singh, r/o H. No. 3240, Sector 15-D, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Kishan Chand Bhatti And Roop Lal Bhatti ss/o Shri Chura Ram r/o H. No. 1500, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferee)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA, CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/203/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section
269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961),
(hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to
believe that the immovable property, having a fair market
value exceeding Rs. 25,000/- and bearing
No. H. No. 3240, Sector 15-D, situated at Chandigarh,
(and more fully described in the Schedule annexed hereto).

has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

H. No. 3240, Sector 15-D, Chandigarh (The property as mentioned in the Registered deed No. 455 of August 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Dato: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No CHD/206/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Iudhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding

No. 4 share of SCO site No 57. Sector 30-C, Chandigarh measuring 114 Sq. yds. situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August 1978,

Rs. 25,000/- and bearing

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269 C, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Thakar Singh Arora, s/o Shri Puran Singh Arora through his General Attorney Shri Manmohan Singh s/o Shrl Harbhajan Singh r/o H. No. 3011, Sector 19-D, Chandigarh.

(Transferor

(2) Shri Roshan Lal s/o Shri Hakam Rai, r/o H. No. 1266, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

½ Share of SCO Site No. 57 measuring 114 Sq. yds. situated in Sector 30-C, Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 468 of August 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/219/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhlana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. ½ share of SCO site No. 57, measuring 114 Sq. yds., situated at Sector 30-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiael proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Thakar Singh Arora son of Shri Puran Singh Arora through General Attorney of Shri Manmohan Singh s/o Shri Harbhajan Singh r/o H. No. 3011, Sector 19-D, Chandigarh.

(2) Shri Roshan Lal s/o Shri Hakam Rai, r/o H. No. 1266, Sector 34-C, Chandigarh.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which ever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Share of SCO Site No. 57, measuring 114 Sq. yds.
 situated in Sector 30-C, Chandigarh,

(The property as mentioned in the Registered deed No. 541 of September 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh),

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income Tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

PORM ITNS

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No. CHD/210/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'). have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing No S.CO site No 205, measuring 134.17 sq yards situated at Sector 7-C, Chandigarh, (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in August 1978, for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) faciliating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act. 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tak Act. 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons namely:—

21--56GI/79

(1) Shri Ram Bhasin s/o Shii Gopal Dass Bhasin, r/o 2157, Sector 21-C, Chandigarh, through Genetal Attorney Shri Lom Harsharan s/o Shri Banarsi Dass, r/o 1938, Sector 22-B, Chandigarh.

(Transferor)

(2) (1) Shri Sewa Singh s/o Shri Dalel Singh r/o H. No. 557, Sector 8-B, Chandigarh (2) Shri Trilok Singh Mandair s/o Sewa Singh through Shri Sewa Singh (Attorney) r/o H. No. 557, Sector 8-B, Chandigarh.

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, which period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPI ANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULF

S.C.O. site No. 205, Sector 7-C, Chandigarh measuring 134.17 sq. yds.

(The property as mentioned in the Registered deed No.

482 of August 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

Seal .

FORM I.T.N S.—

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS SIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No. CHD/211/78-79 —Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority

under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

No. Plot No. 96, Sector 18-C, Chandigarh situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income of any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Lt. Col R N Malik s/o I ate Shri D. N. Malik, Headquarters The Infantry School, Mhow (MP).

(Transferor)

(2) Shii Pardeep Kumar Malhotra s/o Shii S. P Malhotra, r/o House No. 1761, Sector 23-B Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THF SCHEDULE

Plot No. 96, Sector 18-C, Chandigath (R.P. No. 1509). (The property as mentioned in the Registered deed No. 484 of September 1978 of the Registering Officer, Chandigath).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/212/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-(ax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'Said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/-and bearing No. As per Schedule

No. SCO, 288, Sector 35-D, Chandigath situated at Chandigath,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Chandigarh in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concentment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought το be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act. I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely;—

- Shri Arjit Singh Mahal seo Shri Piara Singh Mahal through his mother and General Attorney, Smt. Narinder Kaur 11, Kidwai Nagar (West) New Delhi.
 - (Transferor)
- (2) 1. Captain Harinder Singh s/o Shri Bakhtawar Singh,
 2. Smt. Bhajan Kaur w/o Captain Harinder Singh
 r/o 2136, Sector 21-C, Chandigarh.
 (Transferee)
- (3) 1. Shri Mangat Ram of M/s New Krishana Tent
 - 2. Shri Ashwani Kumar, Properitor M/s A.C. Confectionary.
 - M/s Chander Mohan Khazan Chand of M/s Chander Stove and Cycle works r/o SCO 288, Sector 35-D, Chandigarh.
 - 4. The Controller of Imports and Exports, Govt. of India, 1st and 2nd Floor SCO 288, Sector 35-D, Chandigarh,
 (Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of the notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expression used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

SCO 288, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 485 of September 78 of the Registering Authority at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

PORM IINS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. CHD/214/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinalter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. H. No. 8, Sector 16-A, Chandigath situated at Chandi-

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigath in September 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :---

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and for
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :-

- Shri K. R. Wadhera s/o Harbans Lal Wadhera,
 Smt. Savita Wadhera w/o Shri K. R. Wadhera,
 Shri Rajiv Wadhera, (1)
 - Miss Ranu Wadbera.
 - 5. Master Yatish Wadhera, r/o 1016, Sector 11-C, Chandigarh.

(Transferors)

- (2) Shri and Shrimatl
 1. Bimal Jairath w.o M. I. Jairath.
 - 2. Ramesh Jairath and
 - 3. Shti Vinesh Jairath 58/0 M. L. Janath. 1/0 700, Sector 8-B, Chandigath.

(Transferees)

- (3) 1. Singla, Asstt. Director of Industries Haryana.
 - 2. Godbole, Prof. of Commerce Deptt Pb. University and
 - 3. Dr. S. R. Avasthy, r/o H. No. 8, Sector 16-A, Chandigath.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 8, Sector 16-A, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 495 of September 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

> NATHU RAM, Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACUISITION RANGE, LUDIIIANA CENTRAL REVENUE BUILDING

Ludhiana, the 18th April 1979

Rel. No. CHD '225/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commussioner of Income-tax, Aquisition Range, Ludhiana.

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinnfter referred to as the 'said Act'), have reason to believe

that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

House No. 252 Sector 20 A, Chandigath situated at Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto). has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than lifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquistion of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Baldev Singh Dhillon 5/0 Shri Baliadar Singh Dhillon 1/0 House No. 252, Sector 20-A, Chandigarh. (Now r/o V. Bhogian, P.O. Chhalal, Distt. Amritsar.),

(Transferor)

 Shri Gurdial Sami s/o Nanak Chand Saim r/o H. No. 252, Sector 20-A, Chandigath.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) hy any other person incrested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

House No. 252, Sector 20-A Chandigarh.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 574 of October 1978 of the Registering Officer, at Chandigarh).

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, I udhiana

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

> ACUISITION RANGE, LUDHIANA CLNTRAI REVINUE BUILDING

Ludhiana the 18th April 1979

Ref No CHD 228/78 79 —Wheteas 1 NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Aquisition Range Ludhiana,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tex Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and b aring

No SCO site No 2439-2440 Sector 22 C, (CPI No 2792), Chandigath stuated it Chandigarh,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in October 1978,

for an apparent consideration

which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of '--

- (a) facilitating the reduction or evasoin of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and OΓ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pulsuance of Section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the tollowing persons, namely -

(1) Smc Patamut Kaul w/o Shri A S Piniu though het General Attorney Shri Autar Singh Sekhon, Sl Bhakra Main Line circle, Patiala

(Fransferor)

(2) Shii Amba Parshad Shaima s to I ite Shii Nauriti Ram, r/o H No 334, Sector 9, Chandigath

(Tran ferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned .-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Cfficial Gazette

EXPLANATION — The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULL

SCO Site No. 2439 2440, Sector 22-C, (CPL No. 2792) (measuring 287.5 Sq. yds.) Chandigath (The property as mentioned in the Registered deed No.) 586 of October 1978 of the Registering Officer at Chandinal Chanding (Control of Control of Contr garh)

> NATIIU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income tax Acquisition Range Luthin 1

Date 18-4-1979 Seal

(1) Mis. Secta Suri r/o H. No 501, Sector 10 C, Chandigath

(Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING TUDHLANA

Ludhama, the 18th April 1979

Rel No SML 66/78-79 --Whereas f, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the said Act) have reason to believe that the immovable property, having a fair mallet value exceeding Rs 25,000/- and bearing No. Property No 251/B/2 C & 251/1 B, Station Ward, Chhota Sinta situated at Chhota Sinta (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registering Officer at Sinta in August, 78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforested property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(2) Mis Vidva Stokes w/o Sh. L. C Stokes r/o Prewal, Thanedhar, Distt, Simla (Now at Ekant Van, Dhalli, Simla-12)

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property Kh. No. 251/B/2/C & 251/1/B, Station Ward Chhota Simla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 525 of August, 1978 of the Registering Authority at Simla).

NATHU RAM.
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range
Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. SML/67/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the Immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property No. 251/B/2/A & 251/B/2/B station Ward Chhota Simla.

situated at Simla,

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Simla in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) Facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Smt. Secta Suri, r/o H. No. 501. Sector 10-C, Chandigarh.

(Transferor)

(2) Mrs. Sudha Puar w/o Sh Deep Raj Puar, r/o Prewal, Thanedhar, Distt. Simla. (Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

FXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 463 Sq. yds. 8 Sq. (Kh No. 251/B/2/A & 251/B/2/B) Station Ward, Chhota Simla. (The property as mentioned in the Registered Deed No. 524 of August, 1978 of the Registering Officer, at Simla.)

NATHU RAM,
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 18-4-1979.

(1) Smt. Seeta Suri, 1/o II. No. 501, Sector 10-C, Chandigarh.

(Tiansferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Sh. Sanjiv Stokes s/o Sh. L. C. Stokes, r/o Prewal Thanedhar Distt. Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No. SML/68/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

No. Property No. 251/B/2/D & 251/3, Station Ward, Chhota Simla situated at Chhota Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act,

1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

22—56GI/79

THE SCHFDULE

Property No. 251/B/2/D & 251/3 alongwith Godowns, situated at Station ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 523 of August, 1978 of the Registering Authority at Sinla)

NATIIU RAM, Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana the 18th April 1979

Ref. No. SML/69/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax. Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Property No. 251/B/2/E & 251/8, Station Ward, Chhota Simla, situated at Chhota Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer

at Simla in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the 'said Act', in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

(1) Mrs. Secta Suri, r/o H. No. 501, Sector 10-C, Chandigath.

(Transferor)

(2) Dr. Sudhir Stokes s/o Sh. L. C. Stokes, r/o Prewal, Thanedhar, Distt. Simla.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA con the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

618 Sq. yds 3 sq. ft. Khasra No. $251\,{}^{\prime}B^{\prime}2/E$ & 251/8 Station Ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 522 of August, 78 of the Registering Authority at Simla.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition l'ange,
Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana the 18th April 1979

Ref. No. SML/75\$78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the competent authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 48 The Mall, and Middle Bazar, Simla. situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in October, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purpose of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

- (1) Shri Darbari Lal Gupta, 715, Sector 11-B, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Sh. Dinesh Kumar Gupta r/o 48, The Mall, Simla.

(Transferee)

- (3) 1. Sh. Prem Chand Sood, Prop. Prem Chat Shop Simla.
 - 2. Sh. Faqir Chand, Prop. Lahorian Di Hatti
 - 3. South India Coffee House, 48 The Mall, Simla.
 - 4. Himani Restaurant, 48 The Mal, Simla. (Person in occupation of the property)
- (4) 1. United Commercial Bank, Simla, (Person whom the undersigned knows to be interested in the property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

48 The Mall of Middle Bazar Simla. (The property as fully described in Registered Deed No. 631 of October, 78 of the Registering Officer, Simla.).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISTTON RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. SML/76/78-79.---Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

No. Plot measuring 606 Sq. yds. 2 sft. situated in Station Ward, Chhota Simla situated at Simla

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Simla in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fiften per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Brig. Sukhwant Singh s/o S. B. S. Gian Singh (self) & Gurdian of Sh. Gurmit Singh s/o S. B. S. Gian Singh r/o Summerbad-Simla-7.
 - 2. Dayawant Singh s/o S. B. S. Gian Singh r/o Durga Villas Simla 6 through Sh. Dapinder Singh (G.A.)

(Transferor)

(2) Dr. Balak Ram Verma s/o Sh. Jindo Ram, r o V. Kangoo Teh. Sunder Nagar, Distt, Mandi H.P.).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 606 Sq. yds. 2 Sq. ft. situated in Station Ward, Chhota Simla.

(The property as mentioned in the registered deed No. 638 of August, 1978 of the Registering Authority at Simla.)

NATHU R \M Competent Authority, Inspecting Assit. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOMETAX

ACQUISITION RANGE TUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. PTA/116-A/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No. Land Measuring 14 bighas 7 Biswas situated at Village Alipur Aranan Feh & Distt. Patiala (and more fully described in the Schedule annexed bereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908), in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (b) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitaing the concealment of any income or any moneys or other assests which have not been or which ought to be disclosed by the transferce for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act to the following persons namely:—

- (1) S/Shri Dalip Singh, Bhajan Singh ss/o Sh. Sunder Singh & Smt. Kartar Kau, wd/o Sh. Sunder Singh Village Alipur Araian Teh & Distt, Patiala. (Transferors)
- (2) Smt. Chameli Devi w/o Sh. Huri Dass & Smt Prem Lata w/o Shri Rum Chand c/o M/s. Punjab Rice Mills, Village Alipur Araian Teh. & Distt. Patrala. (Transferees)
- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 14 Bighas 7 Biswas situated at Village Alipur Araian Teh. & Distt. Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2980 of August 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 18-4-1979.

(1) Shri Sajjan Singh s/o Shri Mehtab Singh r/o Patiala.

(Transferor)

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

(2) Shrl Repudaman Singh s/o Sh. Gopal Singh Sethi 1/0 Near Modi College, Patiala

GOVERNMENT OF INDIA

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

ACQUISITION RANGE CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

(a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expired later:

Ludhiana, the 18th April 1979

(b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Ref. No. PTA/122/78-79.—Whereas I, NATHU RAM. being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs, 25,000/- and bearing

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA, of the said Act, shall have the same meaning as given in

No. Property on a plot measuring 901.1/2 Sq. yds. situated near Modi College, Outside Sunami Gate, Patiala (and more fully described in the Scheduled annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the

aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen percent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ \mathbf{or}
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957

that Chapter.

(27 of 1957).

THE SCHEDULE

Property on a plot measuring 901. 1/2 Sq. yds. situated outside Sunami Gate, near Modi College, Patiala.

The property as mentioned in the Registered deed. No. 3089 of September, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Ludhiana

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

> ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 18th April 1979

Rcf. No. PTA/125/78-79.—Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Kothi No. 5005/5, Bhupindera Nagar Road, Brar Street, Patiala.

situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule Annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in September, 1978,

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :--

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under Subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely :--

(1) Smt. Mohinder Kaur wd/o Lated Shri Puran Singh r/o Kothi No. 77, Sector 8-A, Chandigath.

(2) (1) Smt. Ranjit Kaur w/o Sh. R Dhillon r/o Jetherka Distt. Bhatinda. Karam Singh

(2) Sh. Ghumand Singh Chahal s/o Harnam Singh Chahal r/o Mithewal, Distt. Sangrur.

(Transferees)

(3) 1. Shri V. K. Shrivastwa

2. Sh. V. K. 1yar

3. Sh. G. B. Sharma

4. Sh. Shushil Kumar Pappu

r/o Kothi No. 5005/5 Brar Street, Bhupindra

Nagar, Patiala.

5. State Bank of Patiala, Patiala.

(Person in occupation of the Property).

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons with a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: -The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 5005/5, Brar Street, Bhupindra Nagar Road, Patiala.

(The property as mentioned in the Registered deed, No. 3256 of September 1978 of the Registering Officer, Patiala.)

> NATHU RAM Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition Range. Ludhiana

Date: 18-4-1979.

1 100tA, MAT 12, 1979 (VAISAKIIA 22, 1901)

(1) Shr₁ Jaswant Singh s/o Shri Sardara Singh, Village Ghangas, Teh. & Distt. Ludhiana,

(Tiansferor)

[PART III—SEC. 1

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(2) S/Shii Tailochan Singh, Narvinder Singh ss/o Harbhajan Singh s/o Jaswant Singh, Villago Ghangas, S. Tch. Payal, Distt, Ludhiana.

(Transferee)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. PYL/49/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Land measuring 5 bighas

situated at Village Ghangas, S. Teh. Payal, Distt. I udhiana (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

nt Ludhiana in August, 1978 for an apparent consideration

which is less than the fair market value

of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, on the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned —

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

Explanation:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 5 Bighas situated at Village Ghangas, S. Teh. Payal, Distt. Ludbiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 1033 of August, 1978 of the Registering Officer, Payal).

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-

SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/72/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding

Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

23--56GI/79

(1) S/Shri Niranjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh, & Kuldip Singh c/o M/s. Calcutta Industries Works, Gill Road, Ludhiana.

(Transferors)

(2) Smt. Gurdev Kaur w/o Sh. Kirpal Singh s/o Hakam Singh r/o H. No. 718, Mohalla Chet Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot mensuring 100 Sy. yds. situated on Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2035 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range,
Ludhiana

Date: 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVINUE BUILDING LUDIHANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No LDH/75/78-79 -- Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair maket value exceeding Rs 25,000/and bearing No.

Plot measuring 1554 Sq. yds situated on Gill Road,

Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

at Ludhiana in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of --

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or and moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealthtax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) S/Shii Nitanjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh & Kuldip Singh c o M/s Industries Works, Gill Road Ludhiana. Calcutta

(Tiansferoi)

(2) Sh Parmjit Singh s/o Kupal Singh s/o Hukam Singh i/o H No 718, Mohalla Chet Singh Nagar, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:-The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

The plot measuring 1554 Sq vds situated on Gill Road. Ludhiana

(The property as mentioned in the Registered deed No 2095 of August, 1978 of the Registering Officer, Indhiana)

NATHU RAM Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18 4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CINTRAL REVENUE BUILDING. LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No. LDH/87/78-79.—Whereas I, NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer

at Ludhiana in September 1978

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Niranjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh, & Kuldip Singh c/o M/s Cafcutta Industries Works, Gill Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shii Kupal Singh s/o Sh. Hukum Singh i/o 718, Chet Singh Nagar, Ludhiana. (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 100 Sq. yds. situated on Gill Road, ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered Deed No. 2185 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18-4-1979. Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING,

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/91/78-79.—Whereas I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. Plot measuring 155½ Sq. yds. situated on Gill Road, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering officer at Ludhiana in September 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the Issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Niranjan Singh, Harchand Singh, Harbans Singh, Dalip Singh, Inder Singh, Jagdish Singh, Kapur Singh & Kuldip Singh c/o M/s Calcutta Industries Works, Gill Road, Ludhiana. (Transferor)
- (2) Sh. Sukhiwinder Singh s/o Shri Kirpal Singh, r/o H. No. 718, Mohalla Chet Singh Nagar, Ludhiana. (Transforee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot measuring 1551 Sq. yds, situated at Gill Road, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2212 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana).

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date: 18 4-1979,

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, LUDHIANA CENTRAL REVENUE BUILDING.

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/76/78-79—Whereas I, Nathu Ram, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

No. 1/4th portion of a factory building measuring 2420 Sq. yds. situated Industrial Area-A, Ludhiana.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiana in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Sh. Amar Singh s/o Mukandi Lal s/o Kheeva c/o Paiveen Hosicry r/o B VI/234 Kucha No. 3, Madhapuri, Ludhiana.

(Transferor)

- (2) Sh Banwari Lal Behl s/o Sh, Ralla Ram Behl s/o Sh, Ghasceta Ram B IV/1390 Chauri Sarak, Hosiery Commission Agent, Near Akki Bai Hospital, Ludhana.
- *(3) Sh. Mchar Chand s/o Sh. Mela Ram, 275, Industrial Area-A, Ludhiana.
- (Person in occupation of the property).

 *(4) Sh Kashmira Singh c/o S. K Wonderful Hosiery Mills, Kucha No. 3, Madhoputi, Ludhiana (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned.—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/4th share in a factory building No. 275 measuring 2420 Sq. yds. situated in Industrial Area A, Ludhiana.

(The property as mentioned in the registered deed No. 2105 of August, 1978 of the Registering Authority Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Iudhiana

Date 18-4-1979.

NOTICE UNDER SECTION 269D (1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BUILDING LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref No LDH/105/78 79 —Whereas I, NATHU RAM, being the Competent Authority under section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the said Act), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25000/- and bearing No Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Jamalpur Awana Feh & Distr Ludhian : (and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering officer at Luhiana in September, 1978 for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cnt of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth Tax Act, 1957 (27 of 1957):

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the atoresaid property by the issue of the notice under sub-section (1) or section 269D of the said Act to the following persons namely:—

(1) Smt Harnam Kaur wd/o Sh. Sham Singh, Vill ge Naiangwal Teh & Distt I udhiana through S Amarjeet Singh Grewal, Advocate s/o Shri Gurdeep Singh, 407, Model Town, I udhiana

(Transferor

(2) Shii Jang Singh s/o Sunder Singh, Village Jamalpur Awana Teh & Disti Ludhiana

(Transferor)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other persons interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

Explanation —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals 14 mails situated at Village lamalpur Awana Teh & Disti Ludhiana (The property as mentioned in the Registered deed No 2482 of September, 1978 of the Registering Officer Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income tax
Acquisition Range, Ludhiana

Date 18 4-1979. Seal •

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGF, CENTRAL REVENUE BLDG LUDHIANA

Ludhiann, the 18th April 1979

Ref No LDH/106/78-79—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing No

Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Kamalpur Awana Teh Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ludhiand in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability or the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) Smt Hainam Kaui wd/o Shii Sham Singh, 1/o Village Narangwal Teh & Distt Ludhiana through Shri Amarjeet Singh Grewal Advocate 5/o Shii Gurdeep Singh, 1/o 407, Model Town, Ludhiana.
- (2) Shri Jang Singh yo Shri Sunder Singh Village Jamalpur Awana Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 30 kanals 14 marlas situated at Village Jamaipui Awana Teh & Distt, Ludhiana (The property as mentioned in the egistered deed No 2499 of September, 1978 of the egistering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM
Competent Authority,
Inspecting Asstt Commissioner of Income-tax,
Acquisition ange, Ludhiana

Date 18-4-1979

FORM ITNS ----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/107/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No. 40D, measuring 978 Sq. yds, situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—-

 Shei Ramcharan Singh s/o Shei Harnam Singh r/o 202-Sector 33-A, Chandigarh.

(Transferor)

(2) S/Shri Charanjeet Singh, Jagjit Singh ss/o Shri Gurnam Singh s/o Shri Waryam Singh r/o Kucha No. 13, Field Ganj, Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No. 40-D, measuring 978 Sq. yds. situated at Kartar Singh Sarabha Nagar, Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 2516 of September, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM, Competent Authority, Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax, Acquisition ange, Ludhiana.

Date: 18-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOMETAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/R/82/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax, Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Land measuring 80 kanals, situated at Village M. Ghumana, Teh. Ludhiana

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Ludhiana in August 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——24—56GI/79

(1) Shri Maheshi s/o Shri Bachna r/o Village Ghumana now at Ghanaun, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferor)

(2) Shri Bhag Singh 5/0 Shri Jagjit Singh r/0 Village Ghanaun, Teh. & Distt. Ludhiana.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned--

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 80 kanals situated at Village M. Ghumana, Tch. & Distt. Ludhiana.

(The property as mentioned in the Registered deed No. 3921 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana.)

NATHU RAM
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition ange, Ludhiana.

Date: 18-4-1979

FORM ITN S .---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVFNUE BLDG LUDHIANA

Ludhiana, the 18th April 1979

Ref. No. LDH/R/85/78-79.—Whereas, I. NATHU RAM being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing No.

Plot No. 65-I. Measuring 846 sq. yards, situated at Kartar Singh Sarabha Nagar (Village Sunet), Ludhiann (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Ludhiana in August 78

which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (a) facthitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which coght to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) S. Tara Singh 8/0 Shri Nahar Singh 8/0 Shri Chet Singh 1/0 Village Sunet Teh. & Distt. Ludhiana. (Transferor)
- (2) Shri Bharat Bhushan s/o Shri Om Parkash s/o Shri Kaur Sain & Smt. Santosh Rani w/o Shri Om Parkash c/o Jindal Industries, H-2, Textile Colony, Industrial Area 'A', Ludhiana.

 (Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 65-1, measuring 846 sq yds, situated at Kartar Singh Sarabha Nagar (Village Sunet), Ludhiana. (The property as mentioned in the Registered deed No. 4016 of August, 1978 of the Registering Officer, Ludhiana)

NATHU RAM,
Competent Authority.
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition ange, Judhiana

Date: 18-4-1979

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 21st April 1979

Ref. No. CHD/194/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act') have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Property SCF No. 5, Sector 27-C, constructed on a plot measuring 123.75 sq. yards situated at Chandigarh

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Chandigarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- Smt. Bhagwan Devi w/o Shri Mohari Lal Kathuria, r/o H. No. 279, Sector 21-C, Chandigarh. (Transferor)
- (2) Shri Sewak Singh 5/0 Shii Harnam Singh, S/Shri Randhir Singh, Mohanbir Singh, Jasbir Singh, Ramabir Singh and Tejinderbir Singh ss/0 Shri Sewak Singh, 1/0 H. No. 115, Sector 8-Λ, Chandigath. (Transferee)
- (3) 1. Dhari Shah Di Hatti, SCF No. 5 Sector 27-C, Chandigarh.
 - 2. Shri Dalip Chand
 - 3. Mrs. Veena Marwah c/o 1st floor, SCF No. 5, Sector 27-C, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property SCF No. 5 Sector 27-C, Chandigarh, (The property as mentioned in the Registered deed No. 428 of August, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh)

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition ange, Ludhiana.

Date: 21-4-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 21st April 1979

Ref. No. CHD/205/78-79.--Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana being the competent authority under section 269B of the Income-tax Act. 1961 (43 of 1961)

(hereinafter referred to as the 'said Act), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Property SCO No. 266, Sector 35-D, constructed over a plot measuring 121 sq. yds. situated at Chandigarh

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16

of 1908) in the office of the Registering Officer at

Chandigarh in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesald property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

(1) 1 Shri Hans Raj s/o Shri Ram Singh 2. Smt Shanti Devi w/o Shri Hans Raj,, through G.As S/Shri Ram Sarup and Ashok Kumar ss/o Shri Hans Raj, r/o 36-C, Prahalad Nagar, Meerut City.

(Transferor)

(2) Lt. Col. Gurpartap Singh Sekhon s/o Late Col. Raghbir Singh,

2. Cap, Sarbjit Singh Sekhon s/o Lt. Col. Gurpartap Singh,

3. Kanwar Partap Singh Sekhon (minor) and

4. Bhagwan Partap Singh (minor) ss/o Cap. Sarbjit Singh

5. Smt. Rajinder Kaur w/o Lt. Col. Gurpartap Singh,

6. Mrs. Sheena Sekhon w/o Cap. Sarbjit Singh Sekhon, r/o Manjit Inderpura, Feridkot.

(Transferee)

(3) Shri Naresh Kumar Uppal, Prop;
 M/s Uppal General Store,
 SCO No. 266, Sector 35-D, Chandigarh.

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of the notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act. shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property SCO No. 266, Sector 35-D, Chandigarh. (The property as mentioned in the Registered deed No. 458 of August, 1978 of the Registering Officer, Chandigarh).

NATHU RAM.

Competent Authority, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition ange, Ludhiana.

Date: 21-4-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, CENTRAL REVENUE BLDG. LUDHIANA

Ludhiana, the 21st April 1979

Ref. No. PTA/99/78-79.—Whereas, I, NATHU RAM, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax Acquisition Range, Ludhiana

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Kothi No. 7708/5, Bhupinder Nagar Road, situated at Patiala

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Patiala in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the hability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Com. Hardev Singh Shri Parhlad Singh, r/o S-260, Punj Seel, New Delhi.

(Transferor)

(2) Smt. Harinder Kaur & Shri Amarjit Singh s/o Dr. Balbir Singh, r/o Village Bulapur, Teh. Malerkotla,

(Transferee)

(3) Shri (Dr.) Sukhdev Singh, Kothi No. 7708/5, Bhupiner Nagar Road, Patiala.

(Person in occupation of the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Kothi No. 7708/5, Bhupinder Nagar Road, Patiala. (The property as mentioned in the Registered deed No. 2579 of August, 1978 of the Registering Officer, Patiala).

NATHU RAM,
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax
Acquisition ange, Ludhiana.

Date: 21-4-1979

Scal:

FORM ITNS.

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX ACQUISITION RANGF, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 20th November 1978

Ref No BGR/DLI/21/78179,—Whereas, 1. RAVINDER KUMAR PATHANIA

being the competent authority under section 269B of the In come-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter reteried to as the said Act') have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Plot No 54A, DLF Industrial Area No 1, situated at Faridabad

(and more fully described in the Schedule annexed hereto) has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer Delhi in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957).

Now, therefore, in pursuance of section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforsaid property by the issue of this notice under subsection (1) of section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Narinder Singh, Shaminder Singh, Apminder Singh and Smt. Gurcharan Kaur, all R/o E-10, East of Kailash, New Delhi

(Transferor)

(2) M/s Jainson Engineers (P) Ltd, Regd Office, J-2, Green Park, New Delhi,

(Transferce)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said Immovable property within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Plot No 54A measuring 4066 sq yds and situated at DLF Industrial Area No. 1, Faridabad (Property as mentioned in sale deed registration No 411 dated 11-8-1978 and registered in the office of the Registering Authority, Delhi"

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date . 20-11-1978 Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 20th November 1978

Rcf No PNP/3/78 79—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'),

have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing Land measuring 4 bigha 18 biswas situated at Patti Rajputan, Panipat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Panipat in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair maraket value of the property as afore said exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

- (1) 1 Smt Bimla Chaudhry Wd/o Late Shri Lachman Dass,
 - 2 Smt. Nidhi Chaudhry D/o Shri Lachhman Dass, Rs/o H No. 188, Model Town, Panipat (Transferor)
- (2) 1 Shri Ram Narain s/o Shri Shiydhan Mal,
 - 2 Smt Savitri Devi w/o Shri Ram Narain,
 - 3 Shri Laxmi Chand s/o Shri Neki Ram, C/o M/s General Metal Industries, Railway Road, Panipat

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 4 bigha 18 biswas situated at Patti Raj putan, Panipat.

(Property as mentioned in the sale deed registered at serial No 2487 of September, 1978 with the Sub Registrar Panipat)

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range Robital

Date 20-11-1978 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD ROHTAK

Rohtak, the 25th January 1979

Ref. No. SPT/378-79.—Whereas, I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinaffer referred to as the 'said Act', have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

Land measuring 29 Kanal 14 Marla situated at village Kundli, Tch. Sonepat.

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Sonepat in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferoe for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, 1 hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 S/Shri Bhagwana, Duli Chand, Kanshi Ram ss/o Smt. Ram Devi d/o Shri Har kishan s/o Shri Khubi Jat r/o vill. Kundli, Teh. Sonepat.

(Transferor)

(2) M/s Kinjfolk Industries (P) Ltd. 893, Bara Bazar, Tilak Gali, Kashmiri Gate, Delhi.

(Transferee)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Land measuring 29 Kanal 14 Marla situated on Janti Road, Kundli, Tch. Sonepat, and as mentioned in the sale deed registered at sorial No. 2611 in August, 1978 with the Sub-Registrar, Sonepat.

RAVINDER KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 25-1-1979

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 25th January 1979

Ref. No. SNP/4/78-79.—Whereas I, RAVINDAR KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to

believe that the immovable property, having a fair market value exceed ng Rs. 25,000/- and bearing

Land measuring 25 Kanal 13 Marla alongwith building including Tubewell, Pumping set etc. situated at village Kundli, Teh. Sonepat

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sonepat in September, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

25-56GI/79

(1) S/Shii Balraj Kishan, Shadi Lal, Asa, Rattan, Pyate Lal and Chaman Lal ss/o Shri Uttam Chand, House No. 5/9-A, Roop Nagar, Delhi.

(Transferor)

(2) Shri Karam Chand Goel s/o Shri Puran Chand Goel, Prop. M/s. Goel Spining & Weaving Mills, Vill. Rasoi, P.O. Nathopur, Distt. Sonepat.

(Transferee)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULB

Land measuring 25 Kanal 13 Marla with sheds, Tubewell, Pumping set etc. as mentioned in the sale deed registered at serial No. 2878 of September 1978 with the Sub Registrar, Sonepat.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 25-1-79

FORM ITNS ---

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

(1) Shii Kashmiri Lal s/o Shri Ram Lal R/o Sirsa.

(Transferor)

(2) Shri Satish Kumar Gureja s/o Shri Jai Dayal Resident of House No. 197/B-I, Nai Mandi, Sirsa.

(Transferce)

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 13th February 1979

Ref. No. SRS/5/78-79.—Wherens I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

H. No. 197/B-I situated at Nai Mandi, Sirsa

(and more fully described in the schedule annexed hereto), has been transferred under the

Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sirsa in August, 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of

the aforesaid property and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in purchance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing House No. 197/B-I, Nai Mandí, Sirsa and as mentioned in the Sale deed registered at serial No. 3225 dated 17-8-1978 with the Sub-Rgistrar, Sirsa.

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Asstt. Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak.

Date: 13-2-1979

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269-D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohtak, the 13th February 1979

Ref. No BGR/13/78-79.—Whereas I, RAVINDER KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269B of the Income tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/-and bearing

B. P. No. 36, NH-2, NIT situated at Faridabad (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the Office of the Registering Officer at Ballabgarh in August, 978

for an apparent consideration which is

less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act 1961 (43 of 1961) to the following persons, namely:—

- (1) S/Shri Om Paikash Gupta, Anand Parkash Gupta, Rameshwar Parkash Gupta and Madan Ji Gupta ss/o Shri Shugan Chand Gupta residents of 28A, Kamla Nagar Delhi and partners of M/s Om Parkash Gupta & Bios 146, Ghandhi Chowk, Delhi (Transferor)
- (1) (1) Smt. Pushpa Gandhi w/o Shri Pritam Lai Gandhi.
 - (2) Shii Naresh Kumar 8/0 Shri Tek Chand residents of H. No 2-M/67, NIT Faridabad.

(Transferec)

Objections if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION :—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property bearing B.P. No. 36 measuring 694 sq. yrds, situated at NH-2, NIT Faridabad and as mentioned in the Sale deed registered at No 3272 of August, 1978 with the Sub-Registrar, Ballabgarh

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Rohtak

Date · 13-2-1979

Seal .

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE, SONEPAT ROAD, ROHTAK

Rohatak, the 13th February 1979

Ref No SNP/9/78-79—Whereas I, RAVINDI'R KUMAR PATHANIA, Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Rohtak

being the Competent Authority under Section 269 B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (herein flei referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000 and bearing

I and measuring 40 Kanal situated at Village Rasor, Teh Sonepat

(and more fully described in the

Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Sonepat in October 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the jeduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer and 'or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferree for the purposes of the Indian Income tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:——

(1) Smt Savith Devi D/o
Shii Ran Singh Jat
R o Vill Rasoi Tch Sonepat
at present wife of Shii Om Parkash s/o
Shri Bhaiat Singh, R sident of Pipli
Lehsil Sonepat

(Transferor)

(2) Shii Satish Kumar Goel (Minoi) through his father and natural guardian Shii Karam Chand Goel, Resident of Govindpuri, Modinagar (UP)

(Transferce)

(3) Shii Surjit Kumai Jain, 2195, Dharampura, Chandni Chowk, Delhi

(Person in occupation of the Property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later,
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

I-XPLANATION —The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

Property being land measuring 40 Kan d situated in village Rasol, Teh Sonepat and as mentioned in the sale deed registered at No 3433 dated 27 10-1978 with the Sub-Registerar, Sonepat

RAVINDAR KUMAR PATHANIA
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax
Acquisition Range, Rohtak

Date 13-2 1979 Seal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX,

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Annit-ar, the 24th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/18.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/and bearing

Nine Sheds and 1/2 share in Deori situated at Vadali Guru Urban

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at American on 11-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid

property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesoid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the Hability of the transferor to pay tax under the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961) or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Hans Raj s o Shii Shambhu Nath Kapui, Resident of Islamabad, Amritsar.

(Transfere.

- (2) Shii Kartar Singh 8/0 S. Surain Singh, Resident of Village Bohru Tehsil & Distl. Amritsav. (Transferee)
- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later.
- (b) by any other person interested in the immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Property consisting of 6 sheds single, one shed double, two shops an 1/2 share in Deori as mentioned in 37-G form [9 sheds and 1/2 share in Deori (Corridor) found on site inspection] covering an area of 458-3 sq. mtrs. Min. Jumla No. Khasta 1052 situated at Vadali Guiu Urban within Municipal Corporation, Amritsar, as mentioned in Registered Deed No. 3062 dated 11-8-78 of the Registered Officer, Amritsar.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-79

Scal:

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT, COMMIS-SIONER OF INCOME-TAX

ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1979

Rcf. No. ASR/79-80/19.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000 and bearing 1/10th share and bearing situated at Chowk Passian, Amritsar (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

Amritsar on 29-9-78

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilinating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C, of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub-sectically of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Mohan Lal s/o Shri Muni Lal R/o Hall Bazar, c/o East India Press, Amritar

(Transferor)

(2) Smt. Kamlesh Ghulani w/o Shri Manohar Gulati R/o 13/1, Rani Ka Bagh, Amritsar

(Transferee)

- (3) As at Sr. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned---

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

1/10th share of one building Masuma Laxmi Market No. 14/4-1, 257, 259, 255, 778/4, 970 and 972/11 Min. 973½ Min. 7/4-1, 896, 780/11-7 and No. 8/4 and No. 1255 Khana Sumari, situated at Bazar Guru, Chowk Passian Bazar Warian (area 38 Marba metr.) as mentioned in the Registered deed No. 2406/1 dated 29-9-78 of the Registering Officer, Amritsar.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME TAX,

ACOUISITION RANGE. **AMRITSAR**

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. ASR/79-80/20.--Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing Agrl. land measuring 64 kanals

situated at Mahmud Nagar Teh. Amritsar

(and more fully described

in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at

Amritsur on 18-8-78

for an apparent consideration which

is less than the fair market value of the aforesald property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties

has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of :-

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/ ОΓ
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:-

Shri Nishan Singh s/o Shri Bagga Singh, R/o Village Cheecha Tehsil, Amritsar.

(Transferor)

(2) Shri Dharam Singh s/o Shri Ganda Singh, R/o Village Hamidpura Tehsil Amritsar.

(Transferee)

- (3) As at St. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property. (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned-

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION: - The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 64 kanals Kiila No. 22/7, 8/2, 15, 23/9, 10, 11, 12, 13 Min 23/1/2 Min situated in Mahmud Nagar Tehsil Amritsar, as mentioned in the Registered deed No. 3098 dated 18-8-1978 of the Registering Öfficer, Amritsar.

> M. K. DHAR Competent Authority Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax, Acquisition Range, Amutsar.

Date: 24-4-79

FORM ITNS----

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACI, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSTT. COMMISSIONER OF INCOME-TAX.

ΛCQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. ASR/TT/79-80/21.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

Agrl. land measuring 85K 10 M situated at Village Behari Pur Teh. Tarn Taran (and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Tarn Taran on 18-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid—exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act, in respect of any income arising from the transfer; and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

 Shri Santokh Singh s/o S. Uttam Singh Resident of Village Tara Garh Teh. & Distt. Amritsar.

(Transferor)

(2) S/Shri Sakkatar Singh, Nirmal Singh, Dalbir Singh, Jagtar Singh and Joginder Sinigh Ss/o Banta Singh s/o Jhanda Singh, Village Hothian Tchsil Tarn Taran, Distt. Amritsar,

(Transferee

- (3) As at Sr. No. 2 overleaf and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

Agricultural land measuring 85 kanals 10 marlas situated in village Behari Pur Tehsil Tarn Taran (ASR) bearing Khata Khatauni No. 58/142-57/140 as mentioned in the registered deed No. 3905 dated 18-8-78 of the Registering Officer, Tarn Taran.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-79

FORM ITNS-

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSISTANT COMMISSIONER OF INCOME-TAX, ACQUISITION RANGE, AMRITSAR

Amritsar, the 24th April 1979

Ref. No. GSP/ASR/79-80/22.—Whereas, I, M. K. DHAR, being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs. 25,000/- and bearing

One plot of land situated at Gurdaspur

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at Gurdaspur on 10-8-78

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reasons to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of —

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability
 of the transferor to pay tax under the said Act, in
 respect of any income arising from the transfer;
 and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under subsection (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely:—

(1) Shri Namder Nath s/o Kirpa Nath, R/o Gurdaspur.

(Transferor)

- (2) Smt, Usha Kumari w/o Shri Janak Raj and Janak Raj s/o Patch Chand R/o Gurdaspur.
- (3) As at Si. No. 2 above and tenant(s) if any (Person in occupation of the property)
- (4) Any other person(s) interested in the property.

 (Person whom the undersigned knows to be interested in the property)

Objections, if any, to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:—

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons, whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette.

EXPLANATION:—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the sald Act, shall have the same meaning as given in that Chapter.

THE SCHEDULE

One plot of land measuring 46 x 47' (240 sq. yds.) bearing Khasia No 982 situated at Gurdaspur as mentioned in the registered deed 3689 dated 10-8-78 of the Registering Officer, Gurdaspur.

M. K. DHAR
Competent Authority
Inspecting Assistant Commissioner of Income-tax,
Acquisition Range, Amritsar.

Date: 24-4-79

NOTICE UNDER SECTION 269D(1) OF THE INCOME-TAX ACT, 1961 (43 OF 1961)

GOVERNMENT OF INDIA

OFFICE OF THE INSPECTING ASSIT. COMMISSIONER OF INCOME TAX

ACQUISITION RANGE 4/14A, ASAF ATT ROAD, NEW DEI HI 110001

New Delhi, the 12th April 1979

No IAC Acq I/S R III/August-81/1978 79 —Whreas I. Miss Anjani Oza,

being the Competent Authority under Section 269B of the Income-tax Act, 1961 (43 of 1961), (hereinafter referred to as the 'said Act'), have reason to believe that the immovable property, having a fair market value exceeding Rs 25,000/- and bearing

No 5 situated at Friends Colony (West), Mathura Road, New Delhi

(and more fully described in the Schedule annexed hereto), has been transferred under the Registration Act, 1908 (16 of 1908) in the office of the Registering Officer at New Delhi on 28 8 1978

for an apparent consideration which is less than the fair market value of the aforesaid property, and I have reason to believe that the fair market value of the property as aforesaid exceeds the apparent consideration therefor by more than fifteen per cent of such apparent consideration and that the consideration for such transfer as agreed to between the parties has not been truly stated in the said instrument of transfer with the object of:—

- (a) facilitating the reduction or evasion of the liability of the transferor to pay tax under the said Act in respect of any income arising from the transfer, and/or
- (b) facilitating the concealment of any income or any moneys or other assets which have not been or which ought to be disclosed by the transferee for the purposes of the Indian Income-tax Act, 1922 (11 of 1922) or the said Act, or the Wealth-tax Act, 1957 (27 of 1957);

Now, therefore, in pursuance of Section 269C of the said Act, I hereby initiate proceedings for the acquisition of the aforesaid property by the issue of this notice under sub section (1) of Section 269D of the said Act, to the following persons, namely —

(1) Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society, through Shii A P Jain Official Liquidator, Registral of Co-operative Societies New Delhi

(Transferor)

(2) Shri S. I. Nayyar & Shiimati Vidya Vati Naywar Resident of 174 Sector 11 A Chandigaili, (Punjab)

(Transferee)

Objections, if any to the acquisition of the said property may be made in writing to the undersigned:

- (a) by any of the aforesaid persons within a period of 45 days from the date of publication of this notice in the Official Gazette or a period of 30 days from the service of notice on the respective persons whichever period expires later;
- (b) by any other person interested in the said immovable property, within 45 days from the date of the publication of this notice in the Official Gazette

EXPLANATION.—The terms and expressions used herein as are defined in Chapter XXA of the said Act, shall have the same meaning as given in that Chapter

THE SCHEDULE

An immovable property No 5 measuring 3865-6 Sq ft situated in Nathuram Friends Colony Co-operative House Building Society, Mathura Road, New Delhi, bounded as under

North · Plot No 6, West : Railway line South : Plot No 4 East Main Road

MISS ANJANI OZA
Competent Authority,
Inspecting Assit Commissioner of Income-tax,

Acquisition Range-I Delhi/New Delhi

Date 12-4-1979 Seal.